- रिपोर्ट के मुताबिक भारत में फरवरी में रिकार्ड 4.25 लाख यात्री वाहनों की बिक्री -12

- कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार -12

- सीमा पर बाड़ लगाने के लिए 105 एकड़ जमीन देगी बंगाल सरकार -13

- मैंने फोन और सोशल मीडिया बंद कर दिया और अंतरात्मा की आवाज सुनी : सैमसन -14


आज का मौसम 32.0° अधिकतम तापमान 15.0° न्यूनतम तापमान सूर्योदय 06.32 सूर्यास्त 06.10

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

# अमृत विचार

|कानपुर नगर|

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ ■ बरेली ■ कानपुर ■ मुरादाबाद ■ अयोध्या ■ हल्द्वानी

फाल्गुन शुक्ल पक्ष पूर्णिमा 05:07 उपरांत प्रतिपदा विक्रम संवत 2082

मंगलवार, 3 मार्च 2026, वर्ष 4, अंक 192, पृष्ठ 14 ■ मूल्य 5 रुपये


## रंगों से आगे... आत्मा के रंगों की होली

होली केवल एक ऐसा पर्व न बने जहाँ हम एक-दूसरे को रंग लगा भर दें। होली वह उत्सव बने, जहाँ हम अपनी आत्मा के रंगों में रंग जाएं। बचपन की होली आज भी स्मृतियों में उतनी ही ताज़ा है। त्योहार आने से 15-20 दिन पहले ही उसका उत्साह शुरू हो जाता था। स्कूल से लौटते ही हम मित्र शाम का इंतज़ार करते। फिर सब मिलकर कस्बे के बाहरी हिस्सों की ओर निकल पड़ते -हाथ में फावड़ा या कुल्हाड़ी जैसी कोई चीज़, सूखी टहनियाँ और लकड़ियां इकट्ठा करने के लिए। हम सूखे पेड़ों की डालियां और लकड़ियां जमा करते और एक स्थान पर उन्हें इस प्रकार सजाते जैसे कोई गुफा बना रहे हों। पूर्णिमा की रात तक हमारी होलिका दहन की तैयारी पूरी हो जाती।

हम गोबर के उपले, ईंधन और अन्य सामग्री भी एकत्र करते और मोहल्ले के लोगों को समय की सूचना देते। पूरा आयोजन केवल एक परंपरा नहीं, बल्कि आपसी समन्वय, सहयोग और आनंद का उत्सव होता था। समय के साथ तरीक़े भले बदल गए हों, पर होली का उत्साह आज भी वैसा ही जीवंत है। होली का आध्यात्मिक अर्थ रंगों और उल्लास से कहीं अधिक गहरा है। यह नवीनीकरण, क्षमा, समानता और आनंद का पर्व है। होलिका दहन में हम अपने भीतर की नकारात्मकता, अहंकार और कटुता को भी अग्नि को समर्पित करते हैं। इसके बाद रंगों का उत्सव जीवन की नई शुरुआत का प्रतीक बन जाता है जैसे अंधकार के बाद प्रकाश।

होली की सुबह एक अद्भुत दृश्य सामने आता है। घरों, गलियों और दिलों में जैसे कोई जादू उतर आता है। चेहरे रंगों से सराबोर होते हैं, हंसी संकोच की जगह ले लेती है, और वर्षों की दूरियां भी जैसे एक दिन के लिए मिट जाती हैं। यह मुक्ति केवल बाहरी नहीं, भीतर की भी होती है और यही होली का आध्यात्मिक सार है। रंग केवल सजावट नहीं, भावनाओं और संदेशों के प्रतीक हैं। लाल ऊर्जा और प्रेम का, पीला आस्था और पवित्रता का, हरा समृद्धि और नई शुरुआत का, और नीला अनंत आकाश जैसी व्यापकता का प्रतीक है। जब हम एक-दूसरे को रंग लगाते हैं, तो अनजाने में हम शुभकामनाएं, अपनापन और सकारात्मकता भी बांटते हैं।

अमृत विचार में होली केवल एक पर्व नहीं, बल्कि एक भावना है। हमारा प्रयास सदैव यही रहता है कि हम समाज के जीवन में सकारात्मक विचारों, निष्पक्ष समाचारों और नई सोच के सुंदर रंग भर सकें। इस पावन अवसर पर हम अपने सभी पाठकों, विज्ञापनदाताओं, वितरकों, सहयोगियों और समर्पित टीम के प्रत्येक सदस्य को होली की हार्दिक शुभकामनाएं देते हैं। आइए, इस होली केवल रंग न खेलें — बल्कि मन, विचार और आत्मा को भी प्रेम, विश्वास और सद्भाव के रंगों से रंग दें। आप सभी को होली की शुभकामनाएं।

**पार्थो कुनार**, सीओओ

# हिजबुल्लाह भी कूदा जंग में, इजराइल पर शुरू किए हमले
# कुवैत में कई अमेरिकी विमान गिरे, यूएई में रिफाइनरी बंद

## दोनों ओर से हमले तेज होने के बाद जंग का दायरा बढ़ा, कुवैत में अमेरिकी दूतावास पर भी ईरान का मिसाइल हमला

- महायुद्ध में तब्दील होने लगा ईरान-अमेरिका-इजराइल संघर्ष, पश्चिम एशिया में और बढ़ा तनाव
- बेरुत में इजराइल के जवाबी हमले में मारा गया हिजबुल्लाह का खुफिया प्रमुख, 31 आम लोगों की भी मौत

**दुबई, एजेंसी**

ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच संघर्ष का दायरा बढ़ने के साथ मंगलवार को तीसरे दिन युद्ध भीषण हो गया। इजराइल और अमेरिका के विमानों ने ईरान पर भारी बमवारी की तो जवाब में ईरान ने खाड़ी देशों को निशाना बनाते हुए कुवैत में अमेरिका के कई एफ- 15 लड़ाकू विमान मार गिराए। कुवैत में अमेरिकी दूतावास पर भी मिसाइल हमला किया, जिसके बाद यहां आग के साथ धुएं का गुबार उठता दिखाई दिया। ईरान के हमले के बाद संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) में एक रिफाइनरी को बंद करना पड़ा। ईरान ने इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय को भी निशाना बनाने का दावा किया है, हालांकि इजराइल ने इसकी पुष्टि नहीं की।

इस बीच ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला खोमेनी की मौत के बाद लेबनान के आतंकी संगठन हिजबुल्लाह भी जंग में कूद पड़ा। सोमवार को उसने उत्तरी इजराइल में रॉकेटों से हमला किया। जवाब में इजराइल सशस्त्र बल ने बेरुत में हमला कर हिजबुल्लाह के खुफिया मुख्यालय के प्रमुख हुसैन मकलेद को मार गिराया। इजराइल ने बेरुत में हिजबुल्लाह के वरिष्ठ आतंकवादियों, दर्जनों केंद्रों और हथियार जमा करने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले स्थल पर सटीक हमला किया। इस हमले में 31 अन्य लोगों की भी मौत हो गई। इधर, ईरान ने यूएई, कतर, कुवैत, बहरीन और सऊदी अरब समेत खाड़ी देशों को निशाना बनाना जारी रखा। यहां ईरान ने अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए।

भीषण जंग के बीच ईरान ने दावा किया कि उसने कुवैत में अमेरिका के कई एफ-15 स्ट्राइक ईगल लड़ाकू विमानों को मार गिराया है। ये विमान ईरान पर हमले के लिए उड़ान भर रहे थे। हालांकि उनके पायलटों को सुरक्षित बचा लिया गया। कुवैत के आधिकारिक प्रवक्ता कर्नल साद अल अतवान ने विमानों के गिरने की पुष्टि की। हालांकि अमेरिका ने कहा कि उसके तीन विमानों को कुवैत की वायु रक्षा प्रणाली ने धोखे में हमला कर गिराया है। ईरान ने इजराइल के प्रधानमंत्री कार्यालय को भी अपने हमलों का निशाना बनाए जाने का दावा किया है। हालांकि इसकी पुष्टि इजराइल की ओर से नहीं की गई। कुवैत सिटी में अमेरिकी दूतावास पर भी मिसाइल से हमला किया जिसके बाद परिसर के अंदर से आग और धुआं उठता देखा गया।

ईरान और ईरान समर्थित मिलिशिया ने इजराइल और अरब देशों पर बड़े पैमाने पर मिसाइलें दागीं। इसके बाद सऊदी अरब की सरकारी स्वामित्व वाली तेल कंपनी अरामको ने दम्माम के समीप अपनी रास तानूरा तेल रिफाइनरी को अस्थाई रूप से बंद कर दिया। सऊदी अरब के सरकारी टेलीविजन ने बताया कि यह फैसला एहतियाती तौर पर लिया गया है। ईरानी हमलों के कारण तेल के व्यापार को खासा नुकसान पहुंचा है।

तेहरान में इजराइली हमलों के बाद उठता धुएं का गुबार।

इजराइल में ईरान के मिसाइल हमले से गड्ढे में तब्दील सड़क।

### ईरान में दो दिन के अंदर 555 लोगों की मौत, 131 शहरों को भारी नुकसान

- अपने परमाणु स्थल नतांज पर भी हवाई हमले का ईरान ने लगाया आरोप

**तेहरान/वियना।** युद्ध क्षेत्रों में मानवीय सहायता पहुंचाने वाली संस्था रेड क्रिसेंट के मुताबिक अमेरिका और इजराइल के संयुक्त हमलों में ईरान में दो दिनों में 555 लोगों की मौत हो गई है और देश के 131 नगरों को खासा नुकसान पहुंचा है। इस बीच ईरान ने आरोप लगाया कि अमेरिका-इजराइल ने उसके नतांज परमाणु संवर्धन स्थल को हवाई हमलों का निशाना बनाया है। हालांकि अंतर्राष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने इस दावे की पुष्टि नहीं की। आईएईए में ईरान के राजदूत रेजा नजफी ने सोमवार को कहा कि अमेरिका-इजराइल के हवाई हमलों में ईरान के नतांज परमाणु संवर्धन स्थल को निशाना बनाया गया है। इसके विपरीत आईएईए प्रमुख राफेल ग्रॉसी ने कहा कि अब तक एजेंसी को कोई संकेत नहीं मिला है कि ईरान में परमाणु केंद्रों को निशाना बनाया गया है। आईएईए मुख्यालय में रूस के अनुरोध पर संचालन मंडल की बैठक चल रही है। इजराइल ने इससे पहले 13 जून को नतांज में हमला किया था, जिससे यह काफी हद तक नष्ट हो गया था।

### हमले में घायल खामेनेई की पत्नी ने भी तोड़ा दम

**तेहरान।** इजराइल के हमले में घायल हुईं ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्लाह अली खामेनेई की पत्नी की भी सोमवार को मौत हो गई। सरकारी मीडिया के अनुसार खामेनेई की पत्नी को शहादत नसीब हुई है। शनिवार को खामेनेई इजराइल के मिसाइल हमले में मारे गए थे। उनके कई रिश्तेदारों की भी मौत हो गई थी।

### तेल टैंकर को टक्कर मारी, भारतीय की मौत

**दुबई।** ओमान में मस्कट प्रांत के तट के पास सोमवार को विस्फोटकों से भरी एक मानवरहित नौका के तेल टैंकर से टकराने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। ओमान के रक्षा मंत्रालय के मुताबिक शेष 21 सदस्यों को सुरक्षित निकाला गया। इनमें 16 भारतीय हैं। एक दिन पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य में एक अन्य तेल टैंकर पर हमला हुआ था। इसमें चालक दल के चार सदस्य घायल हो गए। जो भारत और ईरान के नागरिक थे।

## न्यूज ब्रीफ

### नागपुर विस्फोट मामले में नौ अधिकारी गिरफ्तार

**नागपुर।** महाराष्ट्र के नागपुर जिले में विस्फोटक निर्माण कंपनी के कारखाने में हुए भीषण विस्फोट में 19 लोगों की मौत की घटना के बाद पुलिस ने कंपनी के नौ निदेशकों को गिरफ्तार कर लिया है। गैरइरादतन हत्या के आरोप में एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के 21 निदेशकों और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। घटना के बाद नागपुर के पालक मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने बताया कि घटना की विस्तृत जांच नागपुर की संभागीय आयुक्त विजयलक्ष्मी बिदरी करेंगी। प्रारंभिक निष्कर्षों से पता चलता है कि विस्फोट लापरवाही के कारण हुआ है।

### डॉलर के मुकाबले रुपये में 41 पैसे की भारी गिरावट

**मुंबई।** पश्चिम एशिया में तनाव के बीच सोमवार को रुपया 41 पैसे की जोरदार गिरावट के साथ 91.49 प्रति डॉलर पर बंद हुआ। विदेशी मुद्रा कारोबारियों के मुताबिक, ईरान और इजराइल-अमेरिका के बीच सैन्य हमलों के कारण कच्चे तेल की कीमतों में भारी उछाल आने से अमेरिकी मुद्रा की मांग में तीव्र वृद्धि हुई है। घरेलू शेयर बाजार में भारी बिकवाली और विदेशी कोषों की निकासी ने भारतीय मुद्रा पर दबाव को और बढ़ा दिया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 91.23 पर खुला और कारोबार के दौरान इसने 91.65 का निचला स्तर छुआ। अंत में रुपया 91.49 पर बंद हुआ। शुक्रवार को रुपया 17 पैसे टूटकर 91.08 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था।

### दिल्ली: बैंकों, स्कूलों को बम से उड़ाने की धमकी

**नई दिल्ली।** राष्ट्रीय राजधानी के तीन बैंकों और छह स्कूलों को सोमवार को ईमेल के जरिए बम की धमकियां मिलीं, जिन्हें गहन जांच के बाद फर्जी घोषित कर दिया गया। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) ने बताया कि संस्थानों को उनके परिसर में विस्फोटक सामग्री होने की सूचना देने वाले ईमेल प्राप्त होने के बाद सुबह लगभग 8.20 बजे इस बाबत कॉल आने शुरू हो गए। जिन बैंकों को धमकियां मिलीं उनमें कनॉट प्लेस स्थित एक्सिस बैंक की शाखा, भारतीय स्टेट बैंक की एम्स शाखा और पूर्वी दिल्ली के शाहदरा स्थित एसबीआई की शाखा शामिल हैं।

## फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने किया खाड़ी देशों की मदद का एलान

- कहा- ईरान की मिसाइल और ड्रोन को दागने से पहले ही नष्ट करेंगे
- ईरान पर साइप्रस में ब्रिटिश सैन्य अड्डे को निशाना बनाने का आरोप

**लंदन, एजेंसी**

फ्रांस, ब्रिटेन और जर्मनी ने ईरान के हमले के शिकार बने खाड़ी देशों की मदद का एलान किया है। फ्रांस के विदेश मंत्री जीन नोएल बैरट ने कहा कि उनके सहयोगी देशों बहरीन, कुवैत, ओमान, कतर, इराक को इस जंग में घसीटा गया है। हम उनकी सुरक्षा के लिए तैयार हैं। उन्होंने कहा कि फ्रांस, ईरान के खिलाफ जार्डन की मदद करेगा।

इस बीच बहरीन पर हुए ईरानी हमले की जानकारी देते हुए ब्रिटेन के विदेश मंत्री कूपर ने कहा कि साइप्रस के ब्रिटिश सैन्य अड्डे को निशाना बनाया गया है। उन्होंने कहा कि इस मामले में ब्रिटेन को अपनी जिम्मेदारी का अहसास है जो खाड़ी में सहयोगियों की रक्षा से संबंधित है। ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी ने एक संयुक्त बयान में कहा, हम क्षेत्र में अपने और अपने सहयोगियों के हितों की रक्षा के लिए कदम उठाएंगे, जिसमें आवश्यक और आनुपातिक रक्षात्मक कार्रवाई सक्षम करना शामिल हो सकता है, ताकि ईरान की मिसाइल और ड्रोन दागने की क्षमता को उनके स्रोत पर नष्ट किया जा सके। ब्रिटेन के प्रधानमंत्री कीर स्टारमर ने कहा कि ब्रिटेन ने अमेरिकी अनुरोध स्वीकार किया है। खाड़ी क्षेत्र में हमारे साझेदारों ने भी हमसे उनकी रक्षा के लिए कार्रवाई करने का आग्रह किया है। ब्रिटेन के जेट विमान पहले से ही हवा में हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि ब्रिटेन ईरान पर प्रारंभिक हमलों में शामिल नहीं था और अब भी किसी आक्रामक सैन्य कार्रवाई में शामिल नहीं होगा।

### ईरान ने खारिज किया ट्रंप का दावा, कहा- भ्रम न फैलाएं, अब हम अमेरिका से बातचीत नहीं करेंगे

**तेहरान।** ईरान के सुरक्षा प्रमुख अली लारीजानी ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के साथ कोई भी नई बातचीत करने से इन्कार कर दिया है। इससे ईरान और अमेरिका-इजराइल के बीच पूरे पश्चिम एशिया में सैन्य टकराव बढ़ने की आशंका है। लारीजानी ने पर्दे के पीछे गोपनीय बातचीत (बैक चैनल डिप्लोमेसी) की खबरों को खारिज करते हुए अमेरिकी राष्ट्रपति पर आरोप लगाया कि उन्होंने भ्रम वाली हरकतें करके इलाके को अस्थिरता में धकेल दिया है। लारीजानी ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि ट्रंप ने अपने अमेरिका फर्स्ट के नारे को इजराइल फर्स्ट में बदल दिया है और इजराइल की इच्छाओं के लिए अमेरिकी सैनिकों की कुर्बानी दे दी है। अब उन्हें और अमेरिकियों के मारे जाने का डर है लेकिन ईरान अपना अभियान जारी रखेगा।

## पूरी दुनिया को अपनी जद में लेने लगी युद्ध की विभीषिका

### कच्चे तेल की कीमतों में 10% वृद्धि

**न्यूयॉर्क।** ईरान पर अमेरिका और इजराइल के हमलों के बाद सोमवार को वैश्विक बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में तेज उछाल आया। ये कीमतें तेज उछाल के साथ करीब 10% तक बढ़ गईं। ऊर्जा आपूर्ति श्रृंखला में व्यवधान की आशंका गहरा गई है। कच्चा तेल सोमवार सुबह करीब नौ प्रतिशत चढ़ गया।

### सेंसेक्स में 1,048 अंकों की गिरावट

**मुंबई।** पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने और कच्चे तेल में तेज उछाल से स्थानीय शेयर बाजार में सोमवार को तेज गिरावट आई और बीएसई सेंसेक्स 1,048 अंक का गोता लगा गया और छह महीने के निचले स्तर पर पहुंचकर बंद हुआ। एनएसई का निफ्टी भी 313 अंक के नुकसान में रहा।

### चांदी 32,000, सोना 8,100 उछला

**नई दिल्ली।** पश्चिम एशिया संकट गहराने से निवेशक सुरक्षित संपत्ति की ओर रुख करने लगे हैं। इस कारण सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में चांदी तीन लाख रुपये किलोग्राम और सोना 1.73 लाख रुपये प्रति 10 ग्राम के करीब जा पहुंचा। दोनों धातुओं की कीमतों में 12% तक का उछाल आया।

## यूरेनियम आपूर्ति पर भारत और कनाडा के बीच करार

**नई दिल्ली, एजेंसी**

भारत और कनाडा ने सोमवार को यूरेनियम एवं महत्वपूर्ण खनिजों की आपूर्ति को लेकर अहम समझौतों पर हस्ताक्षर करने के साथ वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब अमेरिकी डॉलर तक ले जाने का लक्ष्य रखा। इसके साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी के बीच व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (सीईपीए) को जल्द अंतिम रूप देने पर भी सहमति बनी।

दोनों नेताओं के बीच यहां हुई बातचीत के दौरान रक्षा, महत्वपूर्ण प्रौद्योगिकी, छोटे एवं मॉड्यूलर परमाणु रिएक्टर (एसएमआर), शिक्षा और नवीकरणीय ऊर्जा में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया गया। मोदी ने प्रेस वक्तव्य में कहा कि भारत और कनाडा के बीच द्विपक्षीय व्यापार को वर्ष 2030 तक 50 अरब डॉलर तक पहुंचाने का लक्ष्य है। यह फिलहाल लगभग 13 अरब डॉलर है। उन्होंने कहा, आर्थिक सहयोग की पूरी क्षमता हासिल करना हमारी प्राथमिकता है। इसलिए हमने सीईपीए को जल्द अंतिम रूप देने का निर्णय लिया है। इससे दोनों देशों में निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे।

समझौते के दौरान कार्नी के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

- दोनों देशों ने तय किया आपसी व्यापार को 50 अरब डॉलर ले जाने का लक्ष्य

### भारत-कनाडा संबंध नई ऊर्जा से भरे हुए: मोदी

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि भारत एवं कनाडा के द्विपक्षीय संबंध अब नई ऊर्जा, आपसी विश्वास और सकारात्मकता से भरे हुए हैं। कनाडा 2.6 अरब डॉलर के यूरेनियम आपूर्ति समझौते के तहत भारत के असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र का समर्थन करेगा। असैन्य परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में दीर्घकालिक यूरेनियम आपूर्ति पर ऐतिहासिक समझौता हुआ है। हम छोटे मॉड्यूलर और उन्नत रिएक्टरों पर भी साथ काम करेंगे।

## माता-पिता, बहन-दादी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या

- संपत्ति विवाद का मामला, बड़े भाई को भी किया गंभीर घायल

**संवाददाता, बहराइच**

**अमृत विचार।** चार वर्ष पूर्व बेची गई पैतृक जमीन के एवज में मिले पैसों में हिस्सा न मिलने से नाराज छोटे पुत्र ने झगड़े के बाद पिता, मां, बहन और बुजुर्ग दादी की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। बड़े भाई गुरुदेव को भी घायल कर दिया। बाद में खुद को घिरा देख आरोपी ने खुद पर ईंट से हमला करते हुए जान देने की कोशिश की।

एएसपी (ग्रामीण) दुर्गा प्रसाद तिवारी ने थाना रुपईडीहा के ग्राम रामपुर ऊदल निवासी गुरुदेव की ओर से दी गई तहरीर के आधार पर बताया कि बीती रात एक बजे उसके छोटे भाई निरंकार का पिता से जमीन के रुपये व गहनों में अपने हिस्से की मांग को लेकर विवाद हुआ। इसके बाद हिस्सा न मिलने से तिलमिलाए निरंकार ने पिता बदलूराम (60), मां संजू देवी (56), बहन पार्वती (42) व दादी शीतला (80) की कुल्हाड़ी से काटकर हत्या कर दी। गुरुदेव ने चीख पुकार के बाद जब निरंकार को रोकने की कोशिश की तो उस पर भी हमला कर घायल कर दिया। हत्या के बाद निरंकार ने ईंट से अपने सिर पर प्रहार करके खुद को भी गंभीर रूप से जख्मी कर लिया। एएसपी ने बताया कि तहरीर पर निरंकार के खिलाफ केस दर्ज कर लिया गया है।

**गंभीर मामला** निचली अदालत में काल्पनिक आधार पर निर्णय करने को लेकर सुप्रीम कोर्ट सख्त, कहा- गहन जांच करेंगे

## एआई निर्मित फर्जी फैसलों पर भरोसा चूक नहीं कदाचार

**नई दिल्ली, एजेंसी**

सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत में एआई की मदद से कथित तौर पर तैयार किए गए काल्पनिक फैसलों पर भरोसा करने के मामले का संज्ञान लेते हुए कहा कि इसके आधार पर निर्णय लेना कोई त्रुटि नहीं बल्कि कदाचार के बराबर है। न्यायमूर्ति पीएस नरसिम्हा और न्यायमूर्ति आलोक आराधे की पीठ ने कहा है कि वह मामले की विस्तार से पड़ताल करेगी। शीर्ष अदालत ने इस मामले में अटॉर्नी जनरल आर वेंकटरमनी, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता तथा बार भारतीय विधिज्ञ परिषद को नोटिस जारी किया है।

- कोर्ट ने कहा- इसका शुचिता पर असर, कानूनी नतीजे भुगतने होंगे

अदालत ने इस मामले में सहायता के लिए वरिष्ठ अधिवक्ता श्याम दीवान को भी नियुक्त किया है। पीठ ने कहा, हम निचली अदालत के एआई निर्मित गैरमौजूद, फर्जी या कृत्रिम कथित निर्णयों पर भरोसा करने का संज्ञान लेते हैं और इसके परिणामों तथा जवाबदेही की पड़ताल करना चाहते हैं क्योंकि इसका न्यायिक प्रक्रिया की शुचिता पर सीधा असर पड़ता है। पीठ ने 27 फरवरी के आदेश में कहा, सबसे पहले, हमें यह स्पष्ट करना होगा कि इस प्रकार के निराधार और फर्जी कथित फैसलों पर आधारित निर्णय लेना, निर्णय लेने में त्रुटि नहीं है। यह कदाचार होगा और इसके कानूनी परिणाम भुगतने होंगे। यह आवश्यक है कि हम इस मुद्दे की अधिक विस्तार से पड़ताल करें।

शीर्ष अदालत ने कहा कि यह मामला काफी चिंता का विषय है। पीठ ने सुनवाई 10 मार्च को निर्धारित करते हुए निर्देश दिया कि विशेष अनुमति याचिका के निपटारे तक निचली अदालत अधिवक्ता-आयुक्त की रिपोर्ट पर कार्यवाही न करे। इससे पहले 17 फरवरी को सीजेआई सूर्यकांत के नेतृत्व वाली शीर्ष अदालत की पीठ ने एआई उपकरणों से तैयार की गई याचिकाओं को दाखिल करने के वकीलों के बढ़ते चलन पर गंभीर चिंता व्यक्त की थी।

### आंध्रप्रदेश हाईकोर्ट में सुनवाई में सामने आया मामला

यह मुद्दा शीर्ष अदालत के समक्ष तब सामने आया जब वह आंध्र प्रदेश हाईकोर्ट के जनवरी के एक आदेश को चुनौती देने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। याचिकाकर्ताओं ने कुछ आपत्तियां उठाकर अधिवक्ता आयुक्त की रिपोर्ट को चुनौती दी थी। निचली अदालत ने पिछले साल अगस्त में अपने आदेश में आपत्तियों को खारिज कर दिया था और इस प्रक्रिया में कुछ निर्णयों पर भरोसा किया था। इसके बाद, याचिकाकर्ताओं ने निचली अदालत के आदेश को चुनौती दी और दलील दी कि जिन फैसलों का जिक्र किया गया और जिन पर भरोसा किया गया, वे अस्तित्वहीन और फर्जी थे। शीर्ष अदालत ने उल्लेख किया कि हाईकोर्ट ने आपत्ति पर विचार किया और पाया कि फैसले एआई के जरिए तैयार किए गए थे।

# महायुद्ध

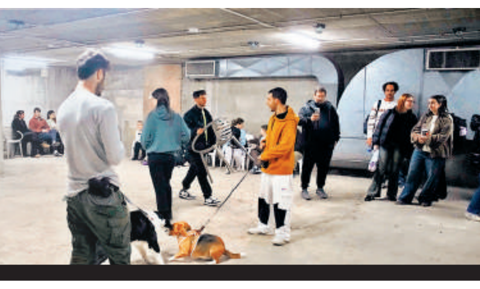

# ईरान-अमेरिका युद्ध लंबा खिंचने के आसार

- पूरे क्षेत्र में युद्ध की विभीषिका फैलाने के लिए ईरान पड़ोसी देशों पर कर रहा लगातार हमले
- अमेरिका-इजराइल सत्ता परिवर्तन के लिए आक्रमण की धार और तेज करने की तैयारी में

अगर जरूरत पड़ी तो अमेरिकी सेना ईरान पर चार से पांच हफ्ते तक हमला जारी रख सकती है। उन्होंने कहा कि ईरान में सत्ता बदलने के लिए जिस तरह हमने वेनेजुएला में निकोलस मादुरो को हटाया है, उसी तरह की जरूरत यहां भी पड़ सकती है, ताकि देश के अधिकांश हिस्से को ज्यादा प्रभावित ना किया जाए। यह मुश्किल नहीं होगा। हमारे पास दुनिया भर के अलग-अलग देशों में गोला-बारूद रखा हुआ है।

–डोनाल्ड ट्रंप, द न्यूयॉर्क टाइम्स के साथ संक्षिप्त टेलीफोन इंटरव्यू

इजराइल के हेब्रान में ईरान की ओर से दागी गई मिसाइल के आसमान से नीचे गिरने का दृश्य।

मनोज त्रिपाठी

**अमृत विचार।** इजराइल-अमेरिका और ईरान के बीच जारी युद्ध छोटा और निर्णायक होने की उम्मीद के विपरीत लंबा खिंच सकता है। ईरान जिस तरह पश्चिमी देशों के अनुमान से कहीं अधिक मजबूती से मुकाबला कर रहा है, उससे यह जोखिम लगातार बढ़ता जा रहा है। ईरान ने स्पष्ट किया है कि वह लंबे समय तक चलने वाले युद्ध के लिए तैयार है। ईरानी सेना का दावा है कि उनकी मिसाइल क्षमताएं अभी भी काफी हद तक सुरक्षित हैं, और ड्रोन अगले कई दिनों तक हमलों के लिए तैयार हैं। उधर, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप साफ कह रहे हैं कि ईरान के खिलाफ सैन्य अभियान तब तक जारी रहेगा, जब तक सभी लक्ष्य प्राप्त नहीं हो जाते। इस बीच अमेरिकी रक्षा अधिकारियों के अनुसार, मध्य पूर्व में और अधिक सैनिक भेजे जा रहे हैं।

ईरान हमले के बाद लगातार युद्ध को अपने तक सीमित न रखकर पूरे क्षेत्र में फैलाने की कोशिश कर रहा है। वह अपनी लंबी रेंज की मिसाइलों से मध्य पूर्व देशों में स्थित सभी अमेरिकी बेस पर हमला कर रहा है। बहरीन, कतर, संयुक्त अरब अमीरात में अमेरिकी सैन्य ठिकानों और संपत्तियों पर उसके हमले जारी हैं, इससे पूरे क्षेत्र में अस्थिरता फैल गई है। ईरान चाहता है कि ये देश अमेरिका और इजरायल को कार्रवाई करने से रोकें। दुनिया पर ईंधन संकट का दबाव डालने के लिए उसने सऊदी अरब, कुवैत और कतर में तेल और गैस उत्पादन ढांचे को भी निशाना बनाया है।

भारत की पश्चिमी कमान के पूर्व फ्लैग-ऑफिसर-कमांडिंग वाइस एडमिरल शेखर सिन्हा (सेवानिवृत्त) के मुताबिक ईरान के पास मिसाइलों और ड्रोन का विशाल भंडार हैं। ऐसे संकेत हैं कि रूस और चीन ने अपनी आपूर्ति लाइनें खोल दी हैं। रक्षा अध्ययन एवं विश्लेषण संस्थान के पूर्व उप महानिदेशक मेजर जनरल आलोक देब का कहना है कि जल्दी सत्ता परिवर्तन मुश्किल है, क्योंकि ईरान के पास सैन्य और नागरिक नेतृत्व का एक बड़ा समूह है, जिसे नौकरशाही का भी समर्थन प्राप्त है। विशेषज्ञों के अनुसार सबसे बड़ा खतरा 'बदले की भावना' में छिपा है। यदि ईरान को लगता है कि अमेरिकी हमले उसके अस्तित्व के लिए खतरा हैं, तो वह एक व्यापक युद्ध की ओर बढ़ सकता है।

इजराइल के बेटशियान शहर में ईरानी मिसाइल हमले में ध्वस्त हुई इमारत।

## जश्न अभी विद्रोह का इशारा नहीं

- ईरान, अमेरिका समर्थित अरब देशों पर हमले इस उम्मीद में कर रहा है कि वे ट्रंप पर युद्धविराम समझौते के लिए दबाव डालेंगे, जबकि ट्रंप और नेतन्याहू को ईरान के कुछ हिस्सों में खामेनेई की मौत के बाद हुए जश्न से आशा है कि जनवरी की तरह ईरानी जनता विद्रोह करके धार्मिक शासन का अंत कर देगी। लेकिन अभी डेढ़ माह पहले जैसे हालात ईरान में अभी नहीं नजर आ रहे हैं।

## अमेरिका को और नुकसान की आशंका रखनी चाहिए

- अमेरिका के ज्वाइंट चीफ ऑफ स्टाफ के अध्यक्ष जनरल डैनियल केन ने कहा है कि ईरान के खिलाफ अमेरिकी लड़ाई 'एक रात के अभियान' तक सीमित नहीं रहेगी। अमेरिका को अपने और अधिक सैनिकों के हताहत होने की आशंका रखनी चाहिए, जो सैन्य लक्ष्य सौंपे गये हैं, उन्हें हासिल करने में समय लगेगा। कुछ मामलों में, यह काम कठिन और चुनौतीपूर्ण होगा।

## ईरान में 550 से ज्यादा लोगों की मौत

- **तेहरान।** इजराइल तथा अमेरिका के ईरान पर संयुक्त हमले में अब तक ईरान में 555 से ज्यादा लोगों की मौत हो गयी है। इजराइल ने ईरान के साथ साथ लेबनान को भी निशाना बनाया और दावा किया कि उसने वहां सक्रिय आतंकी संगठन हिजबुल्लाह के खुफिया प्रमुख हुसैन माकलेद को मार डाला है। इससे पहले लेबनान ने कहा कि दक्षिणी इलाकों और राजधानी बेरूत पर इजराइली हवाई हमलों में 31 लोग मारे गए और डेढ़ सौ से अधिक घायल हो गए।

# पिछले साल 12 दिन चली जंग, अब तक 6 बार संघर्ष

स्पेशल डेस्क

**अमृत विचार।** अमेरिका, इजराइल और ईरान के बीच छोटे संघर्ष कई बार हो चुके हैं। अब तक छह बार हो चुकी लड़ाई मिसाइलों, ड्रोनों और हवाई हमलों से ही लड़ी गई है। सबसे बड़ी जंग जून 2025 में 12 दिन चली थी। 1988 में एक दिन के लिए अमेरिका और ईरान के बीच छोटी लेकिन तेज जंग हुई थी, जिसमें अमेरिका ने जीत हासिल की थी। इस जंग में अमेरिका के 2 जबकि ईरान के 56 सैनिक मारे गए थे। ईरान की नौसेना लगभग तबाह हो गई थी। जनवरी 2020 में अमेरिका ने ईरान के बड़े कमांडर कासिम सुलेमानी को मार दिया था। ईरान ने बदला लेने के लिए इराक में अमेरिकी बेस पर मिसाइलें दागी थीं। इस जंग में कोई सैनिक नहीं मरा लेकिन 110 से ज्यादा अमेरिकी सैनिकों को दिमागी चोट पहुंची थी। अप्रैल 2024 में ईरान ने इजराइल पर 300 से ज्यादा ड्रोन और मिसाइलें दागी थीं। लेकिन इजराइल ने 99 प्रतिशत हमले रोक लिए। जंग 2 दिन चली, नुकसान बहुत कम हुआ। इसके बाद अक्टूबर 2024 में ईरान ने 180 मिसाइलें दागीं। इजराइल ने ईरान पर हमला किया। दोनों संघर्ष में इजरायल की जीत हुई। जून 2025 में इजराइल और अमेरिका के साथ ईरान की सबसे बड़ी जंग हुई, जो 12 दिन, 13 जून से 24 जून तक चली। इजराइल और अमेरिका ने मिलकर ईरान के परमाणु कार्यक्रम को निशाना बनाया और लगभग ध्वस्त कर दिया। इस जंग में ईरान के एक हजार से ज्यादा लोग मारे गए, जिनमें 400 से नागरिक थे। इजराइल में भी 28 लोग मारे गए। ईरान के कई परमाणु प्लांट, मिसाइल फैक्ट्री और एयर डिफेंस तबाह हो गया। इसी दौरान अमेरिका ने 2 जून को ईरान के तीन परमाणु प्लांट पर हमला किया था।

# ईरान पर हमले को लेकर अमेरिकी संसद में होगी चर्चा

वाशिंगटन, एजेंसी

ईरान पर अमेरिका की बमबारी के बाद अमेरिकी संसद युद्ध शुरू करने की राष्ट्रपति की शक्तियों पर चर्चा कर सकती है। संसद के दोनों सदनों प्रतिनिधि सभा और सीनेट ने इस सप्ताह युद्ध से जुड़ी शक्तियों को लेकर प्रस्ताव तैयार किए हैं, जिनपर बहस के बाद मतदान होना है। इन हमलों में अमेरिकी करदाताओं का बेहिसाब पैसा खर्च हो रहा है। 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद साल 2003 में इराक युद्ध से पहले अमेरिकी संसद में लंबी बहस हुई थीं, लेकिन इस बार ऐसा नहीं हुआ। इसके अलावा हाल ही में वेनेजुएला में अमेरिका ने सीमित सैन्य हमले किए थे। लेकिन ईरान के खिलाफ 'ऑपरेशन एपिक फ्यूरी' नाम से शुरू किए गए इस अभियान का निकट भविष्य में अंत होता प्रतीत नहीं हो रहा है। ईरान के जवाबी हमलों में अमेरिका के कम से कम तीन सैन्य कर्मियों की मौत हो चुकी है। ट्रंप ने रविवार को आगाह किया था कि जान गंवाने वाले अमेरिकियों की संख्या बढ़ सकती है। यह समय संसद के लिए महत्वपूर्ण है। अमेरिकी संविधान के तहत केवल संसद के पास युद्ध की घोषणा करने का अधिकार होता है। निगरानी संगठन 'प्रोजेक्ट ऑन गवर्नमेंट ओवरसाइट' में द कंस्टीट्यूशन प्रोजेक्ट के कार्यकारी निदेशक डेविड जानोव्स्की ने कहा, "संविधान का उद्देश्य किसी एक सरकारी संस्था या व्यक्ति को सर्वशक्तिशाली होने से रोकना है।" उन्होंने कहा, "वास्तविक जन प्रतिनिधि संसद सदस्य होते हैं, राष्ट्रपति नहीं। हालांकि, हम आम तौर पर राष्ट्रपति पर ही सबका ध्यान रहता है। हमें ऐसे जन प्रतिनिधियों की जरूरत है, जो यह तय करें कि युद्ध में शामिल होना है या नहीं।" अमेरिका में युद्ध की घोषणा, युद्ध की मंजूरी या सैन्य बल के उपयोग के लिए संसद की मंजूरी जरूरी होती है। लेकिन ऐसा कभी कभार ही होता है। वास्तव में, संसद ने देश के इतिहास में केवल पांच बार युद्ध की घोषणा की है। आखिरी बार संसद ने 1941 में पर्ल हार्बर हमले के एक दिन बाद दूसरे विश्व युद्ध में दाखिल होने की घोषणा की थी।

## विश्वसनीय बदलाव ही समाधान : ईयू अध्यक्ष

- **ब्रुसेल्स।** यूरोपीय यूनियन (ईयू) की अध्यक्ष उर्सूला वान डेर लेयेन ने कहा है कि पश्चिम एशिया की स्थिति अब भी अस्थिर बनी हुई है, लेकिन ईरान के लंबे समय से पीड़ित लोगों के लिए एक नयी उम्मीद जगी है। हम अपने भविष्य का निर्धारण करने के उनके अधिकार का पुरजोर समर्थन करते हैं। ईरान को अपने पड़ोसियों और संप्रभु देशों पर किये जा रहे अपने लापरवाह और अंधाधुंध हमलों को बंद करना चाहिए। इस क्षेत्र की स्थिरता का एकमात्र स्थायी समाधान ईरान में एक विश्वसनीय बदलाव है, जिसमें परमाणु और बैलिस्टिक कार्यक्रमों पर रोक के साथ क्षेत्र में अस्थिरता पैदा करने वाली गतिविधियों का अंत शामिल है।

## फ्रांस परमाणु हथियारों की संख्या बढ़ाएगा

- **पेरिस।** फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने सोमवार को घोषणा की कि फ्रांस अपने परमाणु हथियारों की संख्या में वृद्धि करेगा। मैक्रों ने उत्तर-पश्चिमी फ्रांस के ले लोंग स्थित सैन्य प्रतिष्ठान में कहा, ' 'मैंने अपने शस्त्रागार में युद्धक हथियारों की संख्या बढ़ाने का फैसला किया है।फ्रांस परमाणु हथियारों से लैस अपने विमानों को सहयोगी देशों में अस्थायी रूप से तैनात करने की अनुमति देगा।

## फ्रैंडली फायर में गिरे तीन एफ-15

- कुवैत में क्रैश हुए तीन अमेरिकी लड़ाकू विमानों पर अमेरिकी सेना ने अपडेट जारी किया है। सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर पोस्ट में सेंट्रल कमान ने लिखा है कि उनके तीन एफ-15 विमान कुवैत की फ्रैंडली फायर में गिरे हैं। इस बारे में अमेरिकी सेना ने एक बयान में कहा कि "अमेरिकी वायुसेना के लड़ाकू विमानों को कुवैती एयर डिफेंस ने गलती से मार गिराया है।" बयान में आगे कहा गया कि सभी पायलट सुरक्षित हैं। कुवैत ने इस घटना की पुष्टि की है और हम कुवैत के एयर डिफेंस फोर्सेस के प्रयासों और जारी अभियान में उनके समर्थन के आभारी हैं।

## परमाणु ठिकाने पर हमला नहीं

- **जिनेवा।** अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) ने कहा है कि अब तक ईरान के किसी भी परमाणु ठिकाने पर हमला नहीं हुआ है, लेकिन 'रेडियोधर्मिता रिसाव' की संभावना को टाला नहीं जा सकता। आईएईए के महानिदेशक राफेल ग्रोसी ने कहा कि आईएईए स्थिति की निगरानी जारी रखेगा।

# मस्कट में तेल टैंकर पर हमला, भारतीय की मौत

दुबई, एजेंसी

ओमान में मस्कट प्रांत के तट पर सोमवार को विस्फोटकों से भरी एक मानवरहित नौका के तेल टैंकर से टकराने से एक भारतीय नागरिक की मौत हो गई। ओमान के रक्षा मंत्रालय ने एक बयान में कहा, ''समुद्री सुरक्षा केंद्र ने बताया कि मस्कट प्रांत के तट से 52 समुद्री मील दूर तेल टैंकर एमकेडी वीवाईओएम पर एक मानवरहित नाव द्वारा हमला किया गया था।'' उसने कहा कि हमले के परिणामस्वरूप इंजन रूम में विस्फोट के बाद आग लग गयी एवं चालक दल के एक सदस्य की मौत हो गई। उसने कहा कि चालक दल के शेष 21 सदस्यों को सुरक्षित निकाला गया। मंत्रालय ने मृतक की राष्ट्रीयता का खुलासा नहीं किया, लेकिन स्थानीय मीडिया ने बताया कि वह टैंकर के चालक दल का एक भारतीय सदस्य था। 'ओमान ऑब्जर्वर' ने बताया,''हमले के कारण मुख्य इंजन कक्ष में आग और विस्फोट हुआ, जिससे चालक दल के एक भारतीय सदस्य की मौत हो गई।'' उसने यह भी बताया कि बचाए गए चालक दल में 16 भारतीय नागरिक, चार बांग्लादेशी नागरिक और एक यूक्रेनी नागरिक शामिल थे। एक दिन पहले, होर्मुज जलडमरूमध्य में एक अन्य तेल टैंकर पर हमला हुआ था। एमवी स्काईलाइट नामक इस टैंकर पर हमले में चालक दल के चार सदस्य घायल हो गए।

## दुबई से भारत के लिए सीमित उड़ानें शुरू

दुबई। दुबई हवाई अड्डे ने सोमवार शाम सीमित संख्या में उड़ानों का परिचालन शुरू करने की घोषणा की है जिसमें कई भारतीय शहरों की उड़ानें भी शामिल हैं। ये उड़ानें दुबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डा और दुबई वर्ल्ड सेंट्रल-अल मक्तूम इंटरनेशनल से शुरू होंगी। दुबई हवाई अड्डे को ईरानी मिसाइल हमले के बाद बंद कर दिया गया था। दुबई हवाई अड्डे की वेबसाइट के अनुसार, पहली उड़ान ईके 500 मुंबई के लिए भारतीय समय के अनुसार रात 9 .30 बजे रवाना होगी। चेन्नई की उड़ान रात नौ बजे रवाना होगी।

न्यू वर्ल्ड आर्डर

ट्रंप की परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए कूटनीति के बजाय धमकी, सैन्य दबाव और रिजीम चेंज की रणनीति

# शांति का फरिश्ता बनने की चाहत और जंग का रास्ता

स्पेशल डेस्क

**अमृत विचार।** अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप दूसरी बार सत्ता में यह कहकर लौटे थे कि वह लंबे समय से चलते आ रहे युद्धों को समाप्त करेंगे। अपने इस वादे के पीछे उन्होंने अमेरिकी जनता को अफगानिस्तान और इराक में लड़े गए युद्धों की याद दिलाई थी, लेकिन एक साल में ही उन्होंने सीरिया, वेनेजुएला और ईरान सहित कई देशों में खुलेआम सैन्य अभियान शुरू कर दिए। ट्रंप एक तरफ तो दुनिया के सामने खुद को शांति का सबसे बड़ा फरिश्ता पेश कर रहे हैं। वह दावा करते हैं कि उन्होंने आठ युद्ध समाप्त कराए हैं, इसके बावजूद उन्हें नोबेल शांति पुरस्कार नहीं मिला। अपने शांति अभियान के लिए ही वह एक ओर जहां 'बोर्ड ऑफ पीस' बना रहे हैं, वहीं दूसरी तरफ ग्रीनलैंड पर कब्जा करने, पनामा नहर वापस लेने, क्यूबा को दबाने और वेनेजुएला की ही तरह कोलंबिया के राष्ट्रपति को खुली धमकी भी देने से नहीं चूक रहे हैं।

सेंट्रल गाजा पट्टी में ईरान द्वारा किया गया मिसाइल हमला।

ट्रंप ने 2016 में जब पहली बार राष्ट्रपति का चुनाव लड़ा था, तो उन्होंने अमेरिका में पिछली सरकारों की सैन्य कार्रवाइयों का विरोध करते हुए कहा था कि दूसरे देशों में सरकार बदलना पूरी तरह से एक विफल नीति है और भरोसा दिलाया था कि वे विदेशी सरकारों को गिराने की होड़ रोकेंगे। कुछ इसी तरह का दावा उन्होंने दोबारा राष्ट्रपति का चुनाव लड़ते समय भी किया था कि उनके पहले कार्यकाल में कोई नया युद्ध शुरू नहीं हुआ, और इसी के दम पर वह चुनाव जीते थे।

लेकिन अब देखा जा रहा है कि ट्रंप की 'युद्ध और शांति' से जुड़ी नीति उनके 'पीस थ्रू स्ट्रेंथ' यानी शक्ति के माध्यम से शांति के सिद्धांत पर आधारित है। इसी के चलते अब वह तर्क दे रहे हैं कि अमेरिका की अत्यधिक सैन्य शक्ति ही दुनिया में शांति बनाए रखने का एकमात्र तरीका है। ट्रंप की रणनीति राष्ट्र निर्माण के बजाय विशिष्ट लक्ष्यों पर सटीक और बड़े प्रहार करने की है। इसी मिशन के तहत उन्होंने

2026 में एक ट्रिलियन डॉलर का रक्षा बजट प्रस्तावित किया है, ताकि अमेरिकी सेना की मारक क्षमता और तैयारी को अभेद्य और अविजित बनाया जा सके। वह परमाणु हथियारों का प्रसार रोकने के लिए कूटनीति के बजाय सीधे धमकी और सैन्य दबाव बनाने के साथ शासन परिवर्तन (रिजीम चेंज) जैसी संभावनाओं को आगे बढ़ा रहे हैं। ईरान पर हमले को इसी परिप्रेक्ष्य में देखा जा रहा है। अपनी तमाम कोशिशों के बाद उन्होंने काफी सोच-समझकर यह दांव चला है, और उन्हें उम्मीद है कि इसके माध्यम से वह मध्य पूर्व को नया स्वरूप देने में कामयाब हो सकेंगे। यह एक ऐसा मंसूबा है, जिसे बीते तमाम दशकों में कई अमेरिकी राष्ट्रपति चाहकर भी करने में सफल नहीं रहे हैं।

ऐसे में अगर अमेरिका केवल हवाई ताकत का इस्तेमाल करके ट्रंप ईरान के परमाणु कार्यक्रम को पूरी तरह नष्ट करने और वहां सत्ता परिवर्तन कराने में सफल हो जाते हैं, तो यह उनकी बड़ी ऐतिहासिक जीत में शुमार हो जाएगा। इसके बाद वह दावा कर सकेंगे कि जिस काम को पीढ़ियों से कोई हासिल नहीं कर पाया, वह उन्होंने कर दिखाया है। अपने इस लक्ष्य के लिए उनके इरादा कितना मजबूत है, इसे इसी बात से समझा जा सकता है, जब वह समाचार संस्थान एक्सियोस को बताते हैं कि 'मैं लंबे समय तक खेल सकता हूं और पूरे मामले को अपने हाथ में ले सकता हूं, या फिर मैं इसे दो या तीन दिनों में समाप्त भी कर सकता हूं।' इसी के बाद वह ट्रूथ सोशल पर लिखते हैं कि ' ईरान पर भारी और सटीक बमबारी... पूरे सप्ताह या जब तक आवश्यक हो, बिना किसी रुकावट के जारी रहेगी।'

इन बातों से ट्रंप का विदेश नीति के प्रति मनमाना रवैया सामने आता है, जिसमें उन्होंने हमला करने से पहले न तो अमेरिकी कांग्रेस को कोई जानकारी दी और न ही अमेरिकी जनता को कुछ बताया। ईरान के साथ युद्ध शुरू करना अमेरिकी जनता के हित में क्यों है, इस बारे में ट्रंप ने पहले से कोई ठोस तर्क भी नहीं दिए। सिर्फ इसी बात पर जोर दिया कि अगर ईरान परमाणु बम बना लेता है तो अमेरिका और उसके सहयोगी देशों को कितना बड़ा खतरा होगा। उन्होंने दावा किया कि ईरान जल्दी ही एक ऐसी मिसाइल हासिल बना लेगा जो अमेरिकी धरती तक पहुंच सकती है।

# साइबर ठगी करने वाले गिरोह के चार सदस्य दबोचे

संवाददाता, बिल्हौर

**अमृत विचार**। बिल्हौर थाना क्षेत्र में पुलिस ने साइबर ठगी के एक संगठित गिरोह का पर्दाफाश करते हुए चार अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया कि पकड़े गये शातिर फर्जी स्कीम के नाम पर लोगों को ठगते थे।

पुलिस के अनुसार, थाना बिल्हौर में दर्ज मुकदमा के तहत कार्रवाई करते हुए गिरफ्तार किए गए आरोपियों में राज उर्फ कृष्णा (19 वर्ष), सोहेल (20 वर्ष), मोहम्मद इमरान उर्फ शीबू ( 19 वर्ष) तथा अर्जुन ठाकुर (19 वर्ष) शामिल हैं। सभी आरोपी कानपुर नगर और आसपास के क्षेत्रों के निवासी हैं। पुलिस की पूछताछ में खुलासा हुआ कि यह गिरोह लोगों को फर्जी निवेश योजनाओं और स्कीमों का लालच देकर अपने जाल में फंसाता था। आरोपी पहले लोगों का विश्वास जीतते, फिर उनसे बैंक खातों की जानकारी या दस्तावेज हासिल करते थे। इसके बाद वे आधार कार्ड के जरिए नई सिम कार्ड निकलवाकर विभिन्न बैंकों में खाते खुलवाते और उन्हीं खातों का इस्तेमाल साइबर ठगी में करते थे। गिरोह द्वारा ठगी की रकम अलग-अलग खातों में मंगवाई जाती थी, जिससे उनकी पहचान छिपी रहे। साथ ही आरोपी फर्जी आधार कार्ड तैयार कर बैंक, जनसेवा केंद्र और अन्य स्थानों पर अपनी पहचान छुपाने का काम भी करते थे। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से 4 मोबाइल फोन, 3 कूटरचित आधार कार्ड, 7 पासबुक, 1 एटीएम कार्ड, 2 सिम कार्ड, एक बाइक तथा एक बैंक एकाउंट डिटेल रसीद बरामद की है। पुलिस जांच में यह भी सामने आया कि कुछ आरोपियों का पूर्व में भी आपराधिक इतिहास रहा है, जिसमें चोरी और गुंडा एक्ट जैसी धाराओं में मुकदमे दर्ज हैं। गिरफ्तार करने वाली टीम में थाना बिल्हौर पुलिस के साथ साइबर सेल पश्चिम जोन की टीम भी शामिल रही, जिनकी संयुक्त कार्रवाई से इस गिरोह का भंडाफोड़ हो सका। थाना प्रभारी सुधीर कुमार ने बताया कि सभी आरोपियों को न्यायालय के समक्ष प्रस्तुत किया जा रहा है तथा पुलिस द्वारा आगे की विधिक कार्रवाई जारी है।

पुलिस की गिरफ्त में खड़े पकड़े गये आरोपी। अमृत विचार

# चिकित्सकों पर रिपोर्ट दर्ज

**चौबेपुर**। कस्बा स्थित प्रकाश नर्सिंग होम में करीब दो हफ्ता पहले उपचार के दौरान हुई बच्ची की मौत की घटना में उच्चाधिकारियों के निर्देश पर पुलिस ने आरोपी चिकित्सकों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया है।

क्षेत्र के भट्ठा कोठी गांव निवासी जितेंद्र ने पुलिस उपायुक्त को दिए शिकायती पत्र में बताया है कि बुखार के चलते उसने अपनी आठ वर्षीय बेटी शिवानी को प्रकाश नर्सिंग होम में गत 16 फरवरी को भर्ती कराया था। बताया कि उपचार के दौरान अगले दिन 17 फरवरी की शाम को इंजेक्शन लगाए जाते ही बेटी की हालत बिगड़ गई। जब तक उसे दूसरे अस्पताल लेकर जाते, उसकी मौत हो गई। बताया कि बेटी की मौत के बाद अस्पताल संचालक व चिकित्सकों ने शव घर ले जाने का दबाव बनाया। मामले में पुलिस द्वारा पोस्टमार्टम कराए जाने के बाद स्वास्थ्य टीम ने अस्पताल को तो सील कर दिया, लेकिन चिकित्सकों अमित विश्वकर्मा व अखिलेश विश्वकर्मा के विरुद्ध कोई कार्रवाई नहीं की थी। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि पीड़ित की तहरीर पर आरोपियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू की गई है।

दुकान में सजी पिचकारियां व खरीदारी करते लोग। अमृत विचार

# कोई चलाएगा पिचकारी, तो कोई लगाएगा अबीर-गुलाल

संवाददाता, चौबेपुर

- कस्बे में जगह-जगह सजीं पिचकारी व गुलाल की दुकानें

**अमृत विचार**। होली पर्व को लेकर कस्बे में ज़ी टी रोड समेत प्रमुख मार्गों के किनारे जगह-जगह रंग गुलाल और पिचकारी की दुकानें सज गई हैं। त्योहार को लेकर किराने की दुकानों पर भी ग्राहकों की भीड़ नजर आ रही है।

रंगों के त्योहार होली को लेकर क्षेत्र में तैयारियां जोरों पर हैं। सोमवार को कस्बे में जीटी रोड, बंदी माता मार्ग व बेला रोड पर मार्ग किनारे एक सैकड़ा से अधिक सजी पिचकारी, रंग व अबीर गुलाल की दुकानों पर खरीदारों की भीड़ नजर आई। स्टील की पिचकारी के साथ ही प्लास्टिक की रंगबिरंगी पिचकारियाँ आकर्षण का केंद्र रहीं। बच्चों में मोटू, पतलू, छोटा भीम आदि कार्टून वाली पिचकारियों के अलावा बाहुबली, गदा, फरसा, पिटठू बैग व सिलेंडर पिचकारी की मांग अधिक रही। पिचकारी की दुकान सजाये शीबू गुप्ता, तिलक चौरसिया, संतोष चौरसिया, अंकित गुप्ता, अभिषेक शर्मा, शनी गुप्ता व राजेंद्र गुप्ता ने बताया कि हमेशा की तरह इस बार भी बच्चों की पसंद को ध्यान में रखते हुए पिचकारियों का संग्रह किया है। दुकानों पर 10 रुपये से लेकर 800 रुपये तक की पिचकारियां उपलब्ध हैं। जबकि रंग और गुलाल 10 से लेकर 500 रुपये तक कीमत वाले हैं। आलू के चिप्स व पापड़ के अलावा साबूदाना व चावल से बनी रंग बिरंगी नमकीन की खूब बिक्री हुई। त्योहार पर गुझिया के महत्व के कारण खोवा की कीमत आमदिनों की अपेक्षा डेढ़ गुना तक अधिक रही।

## न्यूज ब्रीफ

### जुनैदपुर के मंदिर में नारियल की होलिका

कानपुर देहात। मलासा ब्लॉक के जुनैदपुर के बालाजी धाम मंदिर में 19 वर्षों से लकड़ी या गोबर के कंडों की बजाय नारियल से होलिका जलाई जा रही है। इस वर्ष 2 मार्च को मध्यरात्रि के बाद होलिका दहन किया गया। पूरे साल मंदिर में चढ़ाए गए नारियलों से होलिका सजाई जाती है। श्रद्धालु दूर-दूर से नारियल लेकर पहुंचते हैं। घर की एक चुटकी मिट्टी भी लाए। मंदिर के महंत की मौजूदगी में वे परिवार की बाधाओं, विपत्तियों और नकारात्मक शक्तियों को नारियल और मिट्टी के साथ होलिका में अर्पित करते हैं।

### ट्रैक्टर की टक्कर से घायल युवक की मौत

कानपुर देहात। बरौर थाना क्षेत्र के रसूलपुर निवासी मोहित कुमार (21) पुत्र संजय कुमार भोगनीपुर क्षेत्र के सिथरा रामपुर अपने जीजा समरथ के छोटे भाई रिंकू कुमार की शादी में गए थे। वहां से लौटते समय बरौर शराब ठेका के पास तेज रफ्तार मौरंग लदे ट्रैक्टर ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी, जिससे मोहित गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने नाजुक हालत में देवीपुर सीएचसी पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद रेफर कर दिया। परिजन कानपुर ले गए, जहां इलाज के दौरान मोहित की मृत्यु हो गई। मोहित के पिता संजय कुमार बाहर रहकर काम करते हैं। मोहित भी फेरी का काम करता था। उसने कुछ दिनों पहले ही मोटरसाइकिल खरीदी थी।

### युवती गायब, पिता ने दर्ज कराई रिपोर्ट

कानपुर देहात। रूरा थाना क्षेत्र के एक गांव से युवती संदिग्ध हालात में लापता हो गई। युवती के पिता ने उसकी गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है। पुलिस ने युवती की तलाश शुरू कर दी है। पिता ने पुलिस को बताया कि उनकी 21 वर्षीय पुत्री शनिवार दोपहर करीब तीन बजे घर से बिना बताए कहीं चली गई है। देर शाम तक उसके घर न लौटने पर काफी खोजबीन की, लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं लग सका है।

### मोहाना गांव में कांग्रेस की लगी चौपाल

कानपुर देहात। सरवनखेड़ा ब्लाक के मोहाना गांव में प्रदेश कांग्रेस के निर्देश पर मनरेगा बचाओ संग्राम कार्यक्रम के तहत चौपाल लगाई गई। जिला मनरेगा कोऑर्डिनेटर दिलीप कुमार सिंह मुन्ना ने कहा कि कांग्रेस की यूपीए सरकार के समय में प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह ने ग्रामीण मजदूरों का पलायन रोकने के लिए मनरेगा कानून लाई थी। यह कानून साल में 100 दिन का काम की गारंटी कानून देता था। 10 दिन के अंदर काम न मिलने पर बेरोजगारी भत्ता का प्रावधान था। जिला कांग्रेस सेवा दल के अध्यक्ष वीरेंद्र शुक्ला वीरे ने कहा कि भाजपा सरकार कानूनों को समाप्त करने का काम कर रही है। सुप्रीम कोर्ट के एडवोकेट शक्ति पांडे ने कहा कि नए कानून को वापस लेने और मनरेगा की बहाली तक कांग्रेस चुप नहीं बैठेगी। कार्यक्रम में महेश दुबे टंडन, अनिल गुप्ता, रामबरन सिंह, देवी राम मिश्रा, अखिलेश मिश्रा, राघव शुक्ला आदि रहे।

### किशोरी को ले जाने का आरोपी गिरफ्तार

कानपुर देहात। रसूलाबाद क्षेत्र से एक गांव की लड़की को ले जाने के मामले में पुलिस ने जनपद औरैया के आरोपी को नहर पुल के पहले धन्नी निवादा मोड़ से गिरफ्तार कर लिया गया। कहिंजरी चौकी प्रभारी प्रवीण कुमार मिश्र ने बताया कि दो नवंबर 2025 को मुकदमा दर्ज हुआ था। इसमें औरैया के हवेलियां निवासी युवक पर किशोरी को बहलाकर ले जाने का आरोप है। मुखबिर की सूचना पर उसे पकड़ा गया। पॉक्सो की धारा बढ़ी है। पुलिस ने आरोपी न्यायालय में पेश किया। वहां उसे जेल भेज दिया गया है।

### महिलाओं-बालिकाओं को किया जागरूक

कानपुर देहात। महिला सशक्तिकरण सुरक्षा और कानूनी अधिकारों के प्रति महिलाओं और बालिकाओं को जागरूक करने के लिए ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए गए। सुरक्षा योजनाओं, हेल्पलाइन नंबरों, कानूनी प्रावधानों, जनकल्याणकारी योजनाओं तथा साइबर अपराधों के बारे में जानकारी दी गई। बताया गया कि महिलाओं एवं बालिकाओं को अधिकारों के प्रति सजग होना और अपराध के तरीकों से सावधान रहना जरूरी है। 181 (महिला हेल्पलाइन), 1090 (शक्ति हेल्पलाइन), 1098 (चाइल्ड हेल्पलाइन), 112 एवं 1076 जैसे नंबरों की जानकारी दी गई।

## होलिका जली

रसूलाबाद में होली पर्व को लेकर बाजारों में सोमवार को खासी चहल-पहल रही। बच्चों और बड़ों ने रंग, अबीर-गुलाल और पिचकारियों की खरीदारी की। इस अवसर पर गन्ने भी खूब बिके। किसानों ने भी मौके का लाभ उठाते हुए 20 से 40 रुपये तक प्रति गन्ने के हिसाब से बेचा। जौ की बालियां भी खूब बिकीं। होली पर नए लुक की पिचकरिया भी बाजार में खूब बिकीं। बच्चों ने अपने घर वालों के साथ बाजार में आकर पिचकरिया खरीदीं। इसके साथ ही मुखौटे और तरह-तरह के हैट, टोपियां भी खूब बिकीं। अबीर गुलाल रंग की भी खूब बिक्री हुई इसके चलते बाजारों में चहल पहल रही। धार्मिक परंपराओं एवं मान्यताओं के तहत लोगों ने गन्ने और जो की बालियां भी खरीदीं। इस अवसर पर किशोर और नई उम्र के लड़कों ने जमकर होली बढ़ाई। झाड़ झंखाड़ से लेकर टूटे-फूटे फर्नीचर भी होली में डालकर मौज ली। ● अमृत विचार

# चिप्स-पापड़, गुझिया बनाने में जुटीं महिलाएं

संवाददाता, रसूलाबाद

- कस्बा और ग्रामीण इलाकों में दिखने लगा होली का उत्साह
- मिलावट से बचने के लिए घरों पर ही बनाया जा रहा खोवा

अमृत विचारः होली का त्योहार आते ही घरों में महिलाओं के द्वारा आलू के पापड़ व चिप्स घर में बनाने के साथ ही गुझिया बनाने का काम भी शुरू हो गया है। शुद्ध खोए के लिए महिलाएं प्रायः घर में ही दूध से खोया बना लेती है या किसी विश्वसनीय भट्ठी वाले से खोया खरीद कर गुझिया बनाई जा रही है।

अमूमन आमलकी एकादशी अथवा द्वादशी के दिन नक्षत्रों में सिंह के समान बलवान पुष्य नक्षत्र से घरों में गुझिया बनाने का काम महिलाएं शुरू कर देती हैं। पहले पूजन के लिए गुड भरकर गुझिया बनाई जाती है। इसके बाद खोया मेवा आदि भरकर गुझिया बनाई जाती हैं। बाजार में भी खोए से बनी हुई रेडीमेड गुजिया उपलब्ध है किंतु बच्चों में इसकी अधिक रुचि होने के कारण महिलाएं घर पर गुजिया बनाती हैं। कस्बा ही नहीं बल्कि होली का रंग पूरे क्षेत्र में चटक नजर आ रहा है। कस्बे के सुभाष नगर, केशव नगर, शास्त्री नगर, आजाद नगर, गांधीनगर, नेहरू नगर, रहीम नगर, तुलसी नगर, निराला नगर आदि मोहल्लों में होली के एक दिन पहले से ही लोगों के घरों की छतों पर काफी चहल-पहल नजर आती है। सुबह से ही छतों पर महिलाओं व बच्चों की हलचल पापड़ बनाते हुए देखी जा सकती है। गांव में भी महिलाएं होली की तैयारियों में लग गई हैं। चिप्स, पापड़, सेव आदि बनाकर रखने लगी हैं।

त्योहार के लिए घर पर गुझिया बनातीं महिलाएं। अमृत विचार

इस संबंध में कस्बे की अनेक महिलाओं में नीतू, अंशु, आरती, आकांक्षा, कीर्ति, अंकिता, मिथिलेश आदि ने बताया कि इस समय मौसम का कोई भरोसा नहीं रहता है। कब बादल आ जाए इसलिए सुबह से ही आलू के पापड़ चिप्स बनाने का काम करना ठीक रहता है। रविवार को छुट्टी के दिन बच्चों की सहायता से घर में बनाए गए चिप्स और पापड़ न केवल स्वादिष्ट होते हैं वरन इनमें किसी भी प्रकार की मिलावट का कोई डर नहीं रहता है। बाजार में भी पापड़ आ रहे हैं लेकिन उन पर इतना भरोसा नहीं किया जा सकता है। घर पर जैसे चाहो वैसे पापड़ बना लेते हैं। रवा आलू के साथ साबूदाने के भी बेहतर पापड़ घर में बन जाते हैं। यह बाजार से सस्ते रहते हैं और निरापद रहते हैं। इन में मिलावट का कोई डर नहीं होता है। बाजार में अखाद्य रंगों से रंगे हुए पापड़, कचरी, फिंगर आदि के सेवन से बीमारी का डर रहता है।

# सिकंदरा में सांड़ के हमले से रिटायर्ड कानून-गो की मौत

## नुमाइश मैदान के पास सोमवार की सुबह सांड़ ने अचानक बोल दिया हमला

संवाददाता, सिकंदरा

- सांस की आस में परिजन ले गए कानपुर, डाक्टर ने मृत बताया

अमृत विचारः सिकंदरा कस्बे के मालवीय नगर स्थित नुमाइश मैदान के गेट के पास सोमवार की सुबह आवारा सांड़ के हमले से सेवानिवृत्त कानून-गो गंभीर रूप से घायल हो गए। जानकारी पर पहुंचे परिजन निजी वाहन से इलाज के लिए उन्हें कानपुर के प्राइवेट अस्पताल ले गए। वहां उपचार मिल पाता, इसके पहले उनकी मौत हो गई।

सिकंदरा कस्बा के मालवीय नगर निवासी मनीष शुक्ला ने बताया कि उनके पिता रमेश चंद्र शुक्ला (70वर्ष) सेवानिवृत्त कानून-गो थे। उन्होंने दो मकान बनवाए हैं। दोनों में आना-जाना रहता है। सोमवार की सुबह वह पुराने घर से नुमाइश मैदान के पीछे नए घर को जा रहे थे। इसी दौरान घटना हो गई। प्रत्यक्ष दर्शियों ने बताया कि नुमाइश मैदान के गेट के पास खड़े आवारा सांड़ ने उन पर अचानक हमला कर दिया। इससे वह बुरी तरह घायल हुए। लोगों ने किसी तरह सांड़ को भगा कर उन्हें बचाया। तब तक रमेश चंद्र के घर के लोग मौके पर पहुंच गए। हालत गंभीर देख वह निजी वाहन से कानपुर के प्राइवेट अस्पताल ले गए। वहां इलाज के पहले ही उनकी मृत्यु हो गई। परीक्षण के बाद डाक्टर ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। मौत की सूचना मिलते ही मृतक की पत्नी विनोदिनी शुक्ला व पुत्र त्रियंक शुक्ला बिलखने लगे। पड़ोसियों में भी शोक की लहर दौड़ गई।

## तेज रफ्तार टैंकर की टक्कर से शिक्षक घायल

शिवली। मैथा विकासखंड क्षेत्र के लमहरा के संविलियन विद्यालय में बालाजीपुरम कल्याणपुर कानपुर निवासी अजय सक्सेना शिक्षक पद पर कार्यरत है। बीएलओ ड्यूटी भी कर रहे हैं। सोमवार की सुबह शिक्षक अजय सक्सेना बाइक से अपने विद्यालय जा रहे थे। वह जैसे ही रामगंगा नहर पुल केसरी नेवादा पर पहुंचे थे। कि तेज रफ्तार टैंकर ने जोरदार टक्कर मार दी। टैंकर की टक्कर लगने से बाइक चालक शिक्षक गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों ने घटना की सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने घायल शिक्षक को सीएचसी अस्पताल पहुंचाया। अस्पताल में डॉक्टर ने प्राथमिक उपचार करने के बाद कानपुर अस्पताल रेफर कर दिया गया है। घटना की जानकारी मिलते ही अस्पताल पहुंचे शिक्षकों एवं परिजनों द्वारा घायल शिक्षक को कानपुर के एक निजी अस्पताल में उपचार के लिए भर्ती कराया गया है। इंस्पेक्टर अमरेंद्र बहादुर सिंह ने बताया कि घायल शिक्षक को उपचार के लिए अस्पताल भेज दिया गया है। तहरीर मिलते ही रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी।

अस्पताल में भर्ती शिक्षक।

# सड़क पर उतरी खाकी, ड्रोन से पूरे रसूलाबाद कस्बे में दौड़ाई पैनी नजर

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः होली को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के उद्देश्य से रविवार रात सीओ आलोक चौधरी के नेतृत्व में फ्लैग मार्च के साथ ड्रोन कैमरा से पूरे कस्बे की निगरानी की गई, ताकि किसी भी संदिग्ध व्यक्ति और वस्तु पर नजर रखी जा सके।

सीओ आलोक चौधरी ने बताया कि होली भाईचारे का पर्व है। कानून व्यवस्था से खिलवाड़ करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने चेतावनी दी कि जबरन रंग लगाने, नशे में उत्पात मचाने और अफवाह फैलाने वालों को बख्शा नहीं जाएगा। कस्बे में पुलिस पूरी तरह मुस्तैद है। फ्लैग मार्च के दौरान पुलिस ने बाजार, प्रमुख चौराहों और संवेदनशील क्षेत्रों में भ्रमणकर सुरक्षा का एहसास कराया। सीओ ने दुकानदारों और नागरिकों से संवाद कर आपसी सौहार्द बनाए रखने तथा शांति व्यवस्था कायम रखने की अपील की। पुलिस बल के साथ चल रहे तहसीलदार संतोष कुमार सिंह ने कहा कि प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राजस्व और पुलिस विभाग संयुक्त रूप से कार्य कर रहे हैं। उन्होंने लोगों से शांति, सद्भाव और जिम्मेदारी के साथ त्योहार मनाने की अपील की।

सोमवार को सीओ व तहसीलदार के नेतृत्व में दिखी पुलिस की धमक। अमृत विचार

थाना प्रभारी एसएन सिंह ने बताया कि संवेदनशील क्षेत्रों की विशेष निगरानी हो रही है। क्राइम इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह ने बताया कि सोशल मीडिया पर भी नजर है। किसी भी प्रकार की भ्रामक सूचना फैलाने वालों पर तत्काल कार्रवाई की जाएगी। पुलिस ने स्पष्ट किया कि प्रमुख स्थानों पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात रहेगा तथा त्योहार के दौरान पुख्ता सुरक्षा व्यवस्था रहेगी। फ्लैग मार्च में एसएसआई राम सिंह, दरोगा उदयभान, शिव बहादुर, बृजेश सिंह हेड कांस्टेबल राहुल चौधरी, रामाधार, बलराम सिंह सहित चौकी प्रभारी रहे।

# प्रेम, सेवा के साथ मानव कल्याण का गूंजा संदेश

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः क्षेत्र के चित्तानिवादा में आयोजित श्रीमद् भागवत सप्ताह ज्ञान यज्ञ का समापन भक्त प्रह्लाद, ध्रुव चरित्र, गोवर्धन पूजा और सुदामा चरित्र जैसे प्रसंगों की कथा के साथ हो गया। कथा के अंतिम दिन कथा स्थल पर भारी संख्या में श्रद्धालु श्रोता उपस्थित रहे।

व्यास पीठ का सम्मान किया गया।

इस अवसर पर बिसाही ग्राम पंचायत के प्रधान प्रतिनिधि अनिल कुमार राठौर अपने सहयोगियों श्याम सिंह राठौर, शिव सिंह राठौर, पंकज राठौर, सुनील कुमार आदि के साथ कथा स्थल पर पहुंचे और व्यास पीठ पर आरूढ़ श्रीमद् भागवत कथावाचन कौशल किशोर पांडेय का सम्मान कर कथा श्रवण की। कथा के अंतिम दिवस पर कथावाचक ने भगवान श्रीकृष्ण की दिव्य लीलाओं का वर्णन किया। इसमें भक्त प्रह्लाद, ध्रुव चरित्र, गोवर्धन पूजा और सुदामा चरित्र जैसे प्रसंग शामिल थे। कथा के माध्यम से भक्ति, सत्य, प्रेम, सेवा और मानव कल्याण का संदेश दिया गया। भागवत कथा आयोजन समिति ने सभी आगंतुकों ललित कुमार पांडेय आदि अतिथियों का स्वागत किया। समिति के सदस्यों ने आयोजन को सफल बनाने में सहयोग देने वाले ग्रामीणों, महिलाओं, युवाओं और बुजुर्गों का आभार व्यक्त किया।

# अपने बौद्धिक अधिकारों को लेकर उद्यमियों को किया गया जागरूक

संवाददाता, रनियां

अमृत विचारः विकसित भारत 2047 प्रोग्राम को लेकर एमएसएमई विकास कार्यालय कानपुर औरआईआईए के संयुक्त तत्वावधान में सोमवार को कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके जरिए बौद्धिक अधिकारों के संबंध में उद्यमियों को जागरूक किया गया। अधिकारियों तथा उद्यमियों ने अपने विचार साझा किए।

सोमवार को रनियां के एक होटल में आयोजित कार्यक्रम में शामिल नवनीत श्रीधर तथा डा राव विक्रम ने विस्तार पूर्वक जानकारी देते हुए बताया कि पेटेंट ट्रेडमार्क कापीराइट डिजाइन और भौगोलिक संकेत देश को एक आत्मनिर्भर और विकसित राष्ट्र बनाने में सहायक होगा। उन्होंने बताया कि आईपीआर में नवाचार की सुरक्षा, प्रतिस्पर्धा बढ़ाना, पंजीकरण सहायता और आईपीएफसी के माध्यम से मार्गदर्शन प्रदान करना है। बताया गया कि एमएसएमई आईआईए जैसी प्रमुख औद्योगिक संगठनों से जुड़कर विभिन्न स्थानों पर जागरूकता कार्यशाला सेमिनार आयोजित कर रहा है। ताकि स्थानीय उद्यमियों को इस योजना का लाभ मिल सके। इस दौरान चेयरमैन पियूष जैन, राजीव अग्रवाल, सचिन गर्ग, सुनील पांडेय, राजीव शर्मा, रोहित बृजपुरिया सहित अनेकों लोग मौजूद रहे।

दीप जलाकर कार्यक्रम की शुरुआत करते अधिकारी और उद्यमी। अमृत विचार

- विकसित भारत-2047 को लेकर आयोजित किया गया कार्यक्रम

# चाकू दिखा किशोरी से दुष्कर्म का प्रयास

संवाददाता, शिवली

- शिवली कोतवाली क्षेत्र की घटना पुलिस ने शुरू की जांच
- रिश्तेदारी में गए थे माता-पिता घर पर अकेली थी बच्ची

अमृत विचारः किशोरी को घर में अकेला पाकर युवक ने घर के अंदर कमरे की कुंडी बंद करके दुष्कर्म का प्रयास किया। चाकू दिखाकर उसे धमकाया कि अगर किसी से कुछ कहा तो जान से मार देंगे। रिश्तेदारी से लौटी पीड़ित मां ने कोतवाली पहुंच आरोपित युवक के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कराया है। मामले को दर्ज कर पुलिस ने जांच शुरू की है।

कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासिनी महिला ने रिपोर्ट दर्ज करवाते हुए पुलिस को बताया कि वह अपने पति के साथ रिश्तेदारी गई थी। उसकी 12 वर्षीय बेटी घर पर अकेली थी तभी उसके पड़ोसी लवकुश घर के अंदर घुस आया। इसके बाद अंदर से दरवाजे की कुंडी बंद कर ली और बेटी के साथ छेड़छाड़ कर दुष्कर्म करने का असफल प्रयास किया। आरोप कि चाकू दिखाकर बेटी को धमकाया कि अगर उसने किसी को भी कुछ घटना के बाबत बताया तो वह बेटी को जान से मार देगा। वह अपने पति के साथ रिश्तेदारी से वापस लौटी तो बेटी ने सारी आप बीती उसे बताई। चौकी प्रभारी औनहां नरसिंह ने बताया कि पीड़िता द्वारा दिए गए तहरीर के आधार पर आरोपित युवक के विरुद्ध मामले को लेकर गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया गया है। किशोरी का डाक्टरी परीक्षण करवाया जा रहा है। साथ ही आरोपी की तलाश की जा रही है।

बीमारियों का खतरा | पसनी निवादा गांव की गलियों पर भरा पानी, कागजों पर रास्ते बिल्कुल चकाचक

# जरा सा चूक जाएं तो हाथ-पांव टूट जाएं

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः रसूलाबाद विकास खंड क्षेत्र की मल्हपुर ग्राम पंचायत के मजरा पसनी निवादा गांव में जल निकासी की उचित व्यवस्था न होने से ग्रामीण जलभराव की समस्या से जूझ रहे हैं। सड़क पर कीचड़ युक्त दूषित पानी जमा होने से संक्रामक बीमारियों के भी फैलने का खतरा बढ़ गया है।

जलनिकासी की व्यवस्था न होने से सड़क पर भरा गंदा पानी।

घरों की दहलीज तक पानी और कीचड़। अमृत विचार

पसनी निवादा गांव के रहने वाले सुनील, शीलू आदि अनेक ग्रामीणों ने बताया कि जल निकासी की व्यवस्था न होने से गंदा पानी सड़कों पर भरकर लोगों के घरों के दरवाजे के सामने जमा हो रहा है। गांव की नालियों के निर्माण में भ्रष्टाचार हुआ है। कागजों पर कार्य पूर्ण दिखा दिया गया है, जबकि वास्तविक स्थिति इसके विपरीत है। घरों के सामने पानी भरने से लोगों को आवागमन में परेशानी हो रही है। उन लोगों ने कई बार संबंधित अधिकारियों और ग्राम प्रधान को इस समस्या से अवगत कराया, लेकिन आज तक कोई समाधान नहीं हुआ है, जिससे वह लोग परेशान है। नालियों में गंदा पानी भरा हुआ है। सफाई कर्मचारी गांव में दिखाई नहीं देते, जबकि सरकारी रिकॉर्ड में नियमित सफाई दर्शाई जाती है। इस अनदेखी के कारण ग्रामीणों में गहरा रोष है।

अब ग्रामीणों ने चेतावनी दी है कि यदि जल्द ही जलनिकासी की व्यवस्था नहीं की गई, तो वे शनिवार को संपूर्ण समाधान दिवस में जिलाधिकारी से शिकायत कर कार्रवाई की मांग करेंगे। इस संबंध में खंड विकास अधिकारी विपुल विक्रम सिंह ने बताया कि मामला उनके संज्ञान में नहीं है। जानकारी कर आवश्यक कार्रवाई करेंगे।

# संभल कर चलें, आगे 'बड़ा गड्ढा' है

संवाददाता, रसूलाबाद

अमृत विचारः ग्राम इटैली से रसूलाबाद चौबेपुर मार्ग को जोड़ने वाले डामरी कृत संपर्क मार्ग में जानलेवा गड्ढे हो गए हैं जिससे सरकार की गड्ढा मुक्त मार्ग योजना पर सवालिया निशान लगता है। ग्रामीणों ने इन गड्ढों को ठीक करवाए जाने की मांग की है।

रसूलाबाद कानपुर रोड पर बन्नापुर के निकट इटैली माइनर के किनारे किनारे डामरी कृत मार्ग है। जिससे एक दर्जन से अधिक गांवों, उसरी, इटैली, दानी निवादा, गोपालपुर, मकरंदपुर मजरा, मनावा, बंसी निवादा, रिवरी, दांती आदि के लोग अपने कृषि संबंधी कार्यों एवं गृहस्थी के सामान की खरीद फरोख्त के लिए आवागमन करते हैं। अत्यंत दुर्दशाग्रस्त हो चुके मित्रसेनपुर कहिंजरी, भगवन्तपुर

इटैली-बन्नापुर बंबा मार्ग पर हुए बड़े-बड़े गड्ढे। अमृत विचार

इस मार्ग का ग्रामीणों की मांग पर अभी लगभग सात आठ माह पूर्व मरम्मतीकरण करवाया गया था।

उसे समय स्मृति कारण कार्य पर लोगों ने गुणवत्ता को लेकर सवाल उठाए थे किंतु लोगों की सुनी नहीं गई और कुछ समय बाद ही इसमें जगह बड़े-बड़े गड्ढे हो गए। इसमें कुछ स्थानों पर गड्ढे अत्यंत जानलेवा है। जिनसे कभी भी कोई बड़ा हादसा हो सकता है। इस क्षेत्र के दांती निवासी राम प्रकाश, संजू सिंह, लाल सिंह, गोपालपुर निवासी रामपाल, सुरेश कुमार, इटैली निवासी माधव दीक्षित, पूर्व प्रधान रमेश यादव, गुड्डन शुक्ला आदि अनेक ग्रामीणों ने इस मार्ग के गड्ढों को ठीक करवाए जाने की मांग अधिशासी अभियंता लोक निर्माण विभाग से की है।

रंग में वह जादू है जो रंगने वाले, भीगने वाले और देखने वाले तीनों के मन को विभोर कर देता है।

— मुक्ता


# अमृत विचार

कानपुर महानगर

www.amritvichar.com


## कानपुर के प्रमुख समाचार


- न्यू पुष्पांजलि अस्पताल सील, 6 को नोटिस -II
- कलक्टरगंज में 27 लाख की चोरी -II
- सीए फाइनल में नेंसी बनीं टॉपर -IV



कानपुर, मंगलवार, 3 मार्च 2026

माल रोड पर सजी होलिका। अमृत विचार

बिरहाना रोड पर लगा पुतला।

तपेश्वरी मंदिर में होलिका का पुतला।

लाटूश रोड पर सजाई गई होली। अमृत विचार

## खूब बिकी गुझिया, मिठाई और नमकीन

- शहर में होली की खरीदारी भी सोमवार को जमकर हुई। गुमटी, लाल बंगला, स्वरूप नगर, बिरहाना रोड, गोविंद नगर व चावला मार्केट में लोगों ने रंग, गुलाल सहित अन्य होली से संबंधित खरीदारी की। इस दौरान मिठाई की दुकानों में भी भीड़ रही। कारोबारियों ने अनुमान लगाया कि शहर में होली पर करोड़ों रुपये का गुझिया, मिठाई और नमकीन का कारोबार हुआ है। इनमें सबसे अधिक रेडीमेड गुझिया की खरीदारी हुई है। इस बार विभिन्न फ्लेवर में भी गुझिया लोगों को रिझा रही है। इनमें स्ट्रॉबेरी, पान, चॉकलेट गुझिया की सबसे अधिक मांग खरीदारों की ओर से हुई है। इसके अलावा सोने-चांदी की वर्क वाली गुझिया भी है।

इफ्तार
मंगलवार शाम
सुन्नी : 6 :14
शिया : 6 :23

सहरी
बुधवार सुबह
सुन्नी : 5 :09
शिया : 5 :00

पैग़म्बर मोहम्मद साहब ने फ़रमाया : मेरी उम्मत को रमजान शरीफ में पांच चीजें विशेष तौर पर दी गई हैं जो पहली उम्मतों को नही मिली।

### आज पड़ेगा ग्रहण

कानपुर। मंगलवार को चंद्रग्रहण लग रहा है। यह ग्रहण 3 बजकर 20 मिनट से लेकर शाम 6 बजकर 46 मिनट तक लगेगा। ज्योतिषाचार्य पं. मनोज कुमार द्विवेदी ने बताया कि भारत में ग्रहण चन्द्रोदय के साथ शाम 6 बजकर 14 मिनट से शुरू होगा और 6 बजकर 46 मिनट पर समाप्त होगा। धार्मिक मान्यताओं के मुताबिक ग्रहण से करीब 9 घंटे पहले सूतक काल प्रारम्भ हो जाता है. यानि सुबह 9 बजकर 20 मिनट से सूतक लगेगा। सूतक काल में किसी भी प्रकार का शुभ कार्य या उत्सव करना मना होता है।

# होलिका दहन हुआ, कल चलेगा झमाझम रंग

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

ग्वालटोली में लगी होलिका। अमृत विचार

लाटूश रोड में होलिका में टैरिफ की झांकी सजाई गई। अमृत विचार

**अमृत विचार।** शहर में होलिका दहन के साथ ही होली का उत्साह छा गया। पारंपरिक पूजन के चलते होलिका सजते ही महिलाओं ने शाम को पूजन किया। रोली व चंदन अर्पित कर आरती भी की। शाम को होलिका दहन से पहले लोगों ने परिवार संग होलिका थीम भी देखने निकले। उन लोगों ने इस पल को अपने कैमरों में भी कैद किए। ग्रहण की वजह से शहर में 4 मार्च को रंग चलेगा।

होलिका दहन स्थलों को रोशनी से सजाया गया। कई स्थानों पर होलिका के पुतले के साथ ही विभिन्न थीम भी दर्शायी गई। लाटूश रोड में अमेरिका की ओर से भारत पर लगाए गए टैरिफ व उससे उपजे हालात को थीम के माध्यम से दर्शाया गया। यहां पर होलिका दहन से जुड़े पदाधिकारी जीतू राजपूत, सागर कुमार, उत्कर्ष, विक्की गौड़, शिवम गौड़, रिषभ कुमार ने बताया कि वे लोग हर वर्ष नई थीम पर होलिका सजाते हैं। इस बार उन लोगों ने यह थीम सजाई है।

लाटूश रोड पर अमेरिका के राष्ट्रपति डॉनाल्ड ट्रंप के पुतले को सभी ने सराहा। थीम में विभिन्न स्लोगन के माध्यम से ट्रंड के टैरिफ का असर भी दर्शाया गया। आर्य नगर मे इस बार 12 फिट की होलिका को पीली साड़ी में सजाया गया। यहां पर हुई रोशनी को कई क्षेत्रों से लोग परिवार संग देखने आए। आर्य नगर में भी होलिका दहन के दौरान हुई फूलों की होली भी दहन करने आने वाले लोगों के लिए आकर्षण का केंद्र रही। उधर बिरहाना रोड, तपेश्वरी मंदिर में भी सजी होलिका की झांकी आकर्षण का केंद्र रहीं।

**खूब बिकीं पिचकारी:** होली पर इस बार पिचकारी का कारोबार भी खूब चमका। कारोबारियों के अनुसार पर्व के दौरान ही बोर्ड परीक्षाओं की वजह से इस बार पिचकारियों की बिक्री पिछले साल की तुलना में थोड़ी कम हुई है। बाजार में सबसे अधिक डोरेमॉन, हथौड़ा, तलवार, मॉस्क सहित अन्य पिचकारी बिकी है।

5 सौ से अधिक डिजाइन की पिचकारी की बिक्री हुई है। इसके अलावा रंग, अबीर और गुलाल की भी बिक्री हुई है। सफेदा की मांग हर साल की तरह रही।

**20 किलो हवन सामग्री:** इंद्रपुरी शारदा नगर, महाराणा प्रताप इंटर कालेज के सामने पर्यावरण फ्रेंडली प्रदूषण रहित गो काष्ठ की होली जलाई गई। सोसाइटी अध्यक्ष सुभाष शर्मा व सचिव प्रमोद पांडेय ने बताया की होली में 20 किलो शुद्ध हवन सामग्रि भी डाली गयी है और पूरे चौराहा को सजाया गया है।

## सिटी ब्रीफ

### रामादेवी में सड़क पार कर रहे युवक को कंटेनर ने रौंदा

**चकेरी।** रामादेवी चौराहे पर एक कंटेनर ने सड़क पर कर रहे युवक को रौंद दिया। जिससे युवक की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। सोमवार दोपहर को चौराहे पर अहिरवां की तरफ जाने वाली लेन पर करीब 40 वर्षीय एक युवक सड़क पार कर रहा था। कंटेनर चालक ने जल्दबाजी में वाहन आगे बढ़ाया, जिससे युवक उसके टायर की चपेट में आ गया और मौके पर ही दम तोड़ दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा। वही चालक कंटेनर छोड़कर भाग गया। रामादेवी चौकी प्रभारी कुलदीप कुमार ने बताया कि मृतक की पहचान नहीं हो सकी है। कंटेनर को कब्जे में ले लिया गया है और चालक की तलाश की जा रही है।

### एआई से दसवीं की छात्रा का अश्लील वीडियो बनाया

**कानपुर।** बाबूपुरवा थाना क्षेत्र में दसवीं की छात्रा का आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) के जरिए अश्लील वीडियो बनाकर इंस्टाग्राम पर प्रचलित करने का मामला सामने आया है। पिता के मोबाइल पर वीडियो पहुंचने के बाद घटना का खुलासा हुआ और पीड़ित परिवार ने संबंधित इंस्टाग्राम आईडी के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आईटी एक्ट में मुकदमा दर्ज कर सर्विलांस सेल की मदद से जांच शुरू कर दी है। वीडियो वायरल होने के बाद से परिवार सदमे में है और किशोरी मानसिक रूप से परेशान है। थानाप्रभारी अरुण कुमार द्विवेदी ने बताया कि संबंधित आईडी की तकनीकी जांच कर आरोपित की तलाश की जा रही है।

### मुकदमा वापसी के लिए चापड़ से काटने की धमकी

**कानपुर।** जूही थाना क्षेत्र में पोक्सो के दर्ज मुकदमे में समझौते का दबाव बनाते हुए 14 वर्षीय किशोरी और उसके परिवार को चापड़ से काटकर हत्या करने की धमकी देने का सनसनीखेज मामला सामने आया है। पीड़िता की मां की तहरीर पर जूही पुलिस ने कृष्णा उर्फ साहिल, सोनू, चन्दा कनौजिया और रवि के खिलाफ एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए दबिश दी जा रही है। दर्ज रिपोर्ट के अनुसार 13 दिसंबर की शाम आरोपी कृष्णा उर्फ साहिल नशे की हालत में पीड़िता के घर पहुंचा और गाली-गलौज करते हुए बाहर निकलने की ललकार लगाने लगा तथा पहले से दर्ज पोक्सो मुकदमे में सुलह करने का दबाव बनाया। धमकाया कि समझौता न करने पर पूरे घर को चापड़ से काट डालेगा। कथित पत्रकार सोनू, चन्दा कनौजिया और रवि ने भी रास्ता रोककर पुलिस को सूचना देने पर जान से मारने की धमकी दी। जूही थाना प्रभारी के के पटेल ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर आरोपियों की तलाश की जा रही है।

### एटीएम कार्ड बदलकर 30 हजार उड़ाए

**कानपुर।** कृष्णा नगर के कर्मचारी नगर निवासी अवधेश सिंह के अनुसार 21 फरवरी को वह कृष्णा नगर स्थित एटीएम से रुपये निकालने गये थे। इस दौरान एक युवक अंदर आया और बोला कि सही ढंग से कार्ड नहीं लगा होने के चलते रुपये नहीं निकल रहे हैं। युवक ने उनका एटीएम कार्ड ले लिया। तभी बाहर से दूसरा युवक आया और उसने बाहर खड़ी उनकी स्कूटी को हटाने की बात कही। इतने में ही अंदर खड़े आरोपित ने एटीएम कार्ड को बदल दिया। रकम न निकालने पर वहां चले आए। कुछ देर बाद उनके खाते से तीस हजार रुपये निकल गए।

# अगर मैं शहीद हो जाऊं तो रोना मत, खुश रहना

## शहर के विभिन्न क्षेत्रों में ईरानी सुप्रीमो का आखिरी पैगाम गूंजा, रजबी रोड पर मजलिस में शिया महिलाएं भी गम में शरीक हुईं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

रजबी रोड पर मजलिस में लगाए नारे। अमृत विचार

कैंडल मार्च में शिरकत करतीं ख्वातीन। अमृत विचार

**अमृत विचार।** अगर मैं शहीद हो जाऊं तो रोना मत, खुश रहना क्योंकि हम लड़कर शहीद हो रहे हैं। मेरी सेना और मेरे लोग भी लड़कर शहीद हो रहे हैं। हमें यहूदियों और अमेरिकियों के सामने झुकने की जरूरत नहीं है और न ही हमें अमेरिकी से मदद मांगना चाहिए। मरने के बाद मैं इसी हालत में जवाब द सकता हूं कि मैंने इस्लाम के लिए लड़ाई लड़ी, मैंने किसी ताकत के सामने सिर नहीं झुकाया।

ईरानी सुप्रीमो आयताउल्लाह खामेनेई ने अपनी मौत के पहले आखिरी पैगाम दुनिया के मुसलमानों विशेषकर शिया समुदाय को दिया है, जो सोशल मीडिया पर शहर में भी गूंज रहा है। इस पैगाम को लाखों मुसलमानों ने देखा। विभिन्न क्षेत्रों में दूसरे दिन भी मजलिस का क्रम जारी रहा और खामेनेई की आत्मा की शांति के लिए दुआएं की गईं। हुसैनी फेडरेशन कार्यालय रजबी रोड पर मजलिस हुई जिसमें फेडरेशन के चेयरमैन हाजी कबीर जैदी ने कहा कि दुनिया में बढ़ते जुल्म और बेइंसाफी के खिलाफ आवाज बुलंद करना वक्त की सबसे बड़ी जिम्मेदारी है। डॉ. जुल्फिकार अली रिजवी हाजी कमर आबिदी, ताजदार हुसैन, शोएब जैदी, मीसम जैदी, मुजिबुल हसन रिजवी, कमर अब्बास रिजवी, एहसान हुसैन, रजी अब्बास रिजवी, मुशर्रफ हुसैन रिजवी आदि मौजूद रहे। इसी प्रकार इमामबाड़ा आगामीर ग्वालटोली में खामनेई की याद में मजलिस हुई जिसमें अबुजर काजमी, मौलाना शाहिद इमाम बाकरी, मौलाना नाजिमुल मनहाशी आदि ने विचार रखे। जूही लाल कालोनी, पटकापुर स्थित नवाब दूल्हा हाता, जूही सफेद कालोनी, छोटे मियां हाता, गम्मू खां हाता, नवाब साहब का हाता, मछली वाला हाता समेत विभिन्न स्थानों पर मजलिस हुई और अमेरिका और इजरायल को कोसा गया।

### जूही शिया जामा मस्जिद से निकला कैंडल मार्च

- **कानपुर।** ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्लाह खामेनेई की शहादत के दूसरे दिन शिया जामा मस्जिद जूही में शिया एवं सुन्नी समुदाय ने कैंडल जलाकर श्रद्धांजलि दी। मौलाना अलमदार हुसैन ने कहा कि खामेनाई ने कभी शिया और सुन्नी में कोई फर्क नहीं किया। खामेनाई ने हमेशा सच और मजलूमों का साथ दिया और पूरी जिंदगी जालिम ताकतों के आगे कभी सर नहीं झुकाया। उनकी शहादत सभी मुसलमानों को नेकी के रास्ते पर चलने का सबक देती है। मौलाना अली अब्बास ने कहा कि सबसे अच्छी मौत वो है जो अपने देश के लिए शहीद हो जाए। इस मौके पर बड़ी संख्या में खवातीनो ने भी शिरकत की। इस मौके पर हाजी इशरत अली, मोहम्मद सईद अर्शी, मौलाना फिरोज हैदर, नायाब आलम, दानिश रिजवी, आमिर अब्बास, मोहम्मद बाकिर अली, शारिब अब्बास आदि मौजूद रहे।

### गजब: लोग खाड़ी से भाग रहे, कनपुरिये जा रहे

- **कानपुर।** खाड़ी देशों में ईरान की बमबारी से एक ओर जहां सभी एयरलाइंस ने अपनी उड़ान रद्द कर दी हैं। दुबई जैसे विश्व स्तर के एयरपोर्ट बंद हो चुके हैं, वहीं लखनऊ से सऊदी एयरलाइंस की उड़ान जारी है। रमजान में खान-ए-काबा में इबादत करने के लिए जंग की परवाह किये बिना कानपुर के भी कई लोग सऊदी रवाना हो गये हैं। सोमवार को लखनऊ के चौधरी चरण सिंह इंटरनेशनल एयरपोर्ट से रात 2.35 बजे सऊदी उड़ान भरेगी जिसमें दर्जनों लोग कानपुर के भी शामिल हैं, इनमें कई लोग सिविल लाइंस समेत विभिन्न क्षेत्रों के हैं। ये फ्लाइट सुबह 6.30 बजे जद्दा पहुंचेगी। इसी प्रकार मंगलवार को सुबह 10.25 बजे भी 300 सीटर सऊदी एयरलाइंस की फ्लाइट लखनऊ से जद्दा के लिए उड़ान भरेगी जिसमें बड़ी संख्या में कानपुर के लोग भी हैं। ये फ्लाइट जद्दा दोपहर 2.55 बजे पहुंचेगी।

### खाड़ी में फंसे लोगों की सलामती के लिए मस्जिदों में दुआएं

- रविवार को कानपुर की विभिन्न मस्जिदों में इजरायल, ईरान की जंग के बीच कानपुर के फंसे लोगों के लिए समालमती की दुआएं की गई। ये भी दुआ हो रही है कि वे सुरक्षित अपने देश वापस लौट आएं। खाड़ी देशों में फंसे लोग अपने परिजनों को फोन कर रहे हैं कि यहां बम बरस रहे हैं, पता नहीं वापस घर लौट पाएंगे या नहीं। कई स्थानों पर लोग घरों में दुबके हुए हैं, एक एक कमरे में कई कई लोग एक साथ रातभर जागकर अल्लाह से सलामती की दुआ कर रहे हैं।

### इनामी हिस्ट्रीशीटर मनोज सिंह को जेल

**कानपुर।** नवम्बर माह में बर्रा में मैगी प्वाइंट पर फायरिंग और अधेड़ पर कार चढ़ाने के प्रयास के मामले में वांछित 25 हजार रुपये के इनामी बर्रा के हिस्ट्रीशीटर मनोज सिंह को गुजैनी पुलिस ने गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया। पुलिस ने उसके पास से तमंचा और कारतूस बरामद किए हैं। आरोपी पर हत्या और हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में बर्रा, गुजैनी, नौबस्ता, जूही और बिठूर थानों में 39 मुकदमे दर्ज हैं। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि फरारी के दौरान ही हिस्ट्रीशीटर ने मेहरबान सिंह का पुरवा निवासी रंजीत यादव को पहले दर्ज मुकदमा वापस लेने के लिए धमकाया था और इन्कार करने पर जनवरी में उस पर फायरिंग कर दी थी। पीड़ित की तहरीर पर गुजैनी थाने में मुकदमा दर्ज किया गया था और तभी से पुलिस उसकी तलाश में जुटी थी।

### जिलाबदर पकड़ा

**कानपुर।** गुंडा एक्ट में छह माह के लिए जिलाबदर किए गए आरोपी को गुजैनी पुलिस ने इलाके में घूमते हुए गिरफ्तार कर सोमवार को जेल भेज दिया। डीसीपी दक्षिण दीपेंद्र नाथ चौधरी ने बताया कि बर्रा आठ कच्ची बस्ती निवासी मोहित उर्फ नन्हू के खिलाफ गुंडा एक्ट के तहत कार्रवाई कर उसे जनपद से छह माह के लिए बाहर किया गया था। इसके बावजूद रविवार को वह क्षेत्र में घूमता मिला। पुलिस ने उसे जेल भेज दिया है।

# सड़क हादसे में हुई तीन यात्रियों की मौत, शासन को झूठी जानकारी दी

जमीर सिद्दीकी, कानपुर

- आगरा एक्सप्रेस-वे पर तेज गति से दौड़ रही दो बसों में हादसा

**अमृत विचार।** आगरा एक्सप्रेस-वे पर रोडवेज की एक बस ट्रक से टकरा गई जिसमें तीन यात्रियों की मौत हो गई जबकि कई यात्री घायल हो गये लेकिन अफसरों ने शासन को गुमराह करते ये रिपोर्ट भेज दी कि बस हादसे में कोई यात्री मरा नहीं है। अब शासन ने इसे गंभीरता से लेते हुए क्षेत्रीय प्रबंधक से जवाब तलब किया है।

उत्तर प्रदेश शासन के उप सचिव नितिन कुमार गुप्ता ने 2 मार्च 2026 को होली में यात्रियों की भीड़ को देखते हुए 24 घंटे कंट्रोल रूम स्थापित करने के निर्देश दिये हैं। किसी भी घटना की जानकारी इस कंट्रोल रुम को 3 घंटे के अंदर देना जरुरी है। इसके अतिरिक्त जो बसें 300 किमी के अधिक दूरी तय कर रही हैं, ऐसी बसों पर दो चालक लगाये जाएंगे।

अनु सचिव द्वारा जारी दिशा निर्देश के मुताबिक 1/2 मार्च की रात लगभग 2.30 बजे लखनऊ की ओर से आ रही बस संख्या यूपी 78 एफएन 2578 ने ट्रक संख्या आरजे 29 जीबी 3297 को पीछे से टक्कर मार दी। इस घटना में 14 यात्री घायल हुए जिन्हें चौकी इंचार्ज द्वारा हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। इसी ट्रक ने दूसरी बस संख्या यूपी 78 केएन 2230 को पीछे से जोरदार टक्कर मार दी। इस घटना में तीन यात्रियों की मौत हो गयी जबकि 17 यात्री घायल हो गये।लेकिन शासन को मृत यात्रियों के बारे में सूचना नहीं दी गई।

### जरा देखिए कैसे शासन को भ्रमित किया

- प्रात: 6.30 बजे बजे बताया गया कि कोई अप्रिय घटना नहीं हुई है।
- प्रात: 10.30 बजे बताया गया कि एक बस हादसे का शिकार हो गयी जिसमें 10 यात्री घायल हुए हैं।
- प्रात: 11.30 बजे फिर शासन को 10 यात्रियों के घायल होने की सूचना दी गई।

### अनु-सचिव ने निर्देश जारी किए

- 300 किमी से अधिक दूरी तक जाने वाली बसों में 2 चालक रखे जाएं।
- क्षेत्रीय प्रबंधकों एवं मुख्यालय के वरिष्ठ अधिकारियों द्वारा शासन को दी गई भ्रामक एवं गलत सूचना के दृष्टिगत स्पष्टीकरण प्राप्त कर कार्रवाई हो।
- बसों की गति कितनी थी या गति की जानकारी की व्यवस्था मौजूद नहीं है तो तुरंत बसों की गति की जानकारी रखने की व्यवस्था की जाए।

# खाड़ी देशों में फंसे लोगों की जानकारी दें

**ईरान जंग**

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- अमेरिका-ईरान युद्ध के दौरान खाड़ी देशों में फंसे लोगों की सूची तैयार हो रही

**अमृत विचार।** यदि आपका बेटा, बेटी, भाई बहन, रिश्तेदार कोई खाड़ी देश में फंसा है तो जिला प्रशासन को जानकारी उपलब्ध कराएं ताकि उन्हें सुरक्षित भारत वापस लाया जा सके।

जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह के अनुसार मिडिल-ईस्ट क्षेत्र में वर्तमान परिस्थितियों के दृष्टिगत कानपुर नगर के ऐसे नागरिकों का विवरण संकलित किया जा रहा है, जो ईरान, संयुक्त अरब अमीरात, ओमान, सऊदी अरब, कुवैत, इराक, इजरायल, कतर अथवा अन्य मिडिल-ईस्ट देशों में निवासरत, कार्यरत, अध्ययनरत, यात्रा पर गए हुए।

अस्थायी रूप से ठहरे हुए अथवा किसी कारणवश वहां फंसे हुए हैं। साथ ही हाल ही में उक्त देशों से भारत लौटे नागरिकों का विवरण भी अपेक्षित है। इस पहल का उद्देश्य संभावित आपात परिस्थितियों में प्रभावित नागरिकों से त्वरित संपर्क स्थापित करना, आवश्यक समन्वय सुनिश्चित करना तथा भारत सरकार एवं उत्तर प्रदेश शासन के स्तर पर समयबद्ध सहायता उपलब्ध कराना है। जनपद के नागरिकों से गुजारिश है कि यदि उनके परिवार का कोई सदस्य, रिश्तेदार अथवा परिचित उपर्युक्त देशों में वर्तमान में मौजूद है, तो उनका निम्न विवरण अविलंब उपलब्ध कराएं।

### ये जानकारी उपलब्ध कराएं

- नाम, पासपोर्ट संख्या, वर्तमान देश/शहर, स्थानीय संपर्क नंबर, भारत में स्थायी पता, भारत में परिजन का संपर्क नंबर तथा वर्तमान स्थिति (निवासरत/कार्यरत/यात्रा पर/फंसे हुए/हाल ही में लौटे)। सूचना जिलाधिकारी कानपुर नगर की ईमेल आईडी dmkap‹bha›@‹/bha›nic.in पर अथवा संबंधित तहसील कार्यालय, उप जिलाधिकारी कार्यालय तथा निम्न दूरभाष/मोबाइल नंबरों पर उपलब्ध कराई जा सकती है।

### इन नंबरों पर संपर्क करें

| | |
|---|---|
| जिलाधिकारी, कानपुर नगर | दूरभाष: 0512-2304436, 9454417554 |
| अपर जिलाधिकारी (नगर) | मोबाइल: 9454416400 |
| अपर जिलाधिकारी (वित्त एवं राजस्व) | मोबाइल: 9454417625 |
| अपर जिलाधिकारी (आपूर्ति) | मोबाइल: 9454416409 |
| अपर जिलाधिकारी (भू-अध्याप्ति) | मोबाइल: 9454416399 |
| अपर नगर मजिस्ट्रेट (प्रथम) | मोबाइल: 9454416401 |
| अपर नगर मजिस्ट्रेट (द्वितीय) | मोबाइल: 9454416402 |
| अपर नगर मजिस्ट्रेट (तृतीय) | मोबाइल: 9454416403 |
| अपर नगर मजिस्ट्रेट (चतुर्थ) | मोबाइल: 9454416404 |
| अपर नगर मजिस्ट्रेट (पंचम) | मोबाइल: 9454416405 |
| अपर नगर मजिस्ट्रेट (षष्ठम) | मोबाइल: 9454416406 |
| अपर नगर मजिस्ट्रेट (सप्तम) | मोबाइल: 945441640 |
| उप जिलाधिकारी, सदर | मोबाइल: 9454416385 |
| उप जिलाधिकारी, घाटमपुर | मोबाइल: 9454416387 |
| उप जिलाधिकारी, बिल्हौर | मोबाइल: 9454416386 |
| उप जिलाधिकारी, नर्वल | मोबाइल: 9454416395 |

# न्यू पुष्पांजलि हॉस्पिटल सील, 6 को नोटिस

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्वास्थ्य विभाग की टीम ने कल्यानपुर में फिर से चलाया अभियान

**अमृत विचार।** स्वास्थ्य विभाग के अभियान के बावजूद अवैध निजी अस्पतालों का संचालन जारी है। कुछ निजी अस्पतालों में बिना अनुमति के आईसीयू व ऑपरेशन थिएटर तक अपनी मर्जी से शुरू कर मरीजों की जान से खिलवाड़ किया जा रहा है। अभियान का असर ऐसे लोगों पर कोई खास नजर नहीं आ रहा है। विभाग ने एक अस्पताल को सील करके छह अन्य को नोटिस जारी किया है। बिठूर के राजा नर्सिंग होम में बिना अनुमति के संचालित किए जा रहे एनआईसीयू में नवजात बच्ची की 10 फरवरी को जलकर हुई मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग ने निजी अस्पतालों के खिलाफ अभियान शुरू किया था। अभियान का भय अवैध अस्पतालों पर कुछ खास नजर नहीं आ रहा है। विभाग के अधिकारियों को अब भी अवैध निजी अस्पताल, निजी अस्पतालों में बिना अनुमति आईसीयू व ओटी संचालित मिल रहे हैं। नर्सिंग होम के नोडल अधिकारी व एसीएमओ डॉ.रमित रस्तोगी ने टीम के साथ कल्यानपुर क्षेत्र में फिर औचक निरीक्षण किया। न्यू पुष्पांजलि हॉस्पिटल बिना पंजीकरण और मानक विहीन मिला, कागजात भी पूरे नहीं थे। हॉस्पिटल को सील किया गया। जबकि स्टार सिटी हॉस्पिटल, शिवाय हॉस्पिटल व एचआर हॉस्पिटल में बिना अनुमति ऑपरेशन थिएटर मिला। तीनों अस्पतालों के ऑपरेशन थिएटर सील किए गए और दोबारा खुले मिलने पर सख्त कार्रवाई की चेतावनी दी। जबकि न्यू शुभ हॉस्पिटल, संस्कार हॉस्पिटल व संजय दीप हॉस्पिटल में भी कई मिलीं, जिसके तहत उनको नोटिस जारी कर तीन कार्य दिवस में उत्तर मांगा है। कहा कि अवैध व बिना मानक संचालित निजी अस्पतालों के खिलाफ यह अभियान जारी रहेगा।

### शिक्षाविद का निधन

**कानपुर।** स्वतंत्रता संग्राम सेनानी स्व.रामस्वरूप शुक्ल की पत्नी शिक्षाविद पदमा शुक्ला का 97 वर्ष की आयु में निधन हो गया। वस्त्र उद्योग विभाग में कार्यरत उनके पुत्र देवेश शुक्ल ने बताया कि उनकी अंतिम यात्रा मंगलवार सुबह भैरोघाट के लिए प्रस्थान करेगी।

# कलक्टरगंज थाने के पास दो दुकानों से 27 लाख की चोरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- त्योहार पर दो दुकानों में सेंधमारी कर गश्त की पोल खोली

**अमृत विचार।** कलक्टरगंज थाने और एसीपी कार्यालय से 300 मीटर दूर दो दुकानों में सेंधमारी कर चोरी की वारदात ने पुलिस की रात्रि गश्त की पोल खोल दी। शातिर चोरों ने ड्राई फ्रूट और पान मसाला कारोबारी की दुकान से 26 लाख रुपये की नकदी समेत अन्य सामान पार कर दिया।एडीसीपी सेंट्रल अंजलि विश्वकर्मा और एसीपी कलक्टरगंज आनंद ओझा ने मौके पर पहुंच कर जांच पड़ताल की। साथ ही फोरेंसिक टीम बुलाकर साक्ष्य एकत्रित किए।

लाल बंगला निवासी सज्जन गुप्ता की नयागंज में श्याम लाल रामकिशन नाम से ड्राई फ्रूट्स का होलसेल व फुटकर का कारोबार है। कारोबारी के बेटे क्षितिज ने बताया कि रविवार रात करीब 10 बजे दुकान बंद करके गए थे। सोमवार सुबह करीब 10 बजे पिता ने दुकान खोली तो सारा सामान बिखरा था। दुकान में सेंधमारी कर दाखिल हुए चोरों ने गुल्लक में रखे करीब 25 लाख रुपये नकद और किशमिश के दो गत्ते ले गए थे। जिसके बाद उन्होंने तत्काल कलक्टरगंज पुलिस और व्यापारी नेताओं को सूचना दी। मौके पर व्यापारी नेता विनोद गुप्ता, शेष नारायण त्रिवेदी, अवधेश बाजपेई, रोशन लाल अरोड़ा समेत अन्य व्यापारी पहुंचे। सूचना पर एडीसीपी सेंट्रल अंजलि विश्वकर्मा और एसीपी कलक्टरगंज आनंद ओझा फोर्स जांच पड़ताल करने पहुंचे। इस दौरान व्यापारी ने बताया कि होली के त्योहार पर उनकी दोनों फर्म श्यामलाल रामकिशन और श्यामलाल श्रीनारायण में हुई बिक्री के करीब 25 लाख रुपये गायब हैं। वहीं उनके पड़ोस में स्थित नवाबगंज निवासी कुशल गुप्ता की बद्री प्रसाद एवं दिनेश प्रसाद की ड्राई फ्रूट्स व पान मसाला की दुकान में भी सेंधमारी कर आरोपितों ने करीब 80 हजार रुपये नकद व अन्य सामान समेत करीब एक लाख रुपये का माल ले गए। आरोपितों ने पड़ोसी दुकानदार किदवई नगर निवासी घनश्याम अग्रवाल की पान मसाला फर्म ज्वाला प्रसाद पवन कुमार में चोरी का प्रयास किया, लेकिन वह सफल नहीं हो सके। एसीपी कलक्टरगंज आनंद ओझा ने बताया कि सज्जन गुप्ता की तहरीर पर मुकदमा दर्जकर आरोपितों की तलाश की जा रही है।

### 10 दिन पहले भी तीन दुकानों में हुई थी चोरी

- बीती 19 फरवरी को कलक्टरगंज थाने और एसीपी कार्यालय से मात्र 75 मीटर दूर स्थित तीन दुकानों में सेंधमारी कर आरोपितों ने चोरी की थी। आरोपितों ने उस वक्त नयागंज शक्करपट्टी स्थित किराना दुकानदार राजेश गुप्ता के यहां से 10 हजार रुपये, गल्ला दुकानदार अंशुल गुप्ता की दुकान से 30 हजार रुपये नकद और दो काजू के डिब्बे और रोहित जैन की दुकान से 50 हजार रुपये नकद गायब थे।

### खाली प्लाट से दाखिल हुए थे चोर

- कलक्टरगंज थाना प्रभारी विनय तिवारी ने बताया कि चोर सबसे पहले बाजार में स्थित आर्यावर्त होटल के खाली प्लाट में दाखिल हुए। जहां से आरोपित सेंधमारी कर सबसे पहले दुकानदार कुशल गुप्ता के गोदाम में दाखिल हुए। आरोपितों ने उनकी दुकान में रखे करीब 80 हजार रुपये नकद और पान मसाला व ड्राई फ्रूट्स गायब किया। उसके बाद आरोपितों ने कुशल गुप्ता की गोदाम से सेंधमारी कर ड्राई फ्रूट्स व्यापारी सज्जन गुप्ता की दुकान में पहुंचे। जहां से आरोपितों ने करीब 25 लाख रुपये नगद और दो किशमिस के गत्ते पार कर दिए। इसके बाद आरोपितों ने पड़ोसी दुकानदार धनश्याम अग्रवाल की दुकान में भी सेंधमारी का प्रयास किया। हालांकि घटनास्थल को देखकर यह प्रतीत हो रहा है। आरोपितों ने जल्दी भागने के कारण उनकी दुकान में चोरी नहीं की।

**क्राइम** — शिक्षिका से दोस्ती कर शारीरिक शोषण किया, गिरफ्तार

# हिंदू बता ईसाई युवक ने की शादी, धर्मांतरण का दबाव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

> पीड़िता की तहरीर पर युवक और उसके परिजनों के खिलाफ दुष्कर्म, उत्तर प्रदेश विधि विरुद्ध धर्म संपरिवर्तन प्रतिषेध, गर्भपात कराने और मारपीट की धाराओं में रिपोर्ट दर्जकर आरोपित अभिषेक को गिरफ्तार किया गया है। पीड़िता का मेडिकल कराकर कोर्ट में उसके बयान कराकर कार्रवाई की जाएगी।
>
> – अर्चना सिंह, एडीसीपी सेंट्रल

**अमृत विचार।** कर्नलगंज में खुद को हिंदू बताकर ईसाई युवक ने पहले संगीत शिक्षिका से दोस्ती की इसके बाद शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण किया। इस दौरान वह गर्भवती हो गई तो उसने शादी का दबाव बनाते हुए पुलिस से शिकायत की बात कही। इस पर आरोपित ने कोर्ट मैरिज करने की बात कही और उसका गर्भपात करा दिया और मारापीटा। उसने धर्मांतरण का दबाव डाला। पीड़िता ने कर्नलगंज थाने में युवक और परिजनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई। पुलिस ने आरोपित युवक को गिरफ्तार किया है। बारादेवी निवासी युवती ने बताया कि वह ग्वालटोली क्षेत्र के एक निजी स्कूल में संगीत की शिक्षिका है। युवती ने बताया कि 2017 में उसकी मुलाकात चुन्नीगंज निवासी अभिषेक सिंह उर्फ रौनी से हुई थी। अभिषेक गिटार बजाता था। वर्ष 2023 में अभिषेक से उसकी बातचीत शुरु हो गई और आरोपित ने उससे शादी का झांसा दिया इस दौरान वह उसका शारीरिक शोषण करता रहा। मई 2025 में उसे पता चला कि वह एक माह की गर्भवती है तो उसने अभिषेक से शादी करने को कहा तो उसने कहा कि वह ठाकुर है और अपनी जबान से नहीं पलटेगा। उसने गर्भपात का दबाव बनाया तो उसने इन्कार कर दिया।

इसके बाद आरोपित ने बताया कि वह ठाकुर नहीं ईसाई है उसका असली नाम अभिषेक क्लाउडियस उर्फ रौनी है। इसके बाद आरोपितों ने उसे अपने घर में बंद करके अश्लील वीडियो बनाकर उसे प्रचलित करने की धमकी देते हुए अपने घर में रहने को मजबूर कर दिया। इस दौरान अभिषेक के पिता अखिलेश, मां रीता, बहनें नेहा और रुचि भांजा सैम भाई सनी व भाभी चिया दोस्त मोनू गाली गलौज करते हुए मारपीट करते थे। इस दौरान आरोपितों ने उसके पेट में लातें मारीं और दवाएं खिलाकर उसका गर्भपात करवा दिया।

उसके पिता और भाई उसके साथ छेड़छाड़ करते थे। 26 फरवरी को आरोपितों ने उसे मारापीटा तो उसने 1090 पर काल की लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई। अभिषेक के परिजनों ने उसकी चेन, अंगूठी और पायल के साथ ही 50 हजार रुपये छीन लिए। आरोपित और उसके परिजन उसे डरा धमकाकर आनलाइन व नकद एक लाख रुपये ले चुके हैं।

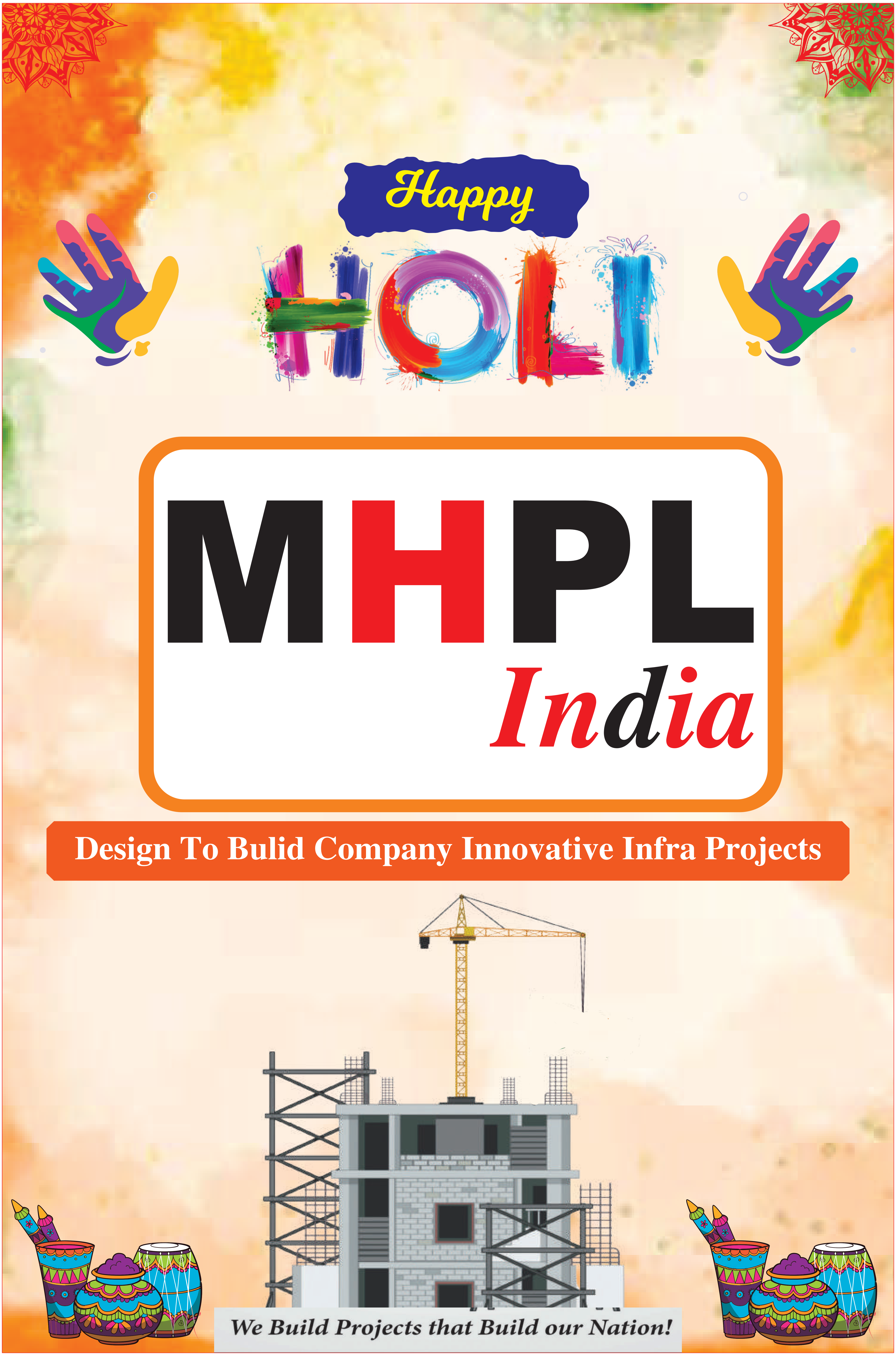
Happy
HOLI
MHPL
India
Design To Bulid Company Innovative Infra Projects
We Build Projects that Build our Nation!

अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 3 मार्च 2026

कानपुर महानगर

## सिटी ब्रीफ

### किसानों को बीज वितरित किए

**कानपुर।** सीएसए विवि की ओर से दिलीपनगर क्षेत्र में बाबा का कुआं स्थल पर किसान गोष्ठी का आयोजन किया गया। गोष्ठी में कीरतपुर एवं गौरी अभयपुर के किसान सम्मिलित हुए। किसानो के मध्य भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान द्वारा संचालित अनुसूचित जाति उप परियोजना के अंतर्गत किसानो के मध्य गन्ना बीज किस्म कोलक 142010 का बीज वितरित किया गया । किसानों को गन्ना बीज की तैयारी , बीज शोधन एवं बुवाई के तरीके भी बताए गए। किसानों को प्रमाणित बीज और रसायन ही खरीदने की सलाह दी गई। साथ ही कृषि वैज्ञानिकों के संपर्क में रहने को कहा। गोष्ठी में दिलीपनगर के प्रधान अनुराग अवस्थी एवं गौरी के प्रधान विजय तिवारी भी उपस्थित रहे।

### एबीवीपी ने दिया निदेशक को ज्ञापन

**कानपुर।** अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा पीएसआईटी कॉलेज के निदेशक को ग्यारह सूत्रीय ज्ञापन दिया। इस दौरान कॉलेज परिसर में हुई दुर्घटना का उल्लेख करते हुए दिवंगत छात्र प्रखर सिंह के प्रति गहरा शोक व्यक्त किया गया। परिषद ने मांग की कि प्रखर सिंह के परिवार को उचित एवं सम्मानजनक आर्थिक मुआवजा तत्काल प्रदान किया जाए। साथ ही उनकी जमा की गई संपूर्ण शैक्षणिक फीस वापस की जाए। परिषद का कहना है कि यह केवल आर्थिक सहायता का विषय नहीं, बल्कि संस्थान की नैतिक जिम्मेदारी भी है। इस दौरान प्रांत सह मंत्री मयंक पासवान, गुंजन कुमार, आशुतोष तिवारी, उज्ज्वल शुक्ला, एल्विन कुमार सहित अन्य मौजूद रहे।

### कुरआने करीम का दौर मुकम्मल

**कानपुर।** रहीमनगर अजीतगंज में तरबीयह पब्लिक स्कूल के डायरेक्टर मौलाना मोहम्मद सालिम मिस्बाही ने तरावीह में कुरआने करीम का पहला दौर मुकम्मल किया। इस मुबारक मौके पर मौलाना अबरार अहमद हबीबी ने विचार रखे। सालिम मिस्बाही को मुबारकबाद दी गई। मौलाना हस्सान कादरी, कारी असलम बरकाती, मौलाना सय्यद अजीम, हाफिज आमिर अजहरी, हाफिज सिकंदर, जावेद मोहम्मद खान, मोहम्मद ईशान, अकील शानू पार्षद आदि मौजूद रहे।

# सीए फाइनल में नेंसी तिवारी सिटी टॉपर

## मेधावियों ने निरंतर पढ़ाई और सोशल मीडिया का बेहतर प्रयोग करने को कहा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** सीए फाइनल परीक्षा का परिणाम जारी हुआ। नेंसी तिवारी ने पूरे शहर में पहला स्थान हासिल किया है। आर्थिक चुनौतियों के बीच नेंसी की इस उपलब्धि को बड़ा मुकाम माना जा रहा है। मेधावियों ने अपनी सफलता के लिए निरंतर पढ़ाई और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के सकारात्मक प्रयोग को मान रहे हैं।

द इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स आफ इंडिया (आईसीएआई) ने जनवरी में आयोजित सीए फाइनल परीक्षा का परिणाम जारी कर दिया है। परिणाम के साथ ही ग्रुपवार सफलता प्रतिशत और टॉप तीन रैंकधारियों की सूची भी जारी की गई है। परीक्षा में शहर में बेहतर स्थान लाने वाले युवा फिलहाल ट्रेनिंग कर रहे हैं। उनका कहना है कि अब परिणाम आने के बाद वे नौकरी के लिए प्रयास करेंगे। नौकरी के लिए युवा दिल्ली, लखनऊ औरगुरुग्राम को अपनी पहली पसंद बता रहे हैं।

नेंसी तिवारी।

### ट्रक ड्राइवर की बेटी ने किया कमाल

■ सीए परीक्षा में शहर की टॉपर बनी नेंसी तिवारी ने आर्थिक कमजोरी के बावजूद बड़ा मुकाम हासिल किया है। नेंसी ने बताया कि उनके पिता अनूप तिवारी एक ट्रक ड्राइवर हैं। वे खुद आर्थिक तंगी की वजह से बीएससी के बाद अपनी पढाई नहीं कर सके थे। ऐसे में अपनी दोनों बेटियों और बेटे की पढ़ाई के लिए गांव का मकान छोड़कर शहर आकर बसे। आर्थिक कमजोरी के चलते उन्होंने छह में से तीन विषयों की ही कोचिंग की। अन्य सब्जेक्ट उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म से निशुल्क वीडियो के जरिए पूरे किए। सफलता का श्रेय वह अपने पिता के साथ ही मां नेहा तिवारी को देती हैं।

### जेआरएफ टॉपर बनीं सौम्या

■ **कानपुर।** यूजीसी नेट में शहर की सौम्या यादव जेआरएफ टॉपर बनीं। उन्होंने 99 .69 परसेंटाइल स्कोर प्राप्त किया। गीता नगर में रहने वाली सौम्या के पिता अमरनाथ यादव बिजनेसमैन हैं और मां रीता यादव गृहिणी हैं। सौम्या ने दिल्ली पब्लिक स्कूल, कल्याणपुर से 10वीं व 12वीं परीक्षा पास करने के बाद दिल्ली विश्वविद्यालय के लेडी श्रीराम कॉलेज से स्नातक की पढ़ाई की है।

सौम्या।

**99.69**
परसेंटाइल स्कोर है सौम्या का

**03**
विषयों की ही कोचिंग ली नेंसी तिवारी ने

सुबोध गुप्ता।

### निरंतर पढ़ाई सफलता की कुंजी

■ सीए परीक्षा परिणाम में शहर में दूसरे स्थान पर रहे सुबोध गुप्ता ने अपनी सफलता के लिए निरंतरता पढ़ाई को जरूरी बताया। नौबस्ता बसंत विहार में रहने वाले सुबोध के पिता संदीप गुप्ता एक व्यवसाई हैं। उनकी मां सुरक्षा गुप्ता गृहणी हैं। उन्होंने कहा कि सीए का पाठ्यक्रम काफी बड़ा होता है। इस स्थिति में पढ़ाई में निरंतरता बहुत जरूरी है। उन्होंने बताया कि अब वे एमबीए करना चाहते हैं। इसकी तैयारी भी उन्होंने शुरू कर दी। वे खुद को फाइनेंस सेक्टर में एक बड़ा अधिकारी बनना देखना चाहते हैं।

पिता के साथ यश। अमृत विचार

### पहले जॉब फिर प्रैक्टिस

■ परीक्षा परिणामों में शहर में तीसरा स्थान लाने वाले यश अग्रवाल सीए बनने के बाद पहले 5 साल प्राइवेट कंपनी मे नौकरी करना चाहते हैं। उन्होंने नौकरी करने के बाद वे अनुभव हासिल करेंगे। इसके लगभग 5 साल बाद शहर में ही अपनी प्रैक्टिस शुरू करेंगे। गुमटी निवासी यश के पिता आशू अग्रवाल एक व्यापारी व मां सरिता अग्रवाल गृहणी हैं। उन्होंने ऐसे युवा जो सीए की तैयारी कर रहे हैं परीक्षा के लिए वे कोचिंग के संस्थान के अलावा पाठ्यक्रम में अपनी भी समस्याएं खुद बनाकर उनका निराकरण करे। इसके अलावा पढ़ाई में रोजाना 8 से 10 घंटा देना जरूरी है।

# छात्रवृत्ति परीक्षा में दयालपुर स्कूल के 12 बच्चे चयनित

संवाददाता, चौबेपुर

देव कुमार।

समर।

**अमृत विचार।** रविवार को घोषित हुए राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा परिणाम में ब्लॉक क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय दयालपुर के सर्वाधिक 12 बच्चों ने सफलता हासिल की। चयनित बच्चों को कक्षा 9 से 12 तक की पढ़ाई के लिए प्रतिवर्ष 12000 रुपये की छात्रवृति मिलेगी।

आर्थिक रूप से कमजोर मेधावी छात्रों को कक्षा 8 के बाद पढ़ाई जारी रखने के उद्देश्य से राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति योजना परीक्षा आयोजित की जा रही है। परीक्षा में सरकारी, सरकारी सहायता प्राप्त अथवा स्थानीय निकाय के विद्यालयों के वे बच्चे प्रतिभाग कर सकते हैं ,जो आठवीं कक्षा में पढ़ रहे हों, और सातवीं कक्षा में उन्होंने 55 फीसदी अंक अर्जित किए हों। आरक्षित बच्चों को पांच प्रतिशत की अतिरिक्त छूट दी जाती है। रविवार को घोषित हुए परीक्षा परिणाम में ब्लॉक क्षेत्र के पूर्व माध्यमिक विद्यालय दयालपुर

● **मंडल में सर्वाधिक चयनित बच्चों वाला विद्यालय बना यूपीएस**

के 12 बच्चों ने सफलता हासिल की। जिसमें देव कुमार की जनपद में 5वीं व समर की 17वीं रैंक आई है। प्रधानाध्यापक अब्दुल मजीद सिद्दीकी ने बताया कि बच्चों की सफलता में प्रेरणा साथी अभिषेक का विशेष योगदान रहा। विद्यालय कानपुर मंडल में सर्वाधिक चयनित बच्चों वाला विद्यालय बना। वहीं खंड शिक्षा अधिकारी कुंवर आनंद पटेल ने बताया कि उक्त परीक्षा आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों के मेधावी बच्चों को उनकी माध्यमिक शिक्षा पूरी करने के लिए सहायता प्रदान करती है। उन्होंने यू पी एस दयालपुर के बच्चों की सफलता पर हर्ष व्यक्त किया।

# शराब की दुकानों के ताले व शटर तोड़कर चोरी

संवाददाता, चौबेपुर

**अमृत विचार।** क्षेत्र के गौरी भगवंतपुर मार्ग स्थित अंग्रेजी व देशी शराब की दुकानों के ताले व शटर तोड़कर रविवार रात चोरों ने 15 पेटी शराब समेत करीब डेढ़ लाख की नकदी पार कर दी। दुकान मालिकों को घटना की जानकारी सुबह हुई। सूचना पर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। डॉग स्क्वाड को भी बुलाया गया। तमाम छानबीन के बावजूद चोरों का कोई सुराग हाथ नहीं लग सका।

लाल बंगला, कानपुर नगर निवासी अवधेश कुमार यादव की क्षेत्र के बेला मार्ग से जुड़े गौरी भगवंतपुर मार्ग पर अंग्रेजी शराब व बियर की कंपोजिट दुकान है। इसी के ठीक बगल में रामनगर, शिवली, कानपुर देहात निवासी वतनराज अग्निहोत्री की देशी शराब की दुकान है। बताया गया है कि रोजाना की तरह रविवार रात भी दोनों दुकानों के सेल्स मैन दुकान बंद कर घर चले गए। तभी देर रात मौका पाकर चोरों ने दुकानों के ताले व शटर तोड़ दिए, और अंग्रेजी शराब की दुकान से 7 पेटी शराब व गोलक में पड़े 72 हजार रुपये पार कर दिये। इसी तरह देशी शराब की दुकान से 8 पेटी शराब व 60 हजार की

चोरी के बाद लगी भीड़। अमृत विचार

● **क्षेत्र के गौरी भगवंतपुर मार्ग स्थित दुकानों में हुई घटना**

नकदी पार कर दी। इसके अतिरिक्त कैंटीन की गोलक में पड़े 2 हजार रुपये व करीब चार दर्जन सिगरेट की डिब्बियां पार कर दीं। इस दौरान अंग्रेजी शराब की दुकान में लगे सीसी टीवी कैमरे तोड़कर चोर डीवीआर भी ले गए।

घटना की जानकारी दुकान सेल्समैन को सुबह ग्रामीणों द्वारा दी गई। इसके बाद मामले की सूचना थाना पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने आसपास जांच पड़ताल की। डॉग स्क्वायड भी बुलाया गया। खोजी कुत्ता मकानपुरवा रोड तक जाकर रुक गया। प्रभारी निरीक्षक दुर्गेश मिश्रा ने बताया कि आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज देखी जा रही है। जल्द ही चोरों का पता लग जायेगा।

## होली की मस्ती में युवतियों की टोली

लाल, हरा, पीला, नारंगी, गुलाबी रंगों का त्यौहार होली उमंग, मुस्कान, खुशियों, सद्भाव और प्रेम से भरा है। सोमवार को होलिका दहन से पूर्व फूलबाग मैदान में युवतियों की टोली पिंकी गुप्ता, प्रियांशी सोनी, प्रिया गुप्ता, रितिमा साहू, रितु गुरुंग, अराधना केसरवानी, पलक कश्यप ने विभिन्न रंगों और गुलाल से होली खेलकर जम कर मस्ती की। यह आयोजन एलॉट डांस एकेडमी के निदेशक अतुल ने प्रशिक्षित नृत्य छात्राओं के लिए आयोजित किया। ● मनोज तिवारी

# घर में आग लगने से लाखों का नुकसान

संवाददाता , शिवराजपुर

**अमृत विचार।** क्षेत्र के रामपुर गांव के मजरा लक्ष्मणपुर में सोमवार दोपहर के समय घर में अचानक आग लग गई। इस आग में ट्रैक्टर ट्राली थ्रेसर एवं बकरियां जलने के साथ एक युवती भी झुलस गई। सूचना पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने आग पर काबू पाया। वहीं एसडीएम बिल्हौर ने मौके पर पहुंच कर नुकसान का आकलन किया।

सोमवार को दोपहर लक्ष्मणपुर गांव में जीवन लाल के घर में आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। आग का विकराल रूप देखकर लोग बाल्टियों से पानी लेकर आग बुझाने लगे। वहीं जानकारी पर पहुंची फायर ब्रिगेड ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक उनका ट्रैक्टर ट्राली ,थ्रेसर आदि जल गए। वहीं उनकी भैंस भी आग में बुरी तरह झुलस गई। साथ ही उनकी लड़की शिखा भी आग बुझाने के प्रयास में झुलस गई। इसके साथ ही राम कुमार कमल के घर में रखें गेहूं , धान एवं तीन बकरियां जल गईं। वहीं शिव मोहन के घर में रखा गेहूं व धान भी जल गया। जानकारी के अनुसार घर में छप्पर रखा होने के कारण आग ने विकराल रूप धारण कर लिया। इसके चलते काफी मात्रा में नुकसान हुआ है। सूचना के बाद एसडीएम बिल्हौर संजीव कुमार दीक्षित राजस्व विभाग के अधिकारियों के साथ मौके पर पहुंचे।

मौके पर निरीक्षण करते अधिकारी। अमृत विचार

# होली पर दोपहर ढाई बजे से होगा मेट्रो का संचालन

**कानपुर।** होली के मौके पर बुधवार को मेट्रो का संचालन दोपहर ढाई बजे से रात 10 बजे तक होगा। गुरुवार को मेट्रो का संचालन सुबह छह बजे से रात को दस बजे तक आम दिनों की तरह ही किया जाएगा।

बुधवार सुबह छह बजे से दोपहर दो बजे तक अधिक रंग चलने की वजह से मेट्रो का संचालन समय बदला गया है। आईआईटी कानपुर से कानपुर सेंट्रल तक दोपहर ढाई बजे से रात 10 बजे तक शहरवासी मेट्रो से सफर कर सकते हैं। कानपुर मेट्रो के जनसंपर्क अधिकारी पचानन मिश्रा के मुताबिक समय में बदलाव इसलिए किया गया है कि मेट्रो कर्मी भी परिवार के साथ होली का त्योहार मना सकें।

# होली मिलन पर बही हास्य रस की फुहार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** बारदाना व्यापार मंडल कानपुर की ओर से सोमवार को होली मिलन समारोह आयोजित हुआ। इस दौरान व्यापारियों ने एक दूसरे को होली की बधाई दी। समारोह में हास्य रस की कविताओं ने सभी का मन उत्साह से भर दिया। कार्यक्रम में गुलाल लगाकर सभी का स्वागत किया गया।

होली मिलन समारोह में राष्ट्रीय कवि राधेश्याम मिश्रा की अगवाई में हास्य कवि सम्मेलन हुआ। कार्यक्रम में राधा कृष्ण एवं भगवान शंकर पार्वती की झांकियों ने सभी का मन मोह लिया। गणेश एवं सुदामा चरित्र का प्रसंग प्रस्तुत किया गया। व्यापारियों के बीच फूलों की होली भी आयोजित हुई। मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष मुकुंद मिश्रा एमएलसी सलिल बिश्नोई, विधायक अमिताभ बाजपेई, अध्यक्ष महेंद्र गुप्ता महामंत्री संतोष शर्मा कोषाध्यक्ष सीताराम गुप्ता, रामेश्वर गुप्ता लाला भैया, राकेश सिंह अचल गुप्ता, विनीत गुप्ता, शिव प्रकाश गुप्ता, राकेश साहू, सीताराम गुप्ता व संतोष शर्मा सुनील बजाज कृपा शंकर त्रिवेदी मौजूद रहे।

अतिथियों का स्वागत किया गया। अमृत विचार

● **बारदाना व्यापार मंडल की ओर से हुआ होली मिलन समारोह**

### लगाया गुलाल

■ कानपुर सर्राफा कमेटी एवं कानपुर महानगर सर्राफा एसोसिएशन की ओर से सोमवार को होली मिलन समारोह आयोजित किया गया। नयागंज सर्राफा बाजार में हुए रंगारंग होली मिलन समारोह में शहर के सभी संबद्ध सराफा कमेटियों के पदाधिकारी और व्यवसाई शामिल हुए। कार्यक्रम में एक दूसरे को गुलाल लगाकर होली की बधाई दी। कार्यक्रम में कानपुर महानगर सराफा एसोसिएशन के अध्यक्ष पंकज अरोरा, महामंत्री अशोक बाजपेई, रामनिवास रस्तोगी, शरद बाजपेई, सत्येंद्र वर्मा, मनींद्र सोनी, दुर्गा केसरवानी, प्रमोद शर्मा, विशाल अग्रवाल, अजय तिवारी सहित अन्य मौजूद रहे।

**समस्या** सेंट्रल स्टेशन पर हजारों यात्रियों की भीड़, ट्रेनों पर चढ़ने की होड़

# स्टेशन पर भीड़ से व्यवस्था चरमराई, ट्रेनों पर कब्जा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** होली पर सेंट्रल स्टेशन पर हजारों यात्रियों की भीड़ के चलते सुरक्षा की सारी व्यवस्थाएं चरमरा गईं। लंबी दूरी की ट्रेनों विशेषकर बिहार, गोरखपुर की ओर जाने वाली ट्रेनों के आरक्षण कोच में जबरन यात्री कब्जा किये रहे।

सोमवार को होली पर घर जाने के लिए भारी भीड़ उमड़ पड़ी। शाम को हजारों परिवारों ने स्टेशन पर भीड़ देखकर बस अअड्डा की ओर रुख किया। सेंट्रल स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर 4,5,6,7 पर यात्रियों की भारी भीड़ रही। कानपुर से प्रतापगढ़ जाने वाली इंटरसिटी एक्सप्रेस में सीट पर बैठने के लिए मारपीट हुई।

इसी प्रकार लखनऊ से जबलपुर जा रही चित्रकूट एक्सप्रेस में भी सीट पर बैठने के लिए झड़प हुई। आगरा इंटरसिटी में भी मारामारी की नौबत रही। महानंदा एक्सप्रेस, कालका, नेता जी एक्सप्रेस, गोमती एक्सप्रेस, मरुधर, जियारत एक्सप्रेस, ब्रह्मपुत्र एक्सप्रेस, मुंबई से गोरखपुर जा रही कुशी नगर एक्सप्रेस, प्रयागराज जा रही ऊंचाहार एक्सप्रेस के फर्श तक यात्री बैठकर जाने को मजबूर हैं।

साबरमती एक्सप्रेस, नीलांचल एक्सप्रेस, एनई एक्सप्रेस आदि ट्रेनें जो लंबी दूरी की हैं, उनकी प्रतीक्षा सूची भी बंद होने के कारण हजारों यात्री अपने परिवार के साथ फर्श पर बैठकर यात्रा करने को मजबूर हैं।

सेंट्रल स्टेशन पर उमड़ी भीड़। अमृत विचार

● **नई दिल्ली, मुंबई, हैदराबाद, अहमदाबाद की ट्रेनों का बुरा हाल**

### 500 विशेष बसें फुल 25 रिजर्व

■ होली के मौके पर उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम ने 500 से अधिक विशेष बसें संचालित की है, इन बसों का संचालन सुचारु रुप से चलता रहे, इसके लिए परिवहन ने अपने अधिकारियों, कर्मियों, चालकों, परिचालकों एवं तकनीकी कर्मियों की छुट्टियां रद कर दी हैं। शहीद मेजर सलमान खान अंतर्राज्यीय झकरकटी बस अड्डे के बाहर बसों की भारी संख्या में जमावड़ा के चलते जबरदस्त जाम लगा रहा। हालांकि हजारों की संख्या में यात्री मौजूद रहे। इसी प्रकार कानपुर एयरपोर्ट से उड़ान भरने वाले विमान हैदराबाद, बेंगलुरु, दिल्ली, मुंबई फुल चल रहे हैं। इनका किराया भी कई गुना बढ़ गया है।

# खनन माफिया की जेसीबी, डंपर कार जब्त, एफआईआर दर्ज की

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

**अमृत विचार।** नरवल स्थित बरईगढ़ झील और रिंद नदी के किनारे अवैध खनन को लेकर खनन माफिया के खिलाफ साढ़ थाना में एफआईआर दर्ज कराई गई है। पुलिस ने मौके से कई जेबीसी, कार और डंपर को जब्त कर लिया है। क्षेत्र के लेखपाल की भूमिका को संदिग्ध मानते हुए तहसीलदार ने कारण बताओ नोटिस जारी किया है।

सोमवार को थाना साढ़ में तहसील नर्वल के अन्तर्गत आने वाले ग्राम जरकला के लेखपाल वरुण कुमार सिंह ने थाना में मुकदमा दर्ज कराया है कि उनके क्षेत्र ग्राम जरकला की आराजी संख्या 832 रकबा 1.075 हेक्टेयर ऊसर के नाम दर्ज अभिलेख है। इस आराजी संख्या के जुज भाग अनुमानित 1485 घन मीटर व आराजी संख्या 826 क रकबा 1.629 हेक्टेयर जलाने की लकड़ी सरकारी अभिलेख दर्ज है। इसके जुज भाग पर अनुमानित 1698 घन मीटर मिट्टी 28 फरवरी की रात में अवैध खनन किया गया है। रविवार रात 2 मार्च को दुबारा अवैध मिट्टी का खनन होने की जानकारी मिली तो राजस्व निरीक्षक पाली (नंदलाल सिंह) को सूचना दी गई। घटना की जानकारी थाना प्रभारी सेन पश्चिमपारा को दी दी गई। चौकी प्रभारी कोरिया उप निरीक्षक समर सिंह की टीम द्वारा मौके से 2 जेसीबी, कई डंपर को कब्जे में लिया गया। जेसीबी एवं डंपर चालकों एवं वाहन स्वामियों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज किया गया है। बताते चलें कि शिकायत मिली थी कि अवैध खनन चल रहा है, जिसपर एसीपी घाटमपुर खनन अधिकारी द्वारा तहसीलदार नरवल के साथ शिकायतकर्ता की मौजूदगी में जांच की गई और 23 फरवरी को जांच रिपोर्ट अधिकारियों को भेजी गई।

जांच में खनन झील के अंदर के बजाय उसके किनारे स्थित निजी भूमि और कुछ बीच में पड़ने वाली ग्राम सभा भूमि में पाया गया है। थाना साढ़ में मुकदमा पंजीकृत कराया गया है। संबंधित लेखपाल को कारण बताओ नोटिस भेजी गई है और लेखपाल की भूमिका की जांच की जा रही है।

पुलिस द्वारा जब्त की गई जेसीबी।

● **साढ़ थाना में खनन माफिया के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया**
● **बरईगढ़ झील व रिंद नदी के किनारे खनन की शिकायत**

न्यूज ब्रीफ

योग कराते योगाचार्य। ● अमृत विचार

## आयुष मंत्रालय का योग प्रोटोकॉल सिखाया

**उन्नाव, अमृत विचार :** पतंजलि युवा भारत द्वारा पुरवा बसहा तिराहा मौरावां में आयोजित तीन दिवसीय योग शिविर के दूसरे दिन युवा भारत संरक्षक डॉ. बिंदेशरूप यादव, ग्राम प्रधान मुरैता मनोज सिंह ने दूसरे दिन का योग शिविर का शुभारंभ किया। इस दौरान योगाचार्य राम प्रकाश द्विवेदी, योग प्रशिक्षक भरत कुमार, अशोक, डॉ. बीएम लोधी आदि ने सूर्य नमस्कार व आयुष मंत्रालय का योग प्रोटोकॉल का अभ्यास कराया गया।

## धनुष यज्ञ कार्यक्रम हुआ संपन्न

**उन्नाव, अमृत विचार :** अचलगंज नगर पंचायत क्षेत्र के बलऊ खेड़ा स्थित महादेव मंदिर परिसर में रविवार रात धनुष यज्ञ का आयोजन हुआ। इसमें कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का कौशल दिखाकर दर्शकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। जनक विलाप, रावण बाणासुर संवाद व लक्ष्मण परशुराम के बीच हुए तीखे व कटाक्ष युक्त प्रश्नोत्तर सुन दर्शन तालियां बजाकर कलाकारों का उत्साहवर्धन करते रहे। मंचन सोमवार सुबह तक चलता रहा। इसके पूर्व मंदिर में पूजन अर्चन संपन्न हुआ। लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

# लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर दोहरे हादसे में 3 की मौत, 31 घायल

### खड़े ट्रक में दो बार भिड़ीं रोडवेज बसें, बस चालक के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज, देर रात बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के सिरधरपुर गांव के सामने हुई घटना

संवाददाता बांगरमऊ/उन्नाव

**अमृत विचार:** लखनऊ-आगरा एक्सप्रेस-वे पर रविवार देररात बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के सिरधरपुर गांव के सामने दोहरे सड़क हादसे में तीन यात्रियों की मौत हो गई। जबकि दो रोडवेज बसों में सवार 31 यात्री घायल हो गए। घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी लाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद 12 को जिला अस्पताल भेजा गया। हादसे के बाद सवारियों में चीख पुकार मची रही। हादसे में मृत दो युवकों की पहचान कराकर पुलिस ने शव उनके परिजनों को सौंप दिए। वहीं, तीसरे की पहचान अभी नहीं हो सकी है। एआरएम ने हादसे के बाद भागे बस चालक पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

बता दें कि रविवार देररात करीब 12 बजे किमी संख्या-226 पर रामदाना लदा एक ट्रक सड़क घेरकर खड़ा था। तभी पीछे से आई आगरा फोर्ट डिपो की रोडवेज बस ट्रक से टकरा गई। इसमें बस सवार 14 यात्री चोटहिल हो गए। जिन्हें पुलिस व यूपीडा कर्मियों ने रेस्क्यू कर एम्बुलेंसों से सीएचसी भेजा। हादसे से एक्सप्रेस-वे पर एक लेन में वाहनों की रफ्तार थम गई। यूपीडा कर्मियों ने हाइड्रा मंगाकर क्षतिग्रस्त वाहनों को हटाने का काम शुरू किया। रात करीब 3 बजे ट्रक को हटाकर प्रीतमपुर चौकी की ओर ले जाया जा रहा था। तभी मथुरा डिपो की दूसरी रोडवेज बस भी उसी ट्रक में पीछे से टकरा गई। चालक को झपकी लगने से हुए हादसे से यात्रियों में चीख पुकार मच गई। इस बस के घायल 20 यात्रियों को रेस्क्यू कर सीएचसी भेजा गया। जिसमें तीन को डॉक्टर ने मृत घोषित कर दिया। हादसे में जान गंवाने वालों में कासगंज जिला व कस्बा निवासी सौरभ (35) पुत्र सुदर्शन सैनी लखनऊ में एक दवा कंपनी ने खरीद-बिक्री का काम देखते थे। शनिवार को वह वृंदावन से दर्शन कर कंपनी लौट रहे थे। चाचा अजय ने बताया कि उसकी मौत की खबर से पत्नी रुचि व मां मिथलेश बेहाल हैं। वह दो भाइयों में बड़े थे। छोटा भाई हेमंत दिल्ली में नौकरी करता है। भाई की मौत की खबर पर वह घर लौट रहा है। वहीं दूसरे मृत युवक की पहचान मुकेश (20) पुत्र रामशंकर लोधी निवासी तेवल पुरवा थाना रऊसा जिला सीतापुर के रूप में हुई। बड़े भाई राकेश ने बताया कि वह राजस्थान से मजदूरी कर होली पर घर लौट रहा था। उसकी मौत से मां गीता देवी सदमे में है। कोतवाल अखिलेश चंद्र पांडेय ने बताया कि ट्रक सड़क किनारे खड़ा था। प्रथम दृष्टया चालकों को झपकी आने की आशंका है। मृतक मथुरा डिपो की बस के यात्री हैं। दो शवों का पोस्टमार्टम कराया जा चुका है। मथुरा डिपो का चालक घटना के बाद भाग गया था। एआरएम रोडवेज गिरीशचंद्र वर्मा ने चालक अनिल पर रिपोर्ट दर्ज कराई है।

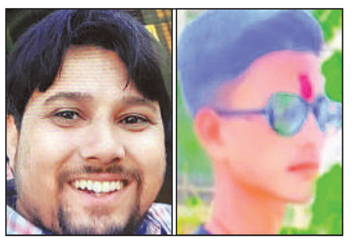
सौरभ व मुकेश की फाइल फोटो।

क्षतिग्रस्त हुई बस। ● अमृत विचार

## जिला अस्पताल पहुंचीं ये सवारियां, एक का मोबाइल भी चोरी

**उन्नाव :** जिला अस्पताल लाई गई सवारियों में वंदना शर्मा, सुमित्रा, रमेश, सुनील, अजय सिंह, तारादेवी, हर्षित पाल, राजीव कुमार, सहदेव, शारदा व दयाशंकर शामिल हैं। 11 में 8 लोगों ने छुट्टी करा ली। तारदेवी को कानपुर रेफर किया गया। सुनील व रमेश का इलाज चल रहा है। पीड़ित सुनील ने बताया कि रात 12 बजे हुई घटना में वह घायल हुए थे। जिला अस्पताल आने तक उनका मोबाइल बंद हो गया। उसे चार्जिंग के लिए लगाया था। रात में वह चोरी हो गया।

## आगरा फोर्ट डिपो की रोडवेज बस में ये हुए घायल

1. वंदना साहनी (25) पुत्री ठगई साहनी अहिरौली बाजार कुशीनगर।
2. रमेश (45) पुत्र शिवपूजन निवासी खंडारा थाना करीमुद्दीनपुर जिला गाजीपुर।
3. अनीता साहनी (32) पत्नी मंगेश साहनी निवासी कुशीनगर गोरखपुर।
4. सुशील (34) पुत्र रामजीलाल निवासी बालाजी नगर एत्माद्दौला आगरा।
5. राजाराम (45) पुत्र गोपालराय निवासी धवोविया थाना कसेमार जिला दरभंगा।
6. सुनील (45) पुत्र कमलेश निवासी अमीनाबाद लखनऊ।
7. रुद्र (4) पुत्र राजकुमार निवासी सिद्धार्थ नगर।
8. सुमित्रा (26) पत्नी राजकुमार निवासी सिद्धार्थ नगर।
9. अनन्या (22) पुत्री मंगेश साहनी अहिरौली बाजार कुशीनगर।
10. अवधेश (35) पुत्र रामनरेश करौली बालाघाट गोरखपुर।
11. तारादेवी (30)पत्नी नागेन्द्र निवासी कोठरा अहिरौली कुशीनगर।
12. सरस्वती (45) पत्नी ठगाई साहनी कोठरा अहिरौली कुशीनगर।
13. शाहरुख (28) पुत्र इस्माइल निवासी किशोरपुर जगदीशपुर।
14. धीर सिंह (26) पुत्र विनोद कुमार निवासी गुरसहायगंज कन्नौज।

## मथुरा डिपो की रोडवेज बस में ये हुए घायल

15. सहदेव (65) पुत्र दलसिंह जैदपुर मथुरा।
16. हर्षित पाल (18) पुत्र राजीव पाल निवासी गंहोली थाना महोली सीतापुर।
17. सचिन (18) पुत्र सुरेश पाल निवासी चकबिजपूरी थाना वैष्णवगंज लखीमपुर खीरी।
18. राजीव कुमार (25) पुत्र मुन्नालाल निवासी लखीमपुर खीरी।
19. अजय (16) पुत्र देशराज सिंह निवासी गांव पडरी थाना रोसा सीतापुर।
20. प्रियंका (34) पत्नी संजीव चौहान निवासी वृंदावन तेलीबाग लखनऊ।
21. शारदा (65) पत्नी जयसिंह निवासी वृंदावन तेलीबाग लखनऊ।
22. दयाशंकर (45) पुत्र नवल किशोर निवासी मोतीपुर खीरी लखीमपुर।
23. आशीष (30) पुत्र लाल बहादुर साहू निवासी चौमुडा मथुरा।
24. अजय (20) पुत्र हरिओम निवासी महमूदाबाद सीतापुर।
25. दिनेश (27) पुत्र भगौती प्रसाद निवासी आर्सेना महमूदाबाद सीतापुर।
26. मिथलेश (28) पुत्र शत्रुघ्न निवासी आसोना महमूदाबाद सीतापुर।
27. रजनीश(26) पुत्र रामलखन निवासी आर्सेना महमूदाबाद सीतापुर।
28. सर्वेश (28) पत्नी शैलेन्द्र चौहान निवासी वृंदावन थाना जैत मथुरा।
29. शैलेन्द्र (30) पुत्र सहदेव सिंह, निवासी वृंदावन थाना जैत मथुरा।
30. अनामिका (45) पुत्री गिरधारीलाल निवासी महादेवा थाना नवाबगंज बहराइच।
31. तारा देवी( 45) पत्नी शिवप्रकाश, हिलौली मौरावां उन्नाव।

## अनियंत्रित कार खाई में गिरी, चार घायल

मौके पर जांच करती पुलिस।

**शुक्लागंज, उन्नाव :** गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के बैराज मार्ग पर रविवार देर रात एक अनियंत्रित कार 10 फीट गहरी खाई में जा गिरी। जिससे कार सवार एक ही परिवार के 4 लोग घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने सभी को बाहर निकालकर उपचार के लिए भेजा। शंकरपुर सरायं निवासी अंकित गुप्ता अपनी पत्नी रिया, बेटी रान्या व बहन गायत्री के साथ शुक्लागंज में एक मांगलिक कार्यक्रम में शामिल होने आए थे। देररात लौटते समय बैराज मार्ग स्थित पोल संख्या 1730 के पास अचानक कार अनियंत्रित हो गई और सड़क से नीचे खाई में जा गिरी। गनीमत रही कि कार नीचे खड़े एक पेड़ से टकराकर रुक गई। इससे बड़ा हादसा टल गया। दुर्घटना में सभी को चोटें आईं। जबकि रिया को गंभीर चोट लगने पर परिजनों ने उसे कानपुर के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया है।

## पति की मौत के चंद घंटे बाद पत्नी की सड़क हादसे में मौत

मुन्नी देवी

**उन्नाव :** बहन के घर गए बीमार अधेड़ की अचानक मौत हो गई। इसकी खबर पर बेटे के साथ जा रही पत्नी की भी सड़क हादसे में मौत हो गई। इस दोहरी त्रासदी की खबर से परिजनों में कोहराम मचा है। अस्पताल के मेमो पर पुलिस शव पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। पुरवा कोतवाली क्षेत्र के मदारपुर गांव निवासी अमित यादव सोमवार दोपहर अपनी मां मुन्नी देवी (55) पत्नी हेमचंद्र उर्फ पुत्तन लेकर बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के देवान कटरी गांव निवासी बुआ रामवती के घर जा रहा था। तभी कोतवाली क्षेत्र के बीघापुर मार्ग पर काजी खेड़ा गांव के सामने पीछे से आए अज्ञात लोडर ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। इससे मां-बेटा सड़क पर गिरकर घायल हो गए। लोगों ने उन्हें पुरवा सीएचसी पहुंचाया। जहां डॉक्टर आदर्श सचान ने मुन्नी को मृत घोषित कर दिया। वहीं बेटे को प्राथमिक इलाज के बाद डॉक्टर ने स्वस्थ्य बताया। बेटे अमित के मुताबिक उसके पिता हेमचंद्र उर्फ पुत्तन (58) बीते कई महीनों से बीमार चल रहे थे। रविवार को वह उन्नाव दवा लेने आए थे। जहां से वह देवान कटरी गांव निवासी बहन रामवती के घर चले गए। सोमवार सुबह साढ़े आठ बजे पिता की मौत हो गई। इसकी खबर से वह मां को लेकर बुआ के घर जा रहा था तभी हादसा हो गया। माता-पिता की मौत से बेटे अमित, अंकित व बेटी मोना रो-रोकर बेहाल हैं। कोतवाली प्रभारी ने बताया कि तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई होगी।

## नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष सुरंश का हुआ स्वागत

नवनियुक्त मंडल अध्यक्ष का किया गया स्वागत।

**शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार :** भाजपा के नवनियुक्त गंगाघाट मंडल अध्यक्ष सुरंश चंद्र शुक्ला का रविवार को पोनी रोड से राजमार्ग तक एक दर्जन स्थानों पर कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत व ढोल-नगाड़ों व फूल-मालाओं के साथ उनका अभिनंदन किया। इसके बाद राजमार्ग स्थित एक गेस्ट हाउस में सम्मान व स्वागत समारोह हुआ। कार्यक्रम में भाजपा जिलाध्यक्ष अनुराग अवस्थी, सदर विधायक पंकज गुप्ता, पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडे, सांसद प्रतिनिधि अमितेश सिंह नंदू, विकास मिश्रा, विनय तिवारी व देवेंद्र पटेल रहे। वहीं सूर्यकुमार बाजपेई, केडी त्रिवेदी, मोहनलाल शर्मा, अंकुर शुक्ला, गोल्डी गुप्ता, रुद्राक्ष मिश्रा, चंद्रकांति सिंह, अमरेंद्र गुप्ता, विशाल त्रिपाठी उर्फ बिल्लू, प्रद्युम्न मिश्रा, नीलकमल दीक्षित, विजय तिवारी, राकेश बाजपेई, अभिषेक शुक्ला, जय सिंह, दुर्गा तिवारी, कल्पना तिवारी, सरिता सिंह, प्रियंका शुक्ला, राधा व कमलेश सिंह मौजूद रहे। सभी ने मंडल अध्यक्ष को बधाई देते हुए संगठन को मजबूत बनाने का संकल्प लिया।

सीओ सफीपुर से जानकारी लेते डीएम व एसएसपी। ● अमृत विचार

## सफीपुर में डीएम-एसएसपी ने किया पैदल मार्च

**सफीपुर उन्नाव, अमृत विचार :** होली, रमजान व ई पर्व को देखते हुए डीएम गौरांग राठी एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने सोमवार को उन्नाव-हरदोई मार्ग से फोर्स के साथ पैदल मार्च कर एक दर्जन मोहल्लों व संवेदनशील स्थलों का निरीक्षण किया। इस दौरान राधा कृष्ण मंदिर स्थित होलिका दहन स्थल के ऊपर से गुजर रहे बिजली के तारों को तत्काल हटाने के निर्देश विद्युत विभाग को दिए। इसके बाद मोटेश्वर मंदिर होते हुए मोहल्ला उम्मेदाराय बाजार के होलिका दहन स्थल पहुंचे। अफसरों ने मोहल्ला सैय्यदवाड़ा व पीरजादगान पहुंचे मोहल्ला की मस्जिदों व आसपास मार्गों की स्थिति देखी। डीएम ने कहा कि त्योहार आपसी सौहार्द व भाईचारे का प्रतीक हैं। कुछ अराजकतत्व माहौल बिगाड़ने का प्रयास करते हैं। ऐसे लोगों पर प्रशासन की कड़ी नजर रहेगी। निर्देश दिए कि सभी संवेदनशील स्थलों पर विशेष सतर्कता बरती जाए। इसमें लापरवाही न हो। रूट मार्च में एडीएम सुशील कुमार, आईपीएस संचित शर्मा, एसडीएम शिवेंद्र वर्मा, सीओ सोनम सिंह, तहसीलदार देवेंद्र यादव, कोतवाली प्रभारी एसएन त्रिपाठी भी रहे।

## शांतिपूर्वक होली व रमजान मनाने की अपील की

**गंजमुरादाबाद उन्नाव, अमृत विचार :** होली व रमजान को शांतिपूर्ण संपन्न कराने के लिये प्रशासन चौकन्ना है। बीते वर्ष फाग जुलूस में हुए विवाद के चलते सोमवार को डीएम गौरांग राठी व एसएसपी जयप्रकाश सिंह ने गंजमुरादाबाद पुलिस चौकी में शांति बनाए रखने के चौकी प्रभारी को शख्त निर्देश दिए। बता दें कि बीते वर्ष फाग जुलूस के दौरान गाली-गलौज व फूहड़ता से संघर्ष की स्थिति बन गई थी। जिससे इस वर्ष के होली पर प्रशासन पूरी तरह चौकन्ना है। सोमवार दोपहर बाद चौकी पहुंचे डीएम व एसएसपी ने नगर के संभ्रांत नागरिकों से भेंटकर स्थिति की जानकारी ली और दोनों त्योहार शांतिपूर्ण ढंग से मनाने की अपील की। अधिकारियों ने होली जुलूस भ्रमण की गलियों व मुख्य स्थलों का जायजा लिया।

## मैसेज आते ही एटीएम की और दौड़े कर्मचारी

**उन्नाव, अमृत विचार :** शिक्षकों व कर्मचारियों को फरवरी का वेतन व पेंशन का मैसेज सोमवार दोपहर 2 बजे के बाद आना शुरू हुआ। मैसेज आते ही पैसा निकालने के लिए एटीएम में लंबी कतार लग गई और रुपए निकालने के बाद बाजार में होली की सामग्री खरीदने के लिए कर्मचारी दुकानों में पहुंचे। जिससे हर दुकान के सामने भीड़ लगी रही। बता दें कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फरवरी का वेतन व पेंशन 28 फरवरी तक देने के निर्देश दिए थे। मगर शनिवार को रिजर्व बैंक ऑफ़ इंडिया में अवकाश होने से शिक्षकों व कर्मचारियों के खातों में वेतन व पेंशन स्थानांतरित नहीं हो पाई थी। इससे 28 फरवरी को किसी को वेतन या पेंशन नहीं मिल पाई थी। सोमवार को रिजर्व बैंक खुलने से शिक्षक व कर्मचारियों के खातों में स्थानांतरण की कार्रवाई बैंक द्वारा की गई। इससे दोपहर बाद कर्मचारियों व पेंशन धारकों के खातों में जैसे ही धनराशि स्थानांतरित हुई वैसे ही उनके मोबाइल पर मैसेज आने लगा और सभी एटीएम पर लाइन लगाकर धनराशि निकालने पहुंच गए।

## कक्षा 9 की छात्रा ने फंदे से लटककर दी जान

**उन्नाव, अमृत विचार :** अजगैन कोतवाली क्षेत्र के दिरगखेड़ा गांव निवासी संध्या (15) पुत्री रंजीत कुमार नवाबगंज कस्बा के श्यामलाल इंटर कालेज में कक्षा 9 की छात्रा थी। बीते रविवार पिता मजदूरी करने गया था। वहीं मां शिव देवी लखनऊ के ताराखेड़ा गांव स्थित अपने मायके से मावा खरीदने गई थी। तभी घर में अकेली संध्या अपने कमरे में साड़ी के फंदे से पंखे के हुक से लटक गई। देरशाम पिता मजदूरी कर लौटा तो उसने बेटी को लटका देख शोर मचाया। पड़ोसियों की मदद से उसने शव नीचे उतरवाया। लेकिन तब तक उसकी मौत हो गई थी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच कर शव का पोस्टमार्टम कराया। जिसमें हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है। कोतवाली प्रभारी सुरेश सिंह ने बताया कि पिता ने बेटी को मानसिक बीमार बताया और इसी कारण से आत्महत्या करने की तहरीर दी है। परिजनों का कोई आरोप नहीं है।

# 14 छात्रों ने छात्रवृत्ति परीक्षा में मारी बाजी

परियर उन्नाव

**अमृत विचार:** विकासखंड सिकंदरपुर सरोसी के पीएम श्री मोमिनपुर कंपोजिट विद्यालय के विद्यार्थियों ने अपनी प्रतिभा का लोहा मनवाया है। राष्ट्रीय आय एवं योग्यता आधारित छात्रवृत्ति परीक्षा के घोषित परिणामों में विद्यालय के 14 छात्र-छात्राओं ने सफलता हासिल कर जिले का नाम रोशन किया है।

विद्यार्थियों ने अपनी मेहनत व लगन के बल पर जिले की मेरिट सूची में उच्च स्थान पाया है। शिवांशी व शगुन ने जिले में तीसरी रैंक लाकर विद्यालय को गौरवान्वित किया। दीपक (8वीं रैंक), तन्वी (14वीं), कमल (17वीं), आयुष (20वीं), आयुष सिंह (27वीं) व कपिल (30वीं रैंक) ने उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। अन्य सफल विद्यार्थियों में निधि (35वीं), पायल (43वीं), अनुराग व आकांक्षा (44वीं) ,मानसी व अंशिका (45वीं रैंक) शामिल रहीं। इस सफलता का श्रेय शिक्षक अवनीश चंद्र सिंह सेंगर व सारिका चतुर्वेदी के मार्गदर्शन व प्रेरणा को दिया गया। इस दौरान सहायक शिक्षक जितेंद्र गोयल ने अपनी ओर से बच्चों को नकद पुरस्कार देकर उत्साहवर्धन किया। प्रधान शिक्षक प्रदीप त्रिवेदी ने कहा कि ग्रामीण परिवेश के बच्चों की यह सफलता क्षेत्र के अन्य छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी। इसमें गंगा विष्णु, उजमा फातिमा, रीना देवी, प्रज्ञा, विनोद कुमार, अभिमन्यु, रमेश कुमार, दीपिका, गायत्री आदि मौजूद रहे।

बच्चों के साथ मौजूद शिक्षक। ● अमृत विचार

# रंगों की बौछार से गुलजार हुए बाजार

कार्यालय संवाददाता, उन्नाव

**अमृत विचार:** रंगों के महापर्व होली को लेकर जिने के बाजारों में सोमवार को रौनक देखी गई। सुबह से ही ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के लोग खरीदारी के लिए बाजारों में उमड़ पड़े। जिससे व्यापारियों के चेहरे खिल उठे। चिप्स, पापड़, खोया व नमकीन की दुकानों पर ग्राहकों की लंबी कतारें नजर आईं।

दोपहर एक बजे से ही शहर के सदर बाजार, धवन रोड व वीडी मार्केट में काफी भीड़ रही। बच्चों में रंग, गुलाल व नई डिजाइन की पिचकारियों को लेकर खासा उत्साह दिखा। वहीं, घरों में मेहमानों के स्वागत के लिए पारंपरिक व्यंजन गुझिया बनाने की तैयारी में महिलाओं ने खोया, मैदा व मेवों की खरीदारी की। कपड़ों के शोरूम व मॉल्स में भी खासी चहल-पहल रही। भीड़ बढ़ने से शहर की यातायात व्यवस्था चरमरा गई। छोटे चौराहे से बड़े चौराहे तक कई बार जाम की स्थिति बनी। दोपहिया व चौपहिया वाहनों की अधिकता के कारण लोगों को निकलने में मशक्कत करनी पड़ी। वहां तैनात पुलिस कर्मी पसीने बहाते हुए यातायात सुचारु करने में जुटे रहे। देररात तक चली इस खरीदारी ने स्थानीय व्यापारियों को बड़ी राहत दी है। फल मंडी से मिष्ठान भंडारों तक हर जगह ग्राहकों की मौजूदगी से व्यापार में उछाल देखा गया। व्यापारियों का कहना है कि शाम होते-होते भीड़ और बढ़ गई, जो देर रात तक जारी रही।

दुकान पर रंगों व पिचकारी की खरीदारी करते लोग। ● अमृत विचार

### होली पर सावधानी से खेलें रंग

होली पर लोग हरे, पीले, लाल रंग से सराबोर हो जाते हैं। चटख रंग लगने से लोग परेशान होते हैं। फिजीशियन डॉ. कौशलेंद्र प्रकाश ने बताया कि आखों में रंग व गुलाल जाने पर मले नहीं तुरंत साफ पानी से आंख धोएं। परेशानी बढ़े तो तुरंत डाक्टर से संपर्क करें। रंग खेलने से पहले शरीर पर बाडीलोशन, सरसों या गरी का तेज लगा लें। पूरी आस्तीन की शर्ट व पैंट पहनें। हर्बल रंगों का इस्तेमाल करें।

### महंगे दामों में बिके गन्ने

**शुक्लागंज :** होली पर गन्ने की पूजा करने का विशेष महत्व है। जिसे लेकर जगह-जगह गन्ने बिक रहे थे। जहां बाजार में 50 से 70 रुपये में गन्ने बिके। गन्नों के दाम बढ़ने से लोग मोलभाव करते दिखाई पड़े।

### होली पर खूब हुई खरीदारी

**शुक्लागंज :** होली पर बच्चों ने खूब खरीददारी की। बच्चों ने जहां स्पाइडरमैन, नर्तकी, टॉम एण्ड जेरी कार्टून, भूत, आदि के मुखौटे खरीदे। इसके अलावा नकली बिग भी खूब खरीदी गईं। इसे लेकर बाजारों में रौनक देखने को मिली। वहीं पिचकारी भी खूब बिकी।

### कान्हा के लिए आई नन्ही पिचकारी व बाल्टी

होली पर जिले में चारों ओर उत्साह है। जहां एक ओर लोग अपनों के लिए खरीदारी कर रहे हैं वहीं दूसरी ओर कान्हा के भक्तों में विशेष उत्साह है। शहर के प्रमुख बाजारों में लड्डू गोपाल के श्रृंगार व उनकी होली की तैयारियों के लिए श्रद्धालुओं की भीड़ रही। बाजारों में इस बार लड्डू गोपाल के लिए विशेष रूप से तैयार नन्ही पिचकारियां व बाल्टियां आकर्षण का केंद्र बनी हैं। पीतल व चांदी के रंग वाली इन छोटी पिचकारियों को भक्त चाव से खरीद रहे हैं।

## होली पर रही होलिका सजाने की होड़

होली के लिये लकड़ी खरीदते लोग। ● अमृत विचार

**शुक्लागंज उन्नाव :** होली को लेकर नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में जमकर उत्साह रहा। सुबह से लोग होली की तैयारियों में जुटे रहे। इस दौरान युवाओं ने जगह-जगह होलिका सजाई। जिसके बाद सभी एक दूसरे को होली को देख सबसे अच्छी सजाने की होड़ रही। शुभ होलिका दहन होने के बाद एक दूसरे को अबीर गुलाल लगाते हुये होली की शुभकामनाएं दी। सोमवार को होलिका दहन के लिये सुबह से ही सड़कों पर रौनक रही। लोग होली के पूजन के लिये गन्ना आदि की खरीददारी करते रहे। इसके अलावा अन्य जरूरी चीजों को खरीदते देखे गये। घरों की महिलाएं होली के पकवानों बनाने में लगी रहीं। युवा भी होली के रंगों में सराबोर नजर आये। होलिका दहन के लिये नगर व ग्रामीण क्षेत्रों में जगह-जगह पर होलिका सजाई गई थी। वहीं जगह-जगह होलिका स्थल पर प्रहलाद को गोद में लेकर होलिका की पुतला बनाया गया। जो आकर्षण का केन्द्र रहा। होलिका स्थल पर लोगों ने पहुंचकर पूजा अर्चना की। होलिका दहन के साथ ही लोगों ने एक दूसरे के माथे पर अबीर गुलाल लगाते हुये होली की शुभकामनाएं दी। होली पर खरीददारी के लिये सुबह से ही राजधानी मार्ग पर लोगों की भीड़ रही। शाम होते ही पूरा बाजारा लोगों से पट गया। लोग देर रात तक खरीददारी करते नजर आये।

## महर्षि में हर्षोल्लास के साथ बच्चों ने मनाई होली

होली की खुशी मनाते महर्षि के बच्चे।

**शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार :** कंचन नगर स्थित महर्षि दयानन्द सरस्वती मिशन इंटर कॉलेज में सोमवार को होली बड़े ही हर्षोल्लास व उत्साह के साथ मनाई गई। इस दौरान प्रबंधक प्रभात शुक्ला ने विद्यार्थियों को होली के धार्मिक, सांस्कृतिक व सामाजिक महत्व की जानकारी दी। वहीं विराट शुक्ल ने बच्चों को सुरक्षित होली मनाने का संदेश दिया। विद्यालय में पीजी से कक्षा 12 तक के विद्यार्थियों ने एक-दूसरे को गुलाल लगाकर होली खेली। इसमें विद्यालय प्रबंधन, शिक्षक-शिक्षिकाओं ने फूलों की होली खेलकर प्रेम व भाईचारे का संदेश दिया।

## अमर शहीदों के परिजनों संग सदर विधायक ने मनाई होली

शहीद के परिजनों को बधाई देते सदर विधायक।

**उन्नाव, अमृत विचार :** सदर विधायक पंकज गुप्ता ने पुलवामा हमले व अन्य अभियानों में मातृभूमि की रक्षा करते हुए शहीद हुए जिले के सपूतों के घर पहुंचकर उनके परिजनों के साथ होली की खुशियां साझा कीं। विधायक ने शहीद अजीत आजाद व शशिकांत तिवारी के आवास जाकर उनके परिजनों से भेंट की और शहीदों के माता-पिता व परिजनों को मिठाई, फल व उपहार देकर आशीर्वाद लिया। विधायक ने शहीदों के चित्रों पर पुष्प अर्पित कर भावभीनी श्रद्धांजलि दी। विधायक ने कहा कि "राष्ट्र की सुरक्षा हेतु अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले इन वीर सपूतों का हम पर कभी न खत्म होने वाला कर्ज है। हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी उनके परिवारों के संग होली मनाना मेरे लिए सौभाग्य की बात है।

## अंबिका के लिटिल किंगडम में मनी होली

अंबिका स्कूल में होली खेलते बच्चे। ● अमृत विचार

**शुक्लागंज उन्नाव, अमृत विचार :** राजमार्ग स्थित अंबिका प्रसाद मेमोरियल लिटिल किंगडम विद्यालय में सोमवार को होली हर्षोल्लास के साथ मनी। इसका आयोजन इको-फ्रेंडली तरीके से फूलों की पंखुड़ियों के साथ हुआ। जिससे बच्चों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता का संदेश दिया जा सके। शुभारंभ कर विद्यालय प्रबंधक अजय त्रिवेदी ने विद्यार्थियों को होली के सांस्कृतिक, सामाजिक व ऐतिहासिक महत्व की जानकारी देते हुए प्रेम, सौहार्द व भाईचारे का संदेश अपनाने को प्रेरित किया। इसमें बच्चों ने होली गीतों पर सांस्कृतिक प्रस्तुतियां देकर सबका मन मोह लिया। विद्यार्थियों ने फूलों की होली खेल विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों, कला व हस्तशिल्प कार्यक्रमों व पारंपरिक खेलों में भाग लिया। बच्चों को प्राकृतिक रंगों के उपयोग व रासायनिक रंगों से बचने के लिए भी जागरूक किया। अंत में कोऑर्डिनेटर प्रज्ञा त्रिपाठी ने अतिथियों का आभार जताया। इस दौरान शिक्षक, कर्मचारी व छात्र-छात्राएं मौजूद रहे।

## शहीदों के परिजनों को किया सम्मानित

शहीद के परिजनों को उपहार देते विमल द्विवेदी।

**उन्नाव, अमृत विचार :** नर सेवा नारायण सेवा समिति के संस्थापक व भाजपा नेता विमल द्विवेदी ने देश पर अपना सर्वस्व न्योछावर करने वाले वीर शहीदों के परिवारों के साथ खुशियां बांटकर एक अनूठी मिशाल पेश की। बीते वर्षों की भांति इस वर्ष भी विमल द्विवेदी अपने पदाधिकारियों के साथ विभिन्न क्षेत्रों में स्थित शहीद परिवारों के घर पहुंचे। उन्होंने शहीद शशिकांत तिवारी, अजीत आजाद, कैलाश यादव, सुशील कुमार व विजय कुमार के आवास जाकर उनके चित्रों पर गुलाल अर्पित कर नमन किया। उन्होंने शहीदों की पत्नियों अनीता तिवारी, मीना गौतम, किरन यादव, सुनीता गौतम व प्रतिभा गौतम और उनके बच्चों को होली की शुभकामनाएं दीं और उपहार देकर सम्मानित किया। इस दौरान जिला संयोजक अजय त्रिवेदी, पूर्व सैनिक एके दीक्षित, परिमल मिश्रा, आलोक शुक्ला सहित अन्य मौजूद रहे।

सच्ची बुद्धिमत्ता क्षणिक सुखों की खोज करने के बजाय अनावश्यक पीड़ा से मुक्त जीवन जीने में निहित है।
–अरस्तु, दार्शनिक

# खामेनेई के बाद युद्ध

खामेनेई मारे गए, उनके के साथ ही देश के रक्षा मंत्री, सेना प्रमुख और कई सैन्य कमांडर समेत शासन से संबंधी कुछ महत्वपूर्ण लोग भी खेत रहे। खामेनेई ईरान के सर्वोच्च नेता होने के नाते शासन व्यवस्था के केंद्र और सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ थे। किसी युद्धरत देश के लिए हमले के पहले ही दिन इतनी बड़ी क्षति उसे घुटने पर ला देने के लिए बहुत है। सामान्य धारणा यह कि इससे ईरान कमजोर पड़ेगा और युद्ध जल्द ही खत्म हो जाएगा, पर फिलहाल ऐसा नहीं दिख रहा। बेशक, ईरान के नेता असमंजस में होंगे कि इस युद्ध को कैसे झेला जाए, इसके व्यापक विनाश से कैसे बचा जाए, लेकिन उनके बयान और दूसरे तथ्य इस ओर इशारा करते हैं कि युद्ध शीघ्र समाप्त नहीं होगा। संभव है कि यह कुछ हफ्ते या महीनों लंबा खिंचे।

ऐसे में यह बहुत से देशों को सीधे और कई को परोक्षतः बुरी तरह प्रभावित करेगा। सच तो यह है कि ईरान का इस्लामी शासन एक व्यक्ति पर निर्भर व्यवस्था नहीं है। सर्वोच्च नेता खामेनेई के मारे जाने के बाद उनकी जगह जो भी दूसरा धार्मिक नेता आयेगा उसके लिए राष्ट्रवाद के नाम पर जनसमर्थन हेतु युद्ध जारी रखना जरूरी होगा और इसके नाम पर उसे इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गाड्र्स कोर का समर्थन भी मिलता रहेगा, जो पारंपरिक सेना के साथ-साथ काम करते हुए देश के भीतर और बाहर से आने वाले खतरों से शासन की रक्षा करने का विशेष दायित्व संभालती है।

ट्रंप और नेतन्याहू की राष्ट्रीय राजनीति के लिए भी यह युद्ध आवश्यक है। साल के अंत में नेतन्याहू को आम चुनाव का सामना करना है, उनका मानना है कि युद्ध से उनकी राजनीतिक स्थिति मजबूत होती है, उधर ट्रंप को टैरिफ मसले पर यूरोपीय देशों और कोर्ट द्वारा उनकी भद पिटने के बाद सुर्खरू होने के लिए राष्ट्र सुरक्षा के नाम पर युद्ध एक बेहतर सियासी उपाय है। दोनों की यह दलील बहुत खोखली है कि उनसे कमजोर ईरान उनके लिए खतरा है और यह आक्रमण किसी आशंकित खतरे के खिलाफ उठाया गया है, बल्कि यह एक सोचा-समझकर छेड़ा गया नियोजित युद्ध है। इसराइल और अमेरिका का आकलन है कि ईरान का इस्लामी शासन इस समय कमजोर स्थिति में है। वह गंभीर आर्थिक संकट से जूझ रहा इसलिए उसे ध्वस्त करने के इस सुनहरे अवसर को गंवाया नहीं जाना चाहिए। अब जबकि खामेनेई मारे जा चुके हैं, तब उनके के लिए बेहतर अवसर है कि वह इसी दौर में अपने सभी मंसूबे पूरे कर लें, इसलिए भी वे युद्ध को तब तक खींचेंगे जब तक ईरान पूरी तरह तबाह होकर हथियार न डाल दे। पर सवाल यह भी है कि क्या वे अपनी मंशा में जल्द कामयाब होंगे, क्या उनकी इच्छापूर्ति तमाम दूसरे देशों को संकट में नहीं डाल देगी? क्या शांति की भी कोई सूरत नजर आती है? खामेनेई की मौत के बाद अंतरिम कौंसिल कल परसों तक 88 धर्मगुरु के मत से नया सुप्रीम लीडर चुन ही लेंगे। अब देखना यह होगा कि ईरान का नवनिर्वाचित सुप्रीम लीडर तथा देश के अन्य सियासी गुट इस युद्ध के बारे में क्या रुख अपनाते हैं?

## प्रसंगवश

# दुनिया में वन्यजीवों के अस्तित्व पर बढ़ता संकट

यह कहने में कोई गुरेज नहीं होना चाहिए कि वन्य जीवों के अस्तित्व पर संकट लगातार गहराता जा रहा है। विश्व वन्यजीव कोष (डब्ल्यूडब्ल्यूएफ) की नवीनतम 'लिविंग प्लैनेट' रिपोर्ट (एलपीआर) 2024, जो 2025 तक के रुझानों को समेटती है, यह चिंताजनक तथ्य सामने रखती है कि 1970 से अब तक वैश्विक स्तर पर वन्यजीव आबादी में औसतन 73 प्रतिशत की कमी आ चुकी है। रिपोर्ट के अनुसार लैटिन अमेरिका और कैरिबियन क्षेत्र में जैव विविधता सबसे अधिक प्रभावित हुई है। मीठे पानी के पारिस्थितिक तंत्र में 85 प्रतिशत तक गिरावट दर्ज की गई है। प्रवाल भित्तियों का निरंतर विरंजन, अमेजन वर्षावन और उपध्रुवीय गाइरे का पतन तथा ग्रीनलैंड और पश्चिमी अंटार्कटिका की बर्फ चादरों का पिघलना गंभीर संकेत हैं। रिपोर्ट जलवायु परिवर्तन को इन परिस्थितियों का प्रमुख कारण मानते हुए चेतावनी देती है कि पृथ्वी खतरनाक मोड़ के निकट पहुंच रही है और अगले पांच वर्ष निर्णायक साबित हो सकते हैं।

अरविंद जयतिलक
वरिष्ठ लेखक

यह पहली बार नहीं है जब वन्यजीवों की घटती संख्या को लेकर वैश्विक चिंता व्यक्त की गई हो। गत वर्ष नेशनल ऑटोनॉमस यूनिवर्सिटी ऑफ मैक्सिको और स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी के वैज्ञानिकों ने दावा किया कि पृथ्वी छठे व्यापक विनाश काल में प्रवेश कर चुकी है। उनका शोध प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज में प्रकाशित हुआ, जिसमें बताया गया कि पिछले सौ वर्षों में 200 कशेरुकी प्रजातियां विलुप्त हो चुकी हैं, जबकि सामान्य परिस्थितियों में इतनी हानि हजारों वर्षों में होती। अनुमान है कि यदि वर्तमान प्रवृत्ति जारी रही तो आगामी दशकों में 75 प्रतिशत तक प्रजातियां समाप्त हो सकती हैं।

जंगलों की अंधाधुंध कटाई, बढ़ता प्रदूषण, जलवायु परिवर्तन और अवैध शिकार वन्यजीव संकट के प्रमुख कारण हैं। हाथी, गोरिल्ला, गिद्ध और अनेक सरीसृप तेजी से घटे हैं। आर्कटिक लोमड़ी इसका उदाहरण है, जिसकी गर्म फर के कारण व्यापक शिकार किया जाता है। फिनलैंड की संस्था जस्टिस फॉर एनिमल ने चेताया है कि लक्जरी उद्योग के लालच ने इनका अस्तित्व संकट में डाल दिया है। यूरोप के कुछ देशों में इनकी संख्या अत्यंत सीमित रह गई है। ब्रिटेन में रॉयल सोसायटी फॉर द प्रोटेक्शन ऑफ बड्र्स के सर्वेक्षण के अनुसार हेन हैरियर की संख्या में उल्लेखनीय कमी आई है। इसी प्रकार अफ्रीका में अवैध हाथीदांत व्यापार के कारण प्रतिवर्ष भारी संख्या में हाथियों का शिकार होता है। भारत में भी अवैध शिकार, शहरीकरण, प्रदूषण और कृषि विस्तार के चलते वन्यजीवों की स्थिति चिंताजनक बनी हुई है। जलीय जीव भी इससे अछूते नहीं हैं। औद्योगिक प्रदूषण, फफूंद संक्रमण और अवैध मत्स्य शिकार के कारण सैकड़ों प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर हैं। यूरोप के समुद्रों में व्हेल और डॉल्फिन की संख्या घट रही है। दक्षिण-पूर्व एशिया में पशुओं के उपचार में प्रयुक्त हानिकारक दवाओं के कारण गिद्धों की संख्या में भारी गिरावट आई है। भारत में पिछले दशकों में गिद्धों की संख्या में 97 प्रतिशत तक कमी दर्ज की गई, जिससे पारिस्थितिक संतुलन प्रभावित हुआ है।

विश्व में ज्ञात प्रजातियों की संख्या लगभग 18 लाख है, जो वास्तविक जैव-विविधता का एक छोटा हिस्सा मात्र है। भारत में लगभग 75 हजार प्रजातियां पाई जाती हैं। संरक्षण हेतु कानून मौजूद हैं, पर प्रभावी क्रियान्वयन आवश्यक है। जैव विविधता को बचाने के लिए जलवायु परिवर्तन की रोकथाम, प्रदूषण नियंत्रण और वनों के संरक्षण की दिशा में ठोस, सामूहिक और दीर्घकालिक प्रयास अनिवार्य हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

# इस्लामिक देशों का कथित भाईचारा आया सामने

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

मुंबई के मोहम्मद अली रोड पर रमजान की रौनक अपने चरम पर थी। मीनारा मस्जिद के आसपास की गलियों में खरीदारों की भीड़ उमड़ रही थी। इसी हलचल के बीच एक होटल में बैठे कुछ मुस्लिम बुद्धिजीवी, पत्रकार और कारोबारी गहरी चिंता के साथ मुस्लिम देशों के संगठन, इस्लामी सहयोग संगठन (ओआईसी) की निष्क्रियता पर चर्चा कर रहे थे। उनका सवाल सीधा था, अमेरिका द्वारा ईरान पर किए गए हमलों के बाद भी ओआईसी की आवाज इतनी धीमी क्यों है?

57 मुस्लिम देशों का प्रतिनिधित्व करने वाला यह संगठन अक्सर फिलिस्तीन जैसे मुद्दों पर मुखर रहता है, प्रस्ताव पारित करता है और कड़े बयान जारी करता है, लेकिन जब मामला ईरान जैसा प्रभावशाली और क्षेत्रीय शक्ति-संतुलन में अहम देश हो, तब उसकी प्रतिक्रिया अपेक्षाकृत नरम क्यों दिखाई देती है? यह प्रश्न केवल भावनात्मक नहीं, बल्कि राजनीतिक और कूटनीतिक जटिलताओं से जुड़ा है। अमेरिका और ईरान के बीच तनाव कोई नया अध्याय नहीं है। 1979 की इस्लामी क्रांति के बाद से दोनों देशों के संबंधों में अविश्वास और टकराव बना हुआ है। ईरान के परमाणु कार्यक्रम, उस पर लगाए गए प्रतिबंधों और पश्चिम एशिया में उसकी बढ़ती भूमिका ने इस तनाव को और गहरा किया है। जब भी हालात बिगड़ते हैं, पूरी दुनिया की निगाहें इस क्षेत्र पर टिक जाती हैं। ऐसे समय में उम्मीद की जाती है कि इस्लामिक देश एकजुट होकर शांति, संवाद और न्याय की वकालत करेंगे। पर व्यवहार में तस्वीर अधिक जटिल दिखती है। ओआईसी का गठन मुस्लिम देशों के बीच सहयोग, एकता और साझा हितों की रक्षा के उद्देश्य से हुआ था। सिद्धांततः यदि किसी सदस्य देश पर संकट आए, तो बाकी देश उसका समर्थन करें और अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर उसकी आवाज बनें, लेकिन व्यावहारिक राजनीति में यह संगठन अक्सर औपचारिक बयानों तक सीमित रह जाता है। ईरान के मामले में भी कई देशों ने सावधानी भरे वक्तव्य दिए, कुछ ने चुप्पी साध ली और कुछ ने अप्रत्यक्ष रूप से अमेरिकी रुख के प्रति सहमति जताई।

इस विभाजन के पीछे सबसे बड़ी वजह मुस्लिम दुनिया के भीतर मौजूद वैचारिक और रणनीतिक मतभेद हैं। पश्चिम एशिया में ईरान और सऊदी अरब के बीच लंबे समय से प्रभाव की प्रतिस्पर्धा रही है। एक ओर शिया नेतृत्व वाला ईरान है, तो दूसरी ओर सुन्नी बहुल खाड़ी देश। यह प्रतिस्पर्धा केवल धार्मिक पहचान तक सीमित नहीं, बल्कि क्षेत्रीय प्रभुत्व, सुरक्षा और राजनीतिक प्रभाव से भी जुड़ी है। परिणामस्वरूप, किसी भी सामूहिक मंच पर सर्वसम्मति बनाना कठिन हो जाता है। दूसरा महत्वपूर्ण कारण कई मुस्लिम देशों के अमेरिका के साथ गहरे आर्थिक और सुरक्षा संबंध हैं। खाड़ी देशों की सुरक्षा संरचना काफी हद तक अमेरिकी सैन्य सहयोग पर आधारित है। ऊर्जा व्यापार, हथियार सौदे और निवेश संबंध भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। ऐसे में वे खुलकर अमेरिका की आलोचना करने से बचते हैं।

> यदि 57 देश सचमुच एक मंच पर संगठित होकर बोलें, तो अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उनका प्रभाव काफी बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर वे एक मजबूत दबाव समूह बन सकते हैं। पर आपसी अविश्वास और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण यह संभावना अक्सर साकार नहीं हो पाती।

इसके अलावा, कुछ अरब देशों का मानना है कि क्षेत्रीय तनाव के लिए ईरान की नीतियां भी जिम्मेदार रही हैं। यमन, सीरिया और इराक में उसकी सक्रियता को लेकर कई देशों में असंतोष है। इसलिए वे इस टकराव को केवल "मुस्लिम देश बनाम अमेरिका" के रूप में नहीं देखते, बल्कि इसे व्यापक भू-राजनीतिक संघर्ष के रूप में आंकते हैं। यही सोच ओआईसी के भीतर साझा बयानबाज़ी को सीमित कर देती है। ओआईसी की कार्यप्रणाली भी एक बाधा है। संगठन अक्सर सर्वसम्मति पर आधारित निर्णय प्रक्रिया अपनाता है। जब सदस्य देशों के हित, गठबंधन और प्राथमिकताएं अलग-अलग हों, तब कठोर और स्पष्ट निर्णय लेना कठिन हो जाता है। कई बार तीखे शब्दों वाले प्रस्ताव पारित तो हो जाते हैं, लेकिन उनके अनुपालन या ठोस कूटनीतिक कदमों का अभाव रहता है। इससे संगठन की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लगते हैं।

दूसरी ओर, आम मुस्लिम समाज की अपेक्षाएं अलग हैं। वे चाहते हैं कि इस्लामिक देश अन्याय या बाहरी हस्तक्षेप के खिलाफ एकजुट स्वर में बोलें। सोशल मीडिया पर भी यह भावना दिखाई देती है कि कम से कम कूटनीतिक स्तर पर मजबूत और स्पष्ट रुख अपनाया जाना चाहिए था, लेकिन सरकारें भावनात्मक आवेगों की बजाय रणनीतिक, आर्थिक और सुरक्षा गणनाओं के आधार पर निर्णय लेती हैं। इस स्थिति का व्यापक प्रभाव भी है। यदि 57 देश सचमुच एक मंच पर संगठित होकर बोलें, तो अंतर्राष्ट्रीय राजनीति में उनका प्रभाव काफी बढ़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र जैसे मंचों पर वे एक मजबूत दबाव समूह बन सकते हैं। पर आपसी अविश्वास और क्षेत्रीय प्रतिस्पर्धा के कारण यह संभावना अक्सर साकार नहीं हो पाती।

अमेरिका और ईरान के बीच बढ़ते टकराव न एक बार फिर इस्लामिक दुनिया की आंतरिक सीमाओं को उजागर किया है। ओआईसी के सामने चुनौती यही है कि वह केवल औपचारिक वक्तव्यों तक सीमित न रहे, बल्कि सदस्य देशों के बीच भरोसा, पारदर्शिता और साझा रणनीति विकसित करे। यदि इस्लामिक देश वैश्विक मंच पर प्रभावशाली भूमिका निभाना चाहते हैं, तो उन्हें अपने मतभेद कम कर व्यापक सामूहिक हितों को प्राथमिकता देनी होगी। अन्यथा हर बड़े संकट में उनकी बंटी हुई प्रतिक्रिया निराशा को ही जन्म देती रहेगी।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

## आमने सामने

भाजपा को यह स्वीकार करना चाहिए कि हां, उन्होंने षड्यंत्र किया, उन्होंने छोटापन दिखाया और देश के संस्थानों का गलत इस्तेमाल किया। भाजपा को देश से माफी मांगनी चाहिए कि अब वे आगे ऐसा नहीं करेंगे। भाजपा को फिर से उसी लड़ाई-झगड़े में जाने के बजाय, अब माफी मांगने वाली मुद्रा में जाना चाहिए।
**–अरविंद केजरीवाल,**
पूर्व मुख्यमंत्री, दिल्ली

आप पार्टी को थोड़ी सी भी राजनीतिक जगह मिलती है, वे भाजपा को लेकर देश और इजराइल व अमेरिका तक के मुद्दों के लिए दोषी ठहराते हुए बयानबाजी शुरू कर देते हैं। 11 साल का कार्यकाल शून्य विकास, भ्रष्टाचार, घोटालों व 'शीश महल' से भरा रहा, जबकि भाजपा का एक साल का कार्यकाल विकास से परिपूर्ण रहा है। **– वीरेंद्र सचदेवा**
भाजपा अध्यक्ष, दिल्ली

# नेपाल चुनाव: बालेन को लेकर खौफजदा पुरानी पार्टियां

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

इस बार के चुनाव में नेपाल को कैसी सरकार नसीब होती है, इसके कयास लगाए जाने लगे है। किसी एक दल की पूर्ण बहुमत की सरकार को लेकर सभी के मन में शंका है। भारत में नेपाल के राजदूत रहे नेपाली कांग्रेस के वरिष्ठ नेता दीप कुमार उपाध्याय का साफ कहना है कि नेपाल के नसीब में किसी एक दल की स्थाई सरकार न होना दुर्भाग्यपूर्ण है। नेपाल में लोकतंत्र बहाली के बाद से यह स्थिति बनी हुई है और यही कारण है कि नेपाल में लोकतंत्र को मजबूती नहीं मिल पा रही है।

इस सबके बीच विकट परिस्थितियों में हो रहे इस चुनाव में प्रधानमंत्री पद के तीन बड़े चेहरों पर लोगों की निगाह टिकी हुई है। नंबर एक पर राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के बालेन शाह हैं। दूसरे पर नेपाली कांग्रेस के गगन थापा और तीसरे नंबर पर एमाले के केपी शर्मा ओली हैं। चुनाव आगामी पांच मार्च को है। मतों की गिनती सात मार्च को है। आठ या नौ मार्च तक नेपाल में नई सरकार का गठन हो जाएगा, बालेन शाह को लेकर पुरानी राजनीतिक दलों की सांसें अटकी हुई हैं। सवाल उठता है कि यदि किसी को पूर्ण बहुमत नहीं मिला, तो किस पार्टी के नेतृत्व में सरकार बनेगी और इसमें कौन-कौन दल शामिल हो सकते हैं? यदि राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सत्ता में नहीं आ पाती तो उसकी भूमिका क्या होगी?

> चुनाव आगामी पांच मार्च को है। मतों की गिनती सात मार्च को है। आठ या नौ मार्च तक नेपाल में नई सरकार का गठन हो जाएगा, बालेन शाह को लेकर पुरानी राजनीतिक दलों की सांसें अटकी हुई हैं।

जेन जी आंदोलन के बाद अंतरिम सरकार के नेतृत्व में हो रहे इस चुनाव में सुडान गुरूंग के साथ काठमांडू के पूर्व मेयर बालेन शाह भी रवि लामी छाने के साथ आ गए। सुडान गुरूंग जेन जी आंदोलन के नायक के रूप में जाने जाते हैं, वहीं बालेन शाह की पहचान एक रैपर और इंजीनियर की है। उन्होंने निर्दल लड़कर काठमांडू नगर निगम के मेयर पद का चुनाव जीता था। बतौर मेयर उन्होंने अपने कार्यालय में ग्रेटर नेपाल का मानचित्र लगाकर राष्ट्रवादी नेता की छवि धारण करने की कोशिश की थी। जेन जी आंदोलन के बाद जब अंतरिम सरकार के गठन की नौबत आई तो जेन जी का एक धड़ा बालेन को प्रधानमंत्री बनाने के पक्ष में था जो फलीभूत नहीं हो सका। अब जब बालेन शाह राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के प्रधानमंत्री पद के चेहरे के रूप में झापा क्षेत्र संख्या पांच से एमाले अध्यक्ष और पूर्व पीएम केपी शर्मा ओली के खिलाफ चुनाव लड़ रहे हैं, तो संभावित प्रधानमंत्री के रूप में उनकी चर्चा लाजिमी है।

नेपाल के इस चुनाव का परिणाम वैश्विक स्तर पर भी खास है, क्योंकि पूर्व की परंपरावादी राजनीतिक दलों की हालत बहुत बेहतर नहीं है। पुरानी पार्टी में एक नेपाली कांग्रेस है, जिसके ठीक-ठाक प्रदर्शन की उम्मीद है, लेकिन यह पार्टी भी अब नए नेतृत्व के अधीन है। भारी अंतर्विरोध के बीच वरिष्ठ नेता गगन थापा को नया अध्यक्ष चुना गया है। गगन थापा अपनी पार्टी की ओर से प्रधानमंत्री पद का चेहरा हैं। नेपाली कांग्रेस के भी अकेले दम पर सत्ता में आने की संभावना नहीं है फिर भी इस पार्टी के नए अध्यक्ष के रुख को लेकर चर्चा होती रहती है। हालांकि उन्होंने साफ कहा है कि नेपाल भारत और चीन के मध्य स्थित है इसलिए इसे दोनों देशों से संतुलन बनाकर ही आगे बढ़ना होगा। गगन थापा के इस कथन को अंतर्राष्ट्रीय मंचों पर सकारात्मक दृष्टि से देखा गया। भारत और चीन दोनों के लिए गगन थापा का बयान मायने रखता है, लेकिन शेर बहादुर देउबा अथवा कोइराला परिवार के बिना चुनाव मैदान में उतरी नेपाली कांग्रेस का प्रदर्शन इस चुनाव में कैसा होता है, यह देखना जरूरी होगा। 2022 के चुनाव में नेपाली कांग्रेस 89 सीटें जीत कर सबसे बड़े दल के रूप में उभरकर सामने आई थी।

आज जिन परिस्थितियों में यह चुनाव हो रहा है, उसे देख ऐसा नहीं लगता कि नेपाली कांग्रेस 2022 के चुनाव परिणाम को दोहरा पाएगी? और यदि ऐसा हो पाया तो निस्संदेह यह गगन थापा की बड़ी कामयाबी होगी और तब उनकी सरकार की संभावना बढ़ सकती है। नेपाल में मतदान के बहुत कम दिन शेष है। ऐसे में जब सरकार गठन की बात चलती है, तो मध्य नेपाल अर्थात मैदान और पहाड़ के बीच के हिस्से में एमाले की चर्चा भी खूब हो रही है। एमाले अध्यक्ष केपी शर्मा ओली गठबंधन की ही सही चार बार प्रधानमंत्री रह चुके हैं। इस बार राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के उम्मीदवार बालेन शाह से उनका मुकाबला बेहद कड़ा है। राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी के अंदरूनी सर्वे में यह सीट बालेन शाह जीत रहे हैं, लेकिन इस क्षेत्र के लोगों की मानें तो यह इतना आसान भी नहीं है।

2022 में एमाले को 78 सीटों पर जीत मिली थी। वह दूसरा सबसे बड़ा दल था। इसके बाद प्रचंड के नेतृत्व वाली माओवादी केंद्र था, जिसके 32 सदस्य चुने गए थे। 2022 के प्रतिनिधि सभा में रवि लामी छाने की पार्टी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी 20 सीटों के साथ तीसरे नंबर की बड़ी पार्टी थी और सरकार में हिस्सेदारी के तौर पर इस पार्टी को एक उप प्रधानमंत्री और गृहमंत्री का पद आया था, इन दोनों पदों पर पार्टी अध्यक्ष रवि लामी छाने स्वयं काबिज थे। जहां तक प्रधानमंत्री पद का सवाल है, तो यह शेर बहादुर देउबा, ओली और प्रचंड के हिस्से में आता रहा। इस बार बेशक राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी की धूम है, लेकिन प्रतिनिधि सभा के 165 और उच्च सदन के 110 यानी 275 सीटों में से बहुमत का आंकड़ा जुटा पाना किसी के लिए भी आसान नहीं जान पड़ता। फिर भी चाहे नेपाली कांग्रेस हो, एमाले हो या माओवादी केंद्र, राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी को लेकर खौफजदा तो हैं, इनमें इस बात को लेकर खौफ है कि खुदा न खास्ता राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी सत्ता में आ गई तो उक्त तीनों पार्टियों के ढेर सारे बड़े नेताओं का जेल जाना तय है क्योंकि भ्रष्टाचार के बड़े-बड़े मामले में उनके हाथ सने हुए हैं। बीच चुनाव खबर यह भी है कि इस खौफ से उबरने के लिए नेपाली कांग्रेस, एमाले और माओवादी केंद्र के अंदरखाने कुछ और ही खिचड़ी पक रही है, जिसका प्रकटीकरण चुनाव परिणाम के बाद ही संभव है।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

## सोशल फोरम

# छोटे फैसले, बड़ा भविष्य

कभी-कभी लगता है समय नदी नहीं, कुम्हार है। हर दिन हमें थोड़ा-थोड़ा घुमाता है, दबाता है, आकार देता है। हम सोचते हैं हम भाग रहे हैं, पर सच यह है कि हम गढ़े जा रहे हैं। फर्क सिर्फ इतना है कि कौन मिट्टी बना रहता है और कौन आकार लेने की हिम्मत करता है। पिछले दिनों में आपने कितनी बार खुद को टाला? और कितनी बार खुद को पकड़ा? यह सवाल किसी और के लिए नहीं है। दुनिया आपकी उपलब्धियों की तालिका देखती है, पर असली कहानी उन क्षणों में लिखी जाती है, जब आपने आसान रास्ता छोड़कर सही रास्ता चुना या कम से कम कोशिश की। जीवन की सबसे बड़ी विडंबना यह है कि हम बड़े अवसरों का इंतजार करते रहते हैं, जबकि असली बदलाव छोटे फैसलों में छिपा होता है।

मनोज अभिज्ञान
अधिवक्ता

कई लोग कहेंगे कि समय तेज भाग रहा है। सच तो यह है कि समय हमेशा अपनी रफ्तार से चलता है। बेचैनी हमारी है। हम तुलना में उलझे रहते हैं। किसी की नौकरी, किसी की गाड़ी, किसी की लोकप्रियता, लेकिन किसी की शांति? वही सबसे बड़ी पूंजी है। अगर कुछ छूटा है, तो उसे बोझ मत बनाइए। उसे बीज बना दीजिए। हर छूटा हुआ काम संकेत है कि उसमें अब भी संभावना बची है, जो खत्म हो गया, वह सिर्फ एक अध्याय था। किताब अभी बाकी है। जिंदगी स्प्रिंट नहीं, लंबी बातचीत है। खुद से, अपने लोगों व विचारों से। अगर कुछ अधूरा रह गया है, तो वह आपकी अक्षमता का प्रमाण नहीं, यात्रा का संकेत है। अधूरापन ही हमें आगे बढ़ने की वजह देता है। पूरी हो चुकी कहानी में उत्साह नहीं बचता, जो करना है, वह धीरे और लगातार करना है। बड़े पेड़ भी एक दिन में नहीं बढ़ते, पर रोज बढ़ते हैं।

समय किसी के लिए रुकता नहीं, वह हर उस व्यक्ति के साथ चलता है, जो चलने का निर्णय लेता है। सवाल यह नहीं कि कितना समय बीत गया। सवाल यह है कि आपने उसमें कितना जीवन जोड़ा। अब अगला कदम आपका है। घड़ी चल रही है, पर कहानी भी चल रही है। कहानी तब तक जिंदा है, जब तक आप उसे आगे लिखने का साहस रखते हैं। कभी-कभी घड़ी उतारकर मेज पर रख देनी चाहिए, ताकि समय का शोर थोड़ा कम हो सके। स्क्रीन की रोशनी से बाहर भी दुनिया है, जो धीरे-धीरे बुलाती रहती है। लोग जो सन्नाटे की भाषा पढ़ लेते हैं, वे जानते हैं कि अनुपस्थिति भी एक तरह की उपस्थिति होती है, जो लोग 'बिटवीन द लाइंस' पढ़ लेते हैं, वे जानते हैं कि कुछ यात्राएं शोर से दूर तय होती हैं। बाकी सब ठीक है।

**–फेसबुक वॉल से**

## सामयिकी

# ईरान-अमेरिका टकराव और इतिहास की वापसी

मध्य-पूर्व एक बार फिर इतिहास के सबसे खतरनाक मोड़ पर खड़ा है। सदियों पुरानी सभ्यताओं की यह भूमि पिछले सौ वर्षों से राजनीतिक प्रयोगशाला बनी हुई है, लेकिन फरवरी 2026 के अंतिम सप्ताह की घटनाओं ने क्षेत्र को सीधे वैश्विक युद्ध की दहलीज पर ला खड़ा किया है। 28 फरवरी को अमेरिका और इजराइल ने संयुक्त सैन्य अभियान चलाकर ईरान के भीतर कई ठिकानों पर व्यापक हवाई हमले किए। इस अभियान को "ओपरेशन एपिक फ्यूरी" नाम दिया गया। दावा किया गया कि निशाना परमाणु और मिसाइल संरचनाएं थीं, पर इसके राजनीतिक अर्थ कहीं अधिक गहरे हैं।

जयदेव राठी
अधिवक्ता

इन हमलों में ईरान की सैन्य कमान, मिसाइल साइटों और रणनीतिक प्रतिष्ठानों को लक्ष्य बनाया गया। सबसे विस्फोटक खबर यह रही कि ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हमले में मृत्यु की पुष्टि की गई। यदि यह तथ्य दीर्घकालिक रूप से प्रमाणित रहता है, तो यह केवल एक सैन्य घटना नहीं बल्कि ईरान की सत्ता संरचना में भूकंपीय बदलाव है। इस्लामी गणतांत्रिक व्यवस्था में सर्वोच्च नेता का पद राजनीतिक ही नहीं, धार्मिक-वैधानिक अधिकार का केंद्र है। ऐसे में नेतृत्व का अचानक शून्य पूरे क्षेत्र को अस्थिर कर सकता है। ईरान ने हमलों का तीखा जवाब दिया। इस्लामिक रिवॉल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स ने मिसाइल और ड्रोन हमले कर खाड़ी क्षेत्र में स्थित अमेरिकी ठिकानों और इजराइली लक्ष्यों को निशाना बनाया। बहरीन, कतर, कुवैत, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब में हाई-अलर्ट घोषित किया गया। कई देशों ने अस्थायी रूप से अपना एयरस्पेस बंद कर दिया, जिससे अंतरराष्ट्रीय उड़ानों पर व्यापक असर पड़ा। दुबई और अबू धाबी जैसे हवाई अड्डों पर उड़ानें रद्द हुईं। यह संकेत है कि यह संघर्ष दो देशों तक सीमित नहीं रहेगा, बल्कि पूरे पश्चिम एशिया को प्रभावित करेगा।

ईरान-अमेरिका टकराव केवल परमाणु कार्यक्रम तक सीमित नहीं है, यह क्षेत्रीय प्रभुत्व की लड़ाई भी है। इजराइल ईरान के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रम को अस्तित्वगत खतरे के रूप में देखता है, वहीं ईरान स्वयं को अमेरिकी सैन्य उपस्थिति और इजराइली नीतियों से घिरा मानता है। लेबनान में हिज्बुल्लाह, गाजा में हमास और सीरिया में विभिन्न मिलिशिया समूहों के माध्यम से वर्षों से छाया-युद्ध चलता रहा है, जो अब प्रत्यक्ष सैन्य भिड़ंत में बदलता दिख रहा है। आर्थिक आयाम भी कम महत्वपूर्ण नहीं हैं। खाड़ी क्षेत्र वैश्विक तेल आपूर्ति का केंद्र है। तनाव बढ़ते ही कच्चे तेल की कीमतों में उछाल आया और शेयर बाजारों में अनिश्चितता का माहौल बना। भारत जैसे ऊर्जा आयात पर निर्भर देश सीधे प्रभावित होंगे। यदि होर्मुज जलडमरूमध्य में नौसैनिक तनाव बढ़ता है, तो वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला पर गंभीर असर पड़ सकता है। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तीखी बहस हुई है। यूरोपीय देशों ने संयम की अपील की है, रूस और चीन ने अमेरिकी कार्रवाई पर सवाल उठाए हैं, जबकि अमेरिका ने इसे "पूर्व-निवारक सुरक्षा कदम" बताया है। प्रश्न यही है- क्या यह कदम शांति लाएगा या नए युद्ध चक्र की शुरुआत करेगा? 2003 के इराक युद्ध का अनुभव चेतावनी देता है कि त्वरित सैन्य कार्रवाई दीर्घकालिक अस्थिरता में बदल सकती है। फिलहाल सबसे बड़ी चुनौती युद्ध को व्यापक क्षेत्रीय टकराव में बदलने से रोकना है। कूटनीतिक वार्ता और मध्यस्थता ही स्थायी रास्ता प्रतीत होती है। मध्य-पूर्व आज फिर इतिहास की प्रयोगशाला बना है और इस बार इसके परिणाम पूरी दुनिया को प्रभावित कर सकते हैं।

(ये लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर, इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 117/एल/320-ए, नवीन नगर काकादेव, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- दिग्विजय सिंह*** 0512-2548300 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2022/85730 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी।(नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

# फाल्गुनी रामलीला : होली के रंगों में राम भक्ति का अनूठा संगम

जब फाल्गुन की बयार और फिजाओं में अबीर-गुलाल की सुगंध घुलने लगती है, तब बरेली के आंगन में एक अद्भुत दृश्य जीवंत होता है। यहां की हवा में केवल केसरिया रंग नहीं, बल्कि उस साझी तहजीब और अटूट श्रद्धा की खुशबू भी महकती है, जिसे बरेलीवासी "फाल्गुनी रामलीला" के नाम से जानते है। जहां पूरा देश शारदीय नवरात्रि के बाद दशहरे पर रामलीला देखता है, वहीं बरेली के बमनपुरी (ब्रह्मपुरी) में होली के हुड़दंग के बीच मर्यादा पुरुषोत्तम के आदर्शों को जिया जाता है। यह महज एक रामलीला का मंचन नहीं, बल्कि रुहेलखंड की अस्मिता और पिछले 166 वर्षों से चली आ रही एक ऐसी जीवंत परंपरा है, जिसने अपनी सांस्कृतिक गहराई से यूनेस्को जैसे वैश्विक पटल पर भी अपनी अमिट छाप छोड़ी है। बरेली की इस अनूठी परंपरा से रु-ब-रू करा रही – ***रतन सिंह गुर्जर की रिपोर्ट...***

## 166 वर्ष पुरानी परंपरा

ब्रह्मपुरी में स्थानीय श्रद्धालुओं ने मिलकर 1860 के आसपास श्रीरामलीला सभा की शुरुआत की। श्रीरामलीला सभा से जुड़े पंकज मिश्रा पुरानी यादों को ताजा करते हुए बताते हैं कि पूर्वजों ने मिलकर इस परंपरा की नींव रखी। इसके बाद ये आयोजन पूरे शहर के लिए आस्था का प्रतीक बन गया। आयोजन को यहां तक पहुंचाने में पूर्वजों का अपार त्याग भी रहा है। एक दौर वह था, जब उन सबके पास संसाधन शून्य थे, गैस लालटेन की रोशनी में रामलीला मंचन होता था और राम बरात को श्रद्धापूर्वक कंधों पर उठाकर निकाला जाता था। फाल्गुन माह में होने वाला ये आयोजन विश्वभर की रामलीलाओं की सांस्कृतिक धरोधर के रूप में प्रतिनिधित्व करता हैं। रामलीला सभा के उपाध्यक्ष महेश पंडित बताते हैं कि यह रामलीला तुलसीदास की कृति "विनय पत्रिका" से ली गई है। होली पर आयोजित होने वाली रामलीला का इतिहास लगभग 166 वर्ष पुराना है। यह परंपरा ब्रिटिश काल से अनवरत चली आ रही है। फाल्गुन शुक्ल नवमी से शुरू होकर चैत्र कृष्ण त्रयोदशी तक चलने वाला यह आयोजन भक्ति और लोक-संस्कृति का एक ऐसा समागम है, जिसे देखने के लिए समूचा रुहेलखंड उमड़ पड़ता है। इस रामलीला की सबसे बड़ी खूबी और आकर्षण का विषय इसकी लीलाओं का बहु-स्थलीय मंचन है। लीला में अगस्त्य मुनि संवाद छोटी ब्रह्मपुरी के आश्रम में होता है। केवट प्रसंग के लिए साहूकारा की गलियां गवाह बनती हैं। वहीं, मेघनाद यज्ञ ब्रह्मपुरी में और लंका दहन का रोमांचक दृश्य मलूकपुर चौराहे पर जीवंत होता है। अध्यक्ष राजू मिश्रा बताते है कि समय के साथ कुछ बदलाव भी आए हैं। पहले स्थानीय लोग ही इसके पात्र बनते थे, लेकिन अब बाहर से मंझे हुए कलाकारों की मंडलियां बुलाई जाती हैं। इसके बावजूद, रामलीला सभा इसके मूल स्वरूप को सुरक्षित रखने के लिए प्रतिबद्ध है। इस ऐतिहासिक परंपरा के प्रचार-प्रसार के लिए संस्कृति विभाग को पत्र भी लिखकर अनुरोध कर चुके हैं। प्रवक्ता विशाल मेहरोत्रा का कहना है कि यह केवल एक धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि हमारी सांस्कृतिक पहचान है। वे और उनकी समिति लगातार शासन-प्रशासन और संस्कृति विभाग के संपर्क में हैं ताकि इस प्राचीन धरोहर का दस्तावेजीकरण हो सके और आने वाली पीढ़ियां भी अपनी जड़ों से जुड़ी रहें। रामलीला से जुड़े स्थानीय लोग बताते है कि रामलीला से कई बड़े विद्वान भी जुड़े। वे पंडित रामकिशोर शर्मा जैसे दिग्गजों को याद करते हैं, जिन्होंने हनुमान की भूमिका निभाते हुए लंका दहन के दौरान अपनी पीठ तक झुलसा ली थी, पर अभिनय नहीं छोड़ा। राधेश्याम रामायण के रचयिता पंडित राधेश्याम कथावाचक और शिवनाथ बिस्मिल जैसे बड़े विद्वानों का जुड़ाव इस रामलीला की बौद्धिक और आध्यात्मिक नींव को और मजबूत करता है। ब्रह्मपुरी (बमनपुरी) की यह ऐतिहासिक "फाल्गुनी रामलीला" अपनी प्राचीनता, परंपरा और वैश्विक पहचान के कारण दुनियाभर में अद्वितीय है।

## होली पर राम के जयकारों की गूंज

होली की मस्ती के बीच जब राम-लक्ष्मण और सीता के जयकारे गूंजते हैं, तो यह अहसास होता है कि बमनपुरी फाल्गुनी रामलीला समाज को सकारात्मक ऊर्जा और आपसी भाईचारे का संदेश दे रही है। यह आस्था की वह अखंड ज्योति है, जो 166 वर्षों से बुझी नहीं और अपनी चमक से विश्व पटल को आलोकित कर रही है।

## यूनेस्को की वैश्विक धरोहर में शुमार

श्रीरामलीला सभा की रामलीला की महत्ता केवल स्थानीय नहीं, बल्कि अंतर्राष्ट्रीय है। रामलीला सहअध्यक्ष विवेक शर्मा बताते हैं कि इसकी सांस्कृतिक गहराई को देखते हुए संयुक्त राष्ट्र की संस्था यूनेस्को ने इसे "विश्व धरोहर" के रूप में मान्यता प्रदान की है। साल 2008 में इसे यूनेस्को की सूची में शामिल किया गया और 2015 में इसे औपचारिक रूप से वैश्विक पहचान मिली। यह बरेली के लिए गौरव की बात है कि यहां की गलियों में होने वाला मंचन मानवता की अमूर्त सांस्कृतिक विरासत का हिस्सा है।

# नकारात्मकता को जलाकर आस्था को जागृत करने का पर्व होली

होली का आध्यात्मिक अर्थ रंगों, उत्सवों और समारोहों से कहीं अधिक व्यापक है। हालांकि अधिकांश लोग होली को 'रंगों का त्योहार' मानते हैं, लेकिन इसका गहरा सार आंतरिक शुद्धि, अहंकार का नाश, भक्ति और आध्यात्मिक परिवर्तन में निहित है। होली से मिलने वाले आध्यात्मिक ज्ञान से हमें यह संदेश मिलता है कि जीवन केवल बाहरी उत्सवों के बारे में नहीं है, बल्कि नकारात्मकता को जलाकर, आस्था को जागृत करके और सचेत जीवन को अपनाकर ही संभव है।

पं. मनोज कुमार द्विवेदी
ज्योतिषाचार्य, कानपुर

## अंतरात्मा की शुद्धि होली का उद्देश्य

हिंदू धर्म में होली का त्योहार केवल ऐतिहासिक ही नहीं, बल्कि मनोवैज्ञानिक महत्व भी रखता है। यह अधर्म (होलिका) और धर्म (प्रह्लाद) के बीच आंतरिक संघर्ष और धर्म के विजय का प्रतीक है। भगवान नरसिंह अवतार की कथा दैवीय न्याय और ब्रह्मांडीय संतुलन का प्रतीक है। होली का वास्तविक उद्देश्य है अंतरात्मा की शुद्धि। हमें नित्य अपने जीवन में त्याग, संयम और साधना का अभ्यास करना चाहिए, लेकिन होली के दिन एक विशेष भावना के साथ अपने जीवन के अच्छे-बुरे सभी कर्मों को परमात्मा की विवेक रूपी अग्नि में अर्पित करना चाहिए। यह अग्नि हमारे भीतर जल रही आत्मचेतना है, जो हमें देह-बोध से ऊपर उठाकर आत्मबोध की ओर ले जाती है।

## होली का आध्यात्मिक अर्थ

होली का आध्यात्मिक अर्थ है अहंकार पर भक्ति की, बुराई पर अच्छाई की और अंधकार पर प्रकाश की विजय। होलिका दहन और प्रह्लाद की कथा के माध्यम से यह त्योहार आंतरिक शुद्धि, क्षमा, भावनात्मक उपचार और आध्यात्मिक परिवर्तन की शिक्षा देता है। आमजन मानस में एक प्रश्न रहता है कि जिस होलिका ने प्रह्लाद जैसे प्रभु भक्त को जलाने का प्रयास किया, उसका हजारों वर्षों से हम पूजन किसलिए करते है? होलिका-पूजन के पीछे एक बात है। जिस दिन होलिका प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठने वाली थी, उस दिन नगर के सभी लोगों ने घर-घर में अग्नि प्रज्वलित कर प्रह्लाद की रक्षा करने के लिए अग्निदेव से प्रार्थना की थी। लोकहृदय को प्रह्लाद ने कैसे जीत लिया था, यह बात इस घटना में प्रतिबिंबित होती है। अग्निदेव ने लोगों के अंत:करण की प्रार्थना को स्वीकार किया और लोगों की इच्छा के अनुसार ही हुआ। होलिका नाष्ट हो गई और अग्नि की कसौटी में से पार उतरा हुआ प्रह्लाद नरश्रेष्ठ बन गया। प्रह्लाद को बचाने की प्रार्थना के रूप में प्रारंभ हुई घर-घर की अग्नि पूजा ने कालक्रमानुसार सामुदायिक पूजा का रूप लिया और उससे ही गली-गली में होलिका की पूजा प्रारंभ हुई।

## नियम और पूजा विधि

हिंदू शास्त्रों के अनुसार होलिका दहन भद्रा रहित काल या विशेष स्थिति में पुच्छ काल में पूर्णिमा तिथि के प्रबल होने पर ही किया जाना चाहिए। घर में सुख-शांति और समृद्धि के लिए दहन से पहले होलिका पूजा का विशेष महत्व होता है। होलिका पूजन करते समय अपना मुंह पूर्व या उत्तर की ओर करके बैठें। पूजन की थाली में पूजा सामग्री जैसे: रोली, पुष्प, माला, नारियल, कच्चा सूत, साबुत हल्दी, मूंग, गुलाल और पांच तरह के अनाज, गेहूं की बालियां व एक लोटा जल लेना चाहिए। होलिका के चारों ओर सहपरिवार सात परिक्रमा करके कच्चा सूत लपेटना शुभ होता है। इसके पश्चात विधिवत तरीके से पूजन के बाद होलिका को जल का अर्घ्य दें और सूर्यास्त के बाद भद्रा रहित काल में होलिका का दहन करें। होलिका दहन की राख बेहद पवित्र मानी जाती है। इसलिए होलिका दहन के अगले दिन सुबह के समय इस राख को शरीर पर मलने से समस्त रोग और दुखों का नाश किया जा सकता है। होली हमें सिखाती है कि बाहरी रंगों से पहले अंतरात्मा को रंगना जरूरी है और जब अहंकार जलता है और भक्ति जागती है, तभी होली में सच्चा उत्सव आता है। यही होली का वास्तविक संदेश है।

# बृज की होली: भक्ति रस का आनंद उत्सव

बृज की होली बृजवासियों के लिए केवल एक पर्व नहीं है, अपितु भक्ति एवं प्रेम का जीवंत उत्सव है। बृज राधा-कृष्ण की एक पावन भूमि है, जहां ठाकुर की बाल लीलाएं, रास एवं प्रेम क्रीड़ा आज भी बृजवासियों के हृदय में धड़कती है। यहां होली रंगों से पहले भावों से खेली जाती है। राधा कृष्ण तो बृज के कण-कण में विराजमान हैं। बृज की होली की सबसे बड़ी विषेशता इसकी विविधता है- यहां रंग और गुलाल केवल उड़ाया ही नहीं जाता, बल्कि प्रेम के विभिन्न स्वरूपों में जिया जाता है। बृज में होली रंगों से नहीं- भावों से खेली जाती है। यहां गुलाल वायुमंडल में नहीं उड़ता अपितु आत्मा पर उतरता है। फागुन की बयार कालिंदी के तट से उठकर राधा के मान एवं कृष्ण की मुस्कान के साथ बहने लगती है। बृज की होली रंगों का नहीं रस का पर्व है।

अशोक सूरी
आध्यात्मिक लेखक

**चालीस दिन का होलिकोत्सव–** बृज का होली उत्सव वसंत पंचमी से प्रारंभ होकर रंग पंचमी तक लगभग 40 दिन तक चलता है। सारे भारत में बृज की होली अद्वितीय होती है–"सब जग होरी, जा बृज होरी" बृज के मंदिरों में वसंत पंचमी से ही फाग गायन प्रारंभ हो जाता है–'आज बिरज में होरी रे रसिया, होरी रे रसिया, बरजोरी रे रसिया घर-घर से आई बृज के नारी कोई श्यामल, कोई गोरी रे रसिया'। बृज की होली में मुख्यतया– बरसाना की लट्ठमार होली, वृंदावन की फूलों की होली, गोकुल की छड़ीमार होली और दाऊजी का कपड़ा फार होरंगा प्रसिद्ध है। परंतु भक्तों में विशेष चाव तो बरसाने की होली का ही होता है। बरसाने की होली के बिना तो बृज की होली का चित्रण अधूरा और रसहीन है। बरसाने की होली एक सप्ताह पूर्व अष्टमी से प्रारंभ हो जाती है। सारे भारत से राधा रानी के भक्त अष्टमी से जुटने शुरू हो जाते हैं। फागुन शुक्ल पक्ष की अष्टमी को राधारानी के महल में लड्डू होली होती है। परंपरा के अनुसार राधारानी के पिता वृषभान जी ने बरसाने से नंदगांव नंद बाबा को खेलने का निमंत्रण भेजा, जो बाबा ने स्वीकार कर लिया और इसकी सूचना अपने पुरोहित को बरसाने भेजकर दी कि कृष्ण ग्वाल बालों सहित बरसाने होली खेलने आएंगे। इस सुखद समाचार से बरसाने में खुशी की लहर दौड़ गई और बरसाने वालो ने पुरोहित जी को थाल भरकर लड्डू खिलाए। प्रेम की अधिकता में गोपियों ने पुरोहित जी पर लड्डू फेंकने प्रारंभ कर दिए। पुरोहित जी ने भी उनके साथ लड्डूओं की होली खेली। इसी परंपरा को आज भी निभाते हुए भारी मात्रा में लड्डू मंगाए जाते हैं और श्रद्धालु इन लड्डूओं को प्रसाद के रूप में लूटते हैं– बरसाने के लोग पंडा नृत्य करते हुए उत्सव मनाते हैं और नवमी की होली की तैयारी करते हैं।

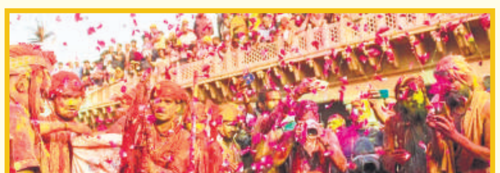

## श्रीबांके बिहारी की होली

वृंदावन की होली–अर्थात श्रीबांके बिहारी की होली। यद्यपि होली उत्सव तो वसंत पंचमी से शुरू हो जाता है। बांके बिहारी सहित सप्त देवालयों में ठाकुर को गुलाल अर्पण किया जाता है। परंतु बांके बिहारी की प्रसिद्ध फूलों की होली फाल्गुन शुक्ल पक्ष की एकादशी आमल की एकादशी से प्रारंभ होती है। इसे रंगभरी एकादशी कहते हैं। वाराणसी में बाबा विश्वनाथ की होली भी इसी दिन प्रारंभ होती है। वृंदावन में होली का असली रंग एकादशी के बाद ही चढ़ना शुरू होता है। वृंदावन में जब गुलाल उड़ता है, तो उसका रंग आंखों में नहीं अपितु हृदय में भरता है। प्रत्येक आए हुए श्रद्धालु का मन करता है कि कोई बृजवासी उस पर रंग डाल दे। बांके बिहारी मंदिर में टेसू के फूलों से बने रंग से जो भीग जाता है– वह अपना जन्म सफल समझता है। यहां प्रेम ही सबसे गहरा रंग है। यहां राधे-राधे के उच्चारण से मन का मैल धुलता है और अहंकार गल जाता है। वृंदावन की गलियों में साधु, गृहस्थ और विदेशी भक्त भी एक साथ रंग में भीगते हैं।

## छड़ीमार होली

गोकुल की छड़ीमार होली में बाल कृष्ण के भाव में लाठियों की जगह छोटी छड़ियों का प्रयोग होता है। बृज की होली उत्सवों में दाऊजी का होरंगा भी प्रसिद्ध है, जिसे देखने दूर-दूर से भक्त आते हैं। बृज की होली में 'समाज गायन' एक अत्यंत प्राचीन शास्त्रीय और अनुशासित परंपरा है। समाज गायन बृज की होली की आत्मा है। यह एक संगीतमय आध्यात्मिक गोष्ठी है, जिसमें सभी आमने-सामने बैठकर राधा-कृष्ण की लीलाओं का गायन करते हैं। समाज गायन पूरी तौर पर शास्त्रीय रागों पर आधारीत होता है। इसमें मुख्य गायक पद की एक पंक्ति गाता है और पूरा समूह उसे उच्च स्वर में दोहराता है। समाज गायन के पदों की रचना मध्यकालिन संत कवियों– सूरदास, कुंभनदास, श्री भट्ट और हरिवंश महाप्रभु द्वारा की गई। समाज गायन मुख्यतया नंदगांव और बरसाने में होली और राधाष्टमी के अवसर पर किया जाता है। समाज गायन का एक प्रसिद्ध अंश– "खेलन आए हैं होरी कुंवर कन्हाई। वृषभान की पौरी पे, मच रही आज धमा चैकड़ी आई।।"

बृज की होली हमें संदेश देती है कि प्रेम में कोई भेदभाव नहीं कोई ऊंच-नीच नहीं। न स्त्री पुरुष और न ही भक्त-भगवंत का अंतर। होली पर भगवान स्वयं भक्त बन जाते हैं। यहां भक्त स्वयं को गोपी या सखा मानकर ईश्वर के साथ एकाकार होने का प्रयास करता है– सारा भेदभाव मिट जाता है और चहुं ओर केवल राधे-राधे की गूंज सुनाई पड़ती है। बृज की होली और फाग भारतीय संस्कृति की एक अनमोल धरोहर है, जो हमें प्रेम और भाईचारे का संदेश देती है।

पौराणिक कथा

# धर्म और भक्ति की जीत

प्राचीन काल में हिरण्यकशिपु नामक असुर राजा था। उसने कठोर तपस्या कर वरदान प्राप्त किया कि वह न दिन में मरेगा, न रात में, न घर के भीतर, न बाहर, न किसी मनुष्य से, न पशु से और न किसी अस्त्र-शस्त्र से। इस वरदान के बल पर वह अहंकारी हो गया और स्वयं को ही ईश्वर मानने लगा। उसने अपने राज्य में विष्णु-भक्ति पर प्रतिबंध लगा दिया और प्रजा को भयभीत कर दिया। उसका पुत्र प्रह्लाद बचपन से ही भगवान विष्णु का परम भक्त था। गुरुकुल में भी वह अपने साथियों को भक्ति, करुणा और सत्य का पाठ पढ़ाता था। पिता के अनेक समझाने, डांटने और दंड देने पर भी प्रह्लाद की भक्ति अटल रही। क्रोधित होकर हिरण्यकशिपु ने उसे अनेक यातनाएं दीं। कभी ऊंचे पर्वत से गिरवाया, कभी विषैले सर्पों के बीच डलवाया, कभी विष पिलाया, तो कभी हाथियों से कुचलवाने का प्रयास किया। परंतु हर बार विष्णु-कृपा से प्रह्लाद सुरक्षित बच गया और उसका विश्वास और दृढ़ होता गया। अंतत: हिरण्यकशिपु ने अपनी बहन होलिका को बुलाया, जिसे अग्नि से न जलने का वरदान प्राप्त था। योजना बनी कि होलिका प्रह्लाद को गोद में लेकर अग्नि में बैठेगी, जिससे प्रह्लाद जल जाएगा। अग्नि प्रज्वलित हुई। होलिका प्रह्लाद को लेकर अग्नि में बैठ गई, परंतु ईश्वर की कृपा से वरदान निष्फल हो गया। होलिका जलकर भस्म हो गई और प्रह्लाद सुरक्षित बाहर निकल आया।

इस घटना के बाद लोगों के मन में विश्वास जगा कि सच्ची भक्ति की रक्षा स्वयं भगवान करते हैं। तभी से बुराई पर अच्छाई की विजय के प्रतीक रूप में होलिका दहन की परंपरा प्रचलित हुई। इस घटना से क्रुद्ध होकर हिरण्यकशिपु ने प्रह्लाद से पूछा–"तेरा विष्णु कहां है?" प्रह्लाद ने निडर होकर उत्तर दिया– "वे कण-कण में विद्यमान हैं।" यह सुनकर उसने महल के एक स्तंभ पर प्रहार किया। उसी क्षण स्तंभ से भगवान नरसिंह प्रकट हुए न आधे मनुष्य, न पूर्ण पशु। संध्या समय, महल की दहलीज पर, अपने नखों से हिरण्यकशिपु का वध किया, इस प्रकार वरदान की सभी शर्तें भंग हो गईं। प्रह्लाद को राज्य का उत्तराधिकारी बनाया गया। उसने न्याय, धर्म और दया के मार्ग पर चलकर प्रजा का कल्याण किया। यह कथा अटूट आस्था, धैर्य और सत्य की विजय का संदेश देती है। चाहे अत्याचार कितना ही प्रबल क्यों न हो, अंतत: धर्म और भक्ति की ही जीत होती है।

# पत्नी या पति हो रहे हैं चिड़चिड़े, ये है गंभीर खतरे की निशानी

क्या आपकी पत्नी या पति तनाव, एंग्जायटी और मूड स्विंग्स से परेशान हैं? वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर की दिशाओं और ऊर्जा प्रवाह में दोष होने से पारिवारिक सदस्यों में मानसिक अशांति पैदा हो सकती है। इस लेख में हम वास्तु दोषों के कारणों और सरल उपायों पर चर्चा करेंगे, ताकि आप सुखी वैवाहिक जीवन प्राप्त कर सकें।

आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
ज्योतिष एवं वास्तु विशेषज्ञ

## वास्तु दोषों के प्रमुख कारण

वास्तु शास्त्र कहता है कि घर उत्तर-पूर्व दिशा चंद्रमा से प्रभावित होती है, जो मन और भावनाओं का कारक है। अगर इस दिशा में शौचालय, जूते या कचरा रखा हो, तो चंद्रमा कमजोर हो जाता है, जिससे तनाव, एंग्जायटी और मूड स्विंग्स बढ़ते हैं। पति-पत्नी के बीच अनावश्यक झगड़े भी इसी से उत्पन्न होते हैं। दक्षिण-पश्चिम दिशा पृथ्वी तत्व की है, जो स्थिरता देती है, यहां रसोई या पानी की टंकी होने से भावनात्मक अस्थिरता आती है। बेडरूम में दर्पण बिस्तर के सामने होना या सिर दक्षिण की ओर रखकर सोना भी वास्तु दोष पैदा करता है। इससे नकारात्मक ऊर्जा प्रतिबिंबित होकर रिश्तों में तनाव बढ़ाता है। इसके अलावा, घर के केंद्र (ब्रह्मस्थान) में भारी सामान या अव्यवस्था से मानसिक दबाव बढ़ता है। महिलाओं में मूड स्विंग्स का एक कारण पूर्व दिशा में अवरोध भी है, जो सूर्य ऊर्जा को रोकता है।

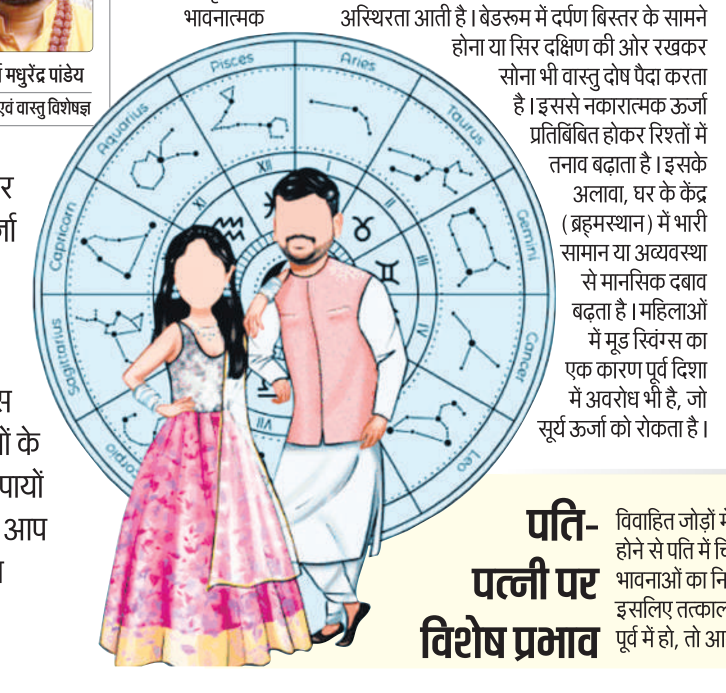

## तत्काल राहत के लिए उपाय

- सबसे पहले उत्तर-पूर्व को साफ करें। यहां शिवलिंग या चंद्र यंत्र स्थापित करें। रोज चांदी के लोटे में पानी भरकर रखें और सुबह सूर्य को अर्घ्य दें। इससे चंद्रमा मजबूत होगा और मूड स्विंग्स कम होंगे। श्री यंत्र को ब्रह्मस्थान में रखें, जो नकारात्मक ऊर्जा को सोख लेगा।
- बेडरूम में दर्पण को रात में ढक दें या पूर्व की दीवार पर लगाएं। सिर पूर्व या उत्तर की ओर रखकर सोएं। बिस्तर के नीचे कुछ न रखें। रोज ताजे फूल, जैसे गुलाब या चमेली, रखें और लैवेंडर खुशबू का उपयोग करें। इससे सकारात्मक वायु प्रवाह होगा।

## दिशा अनुसार विस्तृत सुधार

**उत्तर-पूर्व (ईशान कोण):** पूजा घर बनाएं। क्रिस्टल या स्फटिक बॉल रखें। अगर वहां शौचालय हो, तो वास्तु यंत्र और नमक का पिरामिड रखें। इससे एंग्जायटी 70 प्रतिशत कम हो सकती है।

**दक्षिण-पश्चिम (नैऋत्य):** भारी अलमारी या तिजोरी रखें। यहां लाल बल्ब जलाएं। पत्नी इसी दिशा में आकर मेकअप यानी श्रृंगार करें। उनकी ड्रेसिंग टेबल इसी दिशा में होनी चाहिए।

**दक्षिण-पूर्व (आग्नेय):** रसोई सही जगह पर हो। अगर नहीं, तो तुलसी यंत्र लगाएं और पति का अध्ययन कक्ष पूर्व में रखें।

**उत्तर-पश्चिम (वायव्य):** अतिथि कक्ष या बच्चों का कमरा। यहां हवा का प्रवाह रखें। बंद खिड़की दोष पैदा करती है।

किचन में गैस दक्षिण-पूर्व कोने में हो और फ्रिज उत्तर-पश्चिम में होनी चाहिए। ये छोटे बदलाव तनाव को जड़ से खत्म करेंगे।

## दैनिक वास्तु टिप्स

सुबह उठकर घर की प्रदक्षिणा करें। कोने साफ रखें। ध्यान पूर्व दिशा में करें। पति-पत्नी संयुक्त रूप से तुलसी पूजा करें। नींद से पहले गहरी सांस लें। इनसे कोर्टिसोल हार्मोन संतुलित होगा।

**दीर्घकालिक लाभ और सावधानियां**

वास्तु सुधार से 21 दिनों में बदलाव दिखेगा। पारिवारिक सुख बढ़ेगा, व्यापार में स्थिरता आएगी।

**सावधानी:** प्लास्टिक सामान कम करें, लकड़ी का उपयोग बढ़ाएं। अगर घर किराए का हो, तो पिरामिड यंत्र हर कमरे में लगाएं और अगर संभव हो, तो किसी विशेषज्ञ से व्यक्तिगत वास्तु पत्रिका बनवाएं। इन उपायों से न केवल तनाव दूर होगा, बल्कि वैवाहिक जीवन आनंदमय बनेगा। वास्तु शास्त्र प्रकृति के साथ सामंजस्य सिखाता है।

## पति-पत्नी पर विशेष प्रभाव

विवाहित जोड़ों में ये दोष पत्नी को अधिक प्रभावित करते हैं, क्योंकि वह घर का मुख्य संचालन करती हैं। उत्तर दिशा में किचन या बाथरूम होने से पति में चिड़चिड़ापन आता है, जो व्यापार या नौकरी में भी असर डालता है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार, चंद्रमा की कमजोरी से भावनाओं का नियंत्रण नहीं रहता, जिससे छोटी बातों पर कलह होता है। वर्तमान ग्रह गोचर में शनि का प्रभाव भी इन दोषों को बढ़ा रहा है, इसलिए तत्काल सुधार जरूरी है। मानसिक तनाव से नींद की कमी होती है, जो एंग्जायटी को दोगुना कर देती है। अगर बेडरूम दक्षिण-पूर्व में हो, तो आग तत्व असंतुलित होकर गुस्सा बढ़ाता है। ऐसे में पार्टनर एक-दूसरे को समझ नहीं पाते।

| बाजार | सेंसेक्स ↓ | निफ्टी ↓ |
|---|---|---|
| बंद हुआ | 80,238.85 | 24,865.70 |
| गिरावट | 1,048.34 | 312.95 |
| प्रतिशत में | 1.29 | 1.24 |

सोना 173,000 प्रति 10 ग्राम

चांदी 300,000 प्रति किलो


अमृत विचार

कानपुर, मंगलवार, 3 मार्च 2026

www.amritvichar.com




## बिजनेस ब्रीफ

### कॉफी डे एंटरप्राइजेज पर 38 लाख का जुर्माना

**नई दिल्ली :** बाजार नियामक सेबी ने वित्तीय लेखाजोखा (अकाउंटिंग) और प्रकटीकरण नियमों का उल्लंघन करने के लिए कॉफी डे एंटरप्राइजेज लिमिटेड और उसके अधिकारियों पर कुल 38 लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। सेबी के आदेश के अनुसार, कंपनी ने अपने तिमाही और वार्षिक वित्तीय परिणाम तैयार करने में निर्धारित भारतीय लेखा मानकों का पालन नहीं किया। इसके अलावा, कंपनी कानून 2013 के तहत तय मानकों से विचलन के कारणों का खुलासा न करने को भी गंभीरता से लिया गया है। नियामक ने पाया कि कंपनी ने पारदर्शी वित्तीय विवरण पेश करने की अनिवार्य शर्तों की अनदेखी की।

### बुनियादी ढांचे में निवेश बढ़ाने जोर : वित्त मंत्री

**नई दिल्ली :** वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने सोमवार को 'एशियन अवसंरचना निवेश बैंक' (AIIB) की नवनियुक्त अध्यक्ष जोउ जियायी से मुलाकात की। इस दौरान भारत और AIIB के बीच रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने पर विस्तृत चर्चा हुई। वित्त मंत्री ने विशेष रूप से कम आय वाले सदस्य देशों में नवाचार आधारित वित्तीय साधनों के माध्यम से निवेश बढ़ाने की आवश्यकता पर बल दिया। गौरतलब है कि AIIB में 8.5 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ भारत, चीन के बाद दूसरा सबसे बड़ा शेयरधारक है। वित्त मंत्रालय के अनुसार, यह बैठक भविष्य में भारत की बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए वित्तपोषण के नए रास्ते खोलने में सहायक होगी।

### सुनील मित्तल ने बताई उत्तराधिकार योजना

**नई दिल्ली :** भारती एंटरप्राइजेज के अध्यक्ष सुनील भारती मित्तल ने समूह के लिए अपनी उत्तराधिकार योजना साझा की है। इसके तहत भारती एयरटेल की प्रवर्तक कंपनी भारती टेलीकॉम में उनके परिवार की अगली पीढ़ी की हिस्सेदारी बढ़ेगी। निवेशकों के साथ बैठक में मित्तल ने स्पष्ट किया कि उनके बच्चे श्राविन, कविन और ईशा वर्तमान में एयरटेल से बाहर स्वतंत्र रूप से अपना व्यवसाय चला रहे हैं। उन्होंने कहा कि अगली पीढ़ी अपनी चुनौतियों और विफलताओं से सीखकर अनुभव प्राप्त कर रही है, ताकि भविष्य में वे शेयरधारक स्तर पर अधिक सक्रिय भूमिका निभा सकें। इस योजना का उद्देश्य पेशेवर प्रबंधन और पारिवारिक स्वामित्व के बीच संतुलन बनाना है।

# कर्मचारी भविष्य निधि जमा पर ब्याज की दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार

## ईपीएफओ के इस फैसले से देश के करीब 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों को सीधा लाभ मिलेगा

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्मचारी भविष्य निधि संगठन (ईपीएफओ) ने सोमवार को भविष्य निधि जमा पर 2025-26 के लिए ब्याज दर 8.25 प्रतिशत पर बरकरार रखी। यह लगातार तीसरा वर्ष है जब ब्याज दर को इस स्तर पर रखा गया है। पिछले वर्ष फरवरी में, ईपीएफओ ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए 8.25 प्रतिशत ब्याज दर को बरकरार रखा था। ईपीएफओ के इस फैसले से देश के करीब 7 करोड़ से अधिक अंशधारकों को सीधा लाभ मिलेगा। आप अपने पीएफ बैलेंस और ब्याज की स्थिति EPFO Unified Portal पर देख सकते हैं।

ईपीएफओ ने 2024 में ब्याज दर को बढ़ाकर 2023-24 के लिए 8.25 प्रतिशत कर दिया था, जो 2022-23 में 8.15 प्रतिशत थी। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया की अध्यक्षता में सोमवार को केंद्रीय न्यासी बोर्ड (सीबीटी) ने अपनी बैठक में 2025-26 के लिए कर्मचारी भविष्य निधि (ईपीएफ) पर 8.25 प्रतिशत का ब्याज देने की सिफारिश की है। ईपीएफओ के निर्णय लेने वाले शीर्ष निकाय सीबीटी की सिफारिश पर वित्त मंत्रालय मंजूरी देगा। सरकार द्वारा ब्याज दर आधिकारिक रूप से अधिसूचित करने के बाद ईपीएफओ अंशधारकों के खातों में ब्याज जमा करेगा। मंत्रालय ने कहा कि वैश्विक अनिश्चितताओं के बावजूद, ईपीएफओ ने मजबूत वित्तीय अनुशासन बनाए रखा है। इससे ब्याज खाते पर दबाव डाले बिना स्थिर और प्रतिस्पर्धी रिटर्न सुनिश्चित किया जा रहा है।

सीबीटी ने आयकर विभाग द्वारा मान्यता प्राप्त उन ट्रस्ट के मामले में संबंधित अनुपालन मुद्दों को हल करने के लिए एकमुश्त माफी योजना को भी मंजूरी दी है, जो अभी तक कर्मचारी भविष्य निधि और विविध प्रावधान अधिनियम, 1952 के अंतर्गत नहीं आते हैं या जिन्हें छूट नहीं दी गई है। इसमें वित्त अधिनियम, 2026 के प्रावधानों को भी ध्यान में रखा गया है। प्रस्तावित योजना का उद्देश्य प्रतिष्ठानों और न्यासों को एक निर्धारित छह महीने की अवधि के भीतर अनुपालन के दायरे में लाना है। निष्क्रिय खातों के निपटान के लिए, बोर्ड ने 1,000 रुपये या उससे कम की राशि वाले निष्क्रिय ईपीएफओ खातों में दावा निपटान की स्वतः शुरुआत के लिए एक पायलट परियोजना को मंजूरी दी। पायलट परियोजना की सफलता के आधार पर, इस सुविधा को बाद के चरणों में 1,000 रुपये से अधिक की राशि वाले खातों तक बढ़ाया जाएगा, जिससे ईपीएफओ में सदस्य-केंद्रित सुधारों को और मजबूती मिलेगी।

बोर्ड ने एक पारदर्शी और समयबद्ध ढांचे को संस्थागत रूप देने के लिए एक व्यापक मानक परिचालन प्रक्रिया (एसओपी) को मंजूरी दी।

- ईपीएफओ ने निष्क्रिय खातों के निपटान के लिए नई पहल को मंजूरी दी

- पीएफ बैलेंस और ब्याज की स्थिति EPFO Unified Portal पर देख सकते हैं

- 1,000 रुपये या उससे कम राशि वाले निष्क्रिय खातों में स्वतः दावा निपटान को पायलट प्रोजेक्ट शुरू

### पैसे कैसे वापस मिलेंगे?

जिन लोगों के EPF खाते आधार से जुड़े हुए हैं और बैंक खाते भी लिंक हैं, उनके खाते में पैसे सीधे ट्रांसफर हो जाएंगे। कोई क्लेम फॉर्म भरने या कागजात जमा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। अगर खाता धारक का निधन हो चुका है, तो रजिस्टर्ड नॉमिनी या कानूनी वारिस को रकम मिलेगी।

### क्या होते हैं निष्क्रिय खाते

ईपीएफ खाता तब निष्क्रिय माना जाता है जब उसमें 36 महीने से ज्यादा समय तक न तो कर्मचारी की तरफ से और न ही कंपनी की तरफ से कोई योगदान आता है। ज्यादातर ऐसे खाते नौकरी बदलने वाले लोगों, रिटायर हो चुके लोगों या जिन्होंने पुराने खाते भूल गए हैं, उनमें होते हैं। कुल मिलाकर देश में 31.86 लाख निष्क्रिय ईपीएफ खाते हैं, जिनमें कुल 10,903 करोड़ रुपये जमा हैं। अभी यह अभियान छोटी रकम वाले खातों से शुरू किया जा रहा है।

### सीधे आपके बैंक अकाउंट में आएगा निष्क्रिय पीएफ खातों का पैसा

नई दिल्ली। देश में सात लाख से ज्यादा ऐसे खाते हैं जहां हर खाते में 1,000 रुपये या उससे कम रकम बची हुई है। इन सबमें कुल 30.52 करोड़ रुपये पड़े हैं, जिन्हें अब सदस्यों या उनके वारिसों को लौटाया जाएगा।

# कच्चा तेल 9% महंगा, पर पेट्रोल-डीजल की कीमतें बढ़ने के आसार नहीं

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान पर अमेरिका और इजरायल के हमलों के बाद अंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चे तेल की कीमतों में करीब 9 प्रतिशत का जोरदार उछाल आया है। इसके बावजूद, भारतीय उपभोक्ताओं के लिए राहत की बात यह है कि देश में पेट्रोल और डीजल की खुदरा कीमतों में निकट भविष्य में बढ़ोतरी की संभावना नहीं है।

**ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर के करीब :** सैन्य संकट गहराने के बाद वैश्विक मानक ब्रेंट क्रूड 80 डॉलर प्रति बैरल के स्तर के करीब पहुंच गया है। वहीं, अमेरिकी कच्चा तेल (WTI) 8.6 प्रतिशत की बढ़त के साथ 72.79 डॉलर पर आ गया है, जो शुक्रवार को करीब 67 डॉलर प्रति बैरल था।

भारत अपनी कच्चे तेल की जरूरतों का 88 प्रतिशत आयात करता है, ऐसे में वैश्विक कीमतों में वृद्धि से आयात बिल और महंगाई का दबाव बढ़ना तय है।

### क्यों नहीं बढ़ेंगे दाम?

सूत्रों के अनुसार, सरकारी तेल कंपनियां–IOC, BPCL और HPCL–एक सुविचारित नीति के तहत काम कर रही हैं। जब अंतरराष्ट्रीय कीमतें कम होती हैं, तो ये कंपनियां अपना मार्जिन (मुनाफा) बढ़ा लेती हैं, और जब कीमतें बढ़ती हैं, तो उस मुनाफे का उपयोग उपभोक्ताओं को राहत देने और कीमतों को स्थिर रखने में किया जाता है।

**स्थिरता :** देश में पेट्रोल और डीजल की कीमतें अप्रैल 2022 से मोटे तौर पर स्थिर बनी हुई हैं।

**रणनीति :** सरकार की मंशा फिलहाल वैश्विक अस्थिरता का बोझ आम आदमी पर न डालने की है, भले ही तेल कंपनियों को अल्पकालिक घाटा उठाना पड़े।

# फरवरी में रिकॉर्ड 4.25 लाख यात्री वाहन बिक्री

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में घरेलू यात्री वाहनों (पीवी) की थोक बिक्री फरवरी में एक साल पहले के मुकाबले 11.4 प्रतिशत बढ़कर लगभग 4,25,000 वाहन हो गई। एसयूवी यानी स्पोर्ट यूटिलिटी व्हीकल्स की मांग और पिछले साल सितंबर में जीएसटी दरों में बदलाव से वाहनों की बिक्री में तेजी आयी है।

देश की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजूकी इंडिया लिमिटेड ने लगभग 1,61,000 वाहनों के साथ गाड़ियों की थोक बिक्री में सालाना आधार पर मामूली वृद्धि दर्ज की, क्योंकि उसने ग्राहकों की प्रतीक्षा अवधि को नियंत्रित रखने के लिए मॉडलों के उत्पादन को संतुलित किया। मारुति सुजूकी के वरिष्ठ कार्याधिकारी (विपणन और बिक्री) पार्थो बनर्जी ने एक वीडियो प्रेस कॉन्फ्रेंस के दौरान कहा कि

कंपनी ने मासिक आधार पर अपने उत्पादन मिश्रण को समायोजित किया। दिसंबर में ऑल्टो जैसे मिनी मॉडल, जनवरी में वैगन आर जैसी कॉम्पैक्ट कारों और फरवरी में यूटिलिटी वाहनों के उत्पादन में बदलाव किया, ताकि बैकलॉग बढ़े बिना मांग को पूरा किया जा सके। परिणामस्वरूप, फरवरी के अंत में औसत प्रतीक्षा अवधि लगभग 12 दिन रह गई।

हालांकि रिटेल बिक्री मजबूत बनी रही। मारुति सुजूकी की रिटेल बिक्री सालाना आधार पर करीब 12 फीसदी बढ़कर 1,51,000 वाहन हो गई।

# टीसीएस- विप्रो ने टालीं यात्राएं, नैसकॉम की 'वर्क फ्रॉम होम' की सलाह

**नई दिल्ली:** पश्चिम एशिया में गहराते सैन्य संघर्ष और हवाई क्षेत्र बंद होने के बीच भारतीय आईटी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों टीसीएस और विप्रो ने अपने कर्मचारियों की सुरक्षा के मद्देनजर खाड़ी देशों की सभी यात्राएं स्थगित कर दी हैं। कंपनियों ने प्रभावित क्षेत्रों में मौजूद सहयोगियों के लिए सख्त सुरक्षा परामर्श जारी किए हैं। आईटी उद्योग के संगठन नैसकॉम ने भी सदस्य कंपनियों से आग्रह किया है कि वे युद्ध प्रभावित क्षेत्रों में कार्यरत कर्मचारियों के लिए 'घर से काम' की व्यवस्था लागू करें। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस ने स्पष्ट किया है कि उसके कर्मचारियों को घर के अंदर रहने और स्थानीय अधिकारियों के निर्देशों का पालन करने की सलाह दी गई है। यह कदम क्षेत्र में बढ़ती अनिश्चितता और अंतरराष्ट्रीय उड़ानों में आ रहे व्यवधानों को देखते हुए उठाया गया है।

# ईरान-इजरायल तनाव से बाजार धड़ाम सेंसेक्स 1048 अंक तक लुढ़का

मुंबई, एजेंसी

पश्चिम एशिया में गहराते भू-राजनैतिक संकट और ईरान-इजरायल के बीच शुरू हुए सीधे सैन्य टकराव ने सोमवार को भारतीय शेयर बाजार में कोहराम मचा दिया। सप्ताह के पहले ही दिन निवेशकों में भारी घबराहट देखी गई, जिससे बीएसई का संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 1,048.34 अंक (1.29%) की भारी गिरावट के साथ 80,238.85 के स्तर पर बंद हुआ। यह 2 सितंबर 2025 के बाद का सबसे निचला स्तर है।

**खुलते ही स्वाहा हुए अरबों रुपये :** बाजार की शुरुआत बेहद डरावनी रही। सुबह सेंसेक्स 2,743 अंकों की विशाल गिरावट के साथ 78,543 अंक पर खुला था, जिससे एक ही झटके में निवेशकों के अरबों रुपये डूब गए। नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी भी 312.95 अंक (1.24%) फिसलकर 24,865.70 अंक पर आ गया।

### कंपनियों को अब महंगाई और निर्यात का डर

**नई दिल्ली/मुंबई, एजेंसी।** पश्चिम एशिया (मिडल ईस्ट) में गहराते सैन्य संकट ने सोमवार को भारतीय अर्थव्यवस्था और बाजार में हलचल पैदा कर दी। दिग्गज कंपनियों ने लागत बढ़ने और निर्यात प्रभावित होने की आशंका जताई है। बिस्कुट कंपनी पारले प्रोडक्ट्स के उपाध्यक्ष मयंक शाह ने चेतावनी दी कि कच्चा तेल महंगा होने से पैकेजिंग और माल ढुलाई की लागत बढ़ेगी। इसका सीधा असर उपभोक्ताओं की जेब पर पड़ सकता है। देश की सबसे बड़ी कार कंपनी मारुति सुजुकी ने कहा कि वह निर्यात पर पड़ने वाले असर की बारीकी से निगरानी कर रही है।

### गिरावट के प्रमुख कारण:

**युद्ध का संकट :** 28 फरवरी को ईरान पर अमेरिका-इजरायल के हमले और ईरान की जवाबी कार्रवाई ने निवेशकों को सुरक्षित निवेश (जैसे सोना) की ओर भागने पर मजबूर कर दिया। बाजार में अस्थिरता मापने वाला सूचकांक 'इंडिया वीआईएक्स' 25 के पार पहुंच गया, जो बाजार में छाई गहरी अनिश्चितता को दर्शाता है। चौतरफा बिकवाली : मझौली और छोटी कंपनियों के शेयरों में 1.5% से 1.75% तक की गिरावट रही।

### किन पर पड़ी सबसे ज्यादा मार?

सबसे ज्यादा नुकसान एविएशन और ऑटो सेक्टर को हुआ। तेल की कीमतें बढ़ने की आशंका में इंडिगो का शेयर 6.25% टूट गया। इसके अलावा एलएंडटी, अडाणी पोर्ट्स, मारुति सुजुकी और रिलायंस इंडस्ट्रीज के शेयरों में भी बड़ी गिरावट दर्ज की गई।

### रुपये में भी रिकॉर्ड गिरावट

विदेशी संस्थागत निवेशकों की लगातार बिकवाली और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों के दबाव में भारतीय रुपया भी डॉलर के मुकाबले 91.52 के सर्वकालिक निचले स्तर पर बंद हुआ।

# भारत-कनाडा में 50 अरब डॉलर के व्यापार का लक्ष्य

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत और कनाडा ने सोमवार को अपने आर्थिक रिश्तों में एक नया अध्याय जोड़ते हुए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) के लिए आधिकारिक तौर पर बातचीत शुरू कर दी। नई दिल्ली के हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की गरिमामयी उपस्थिति में इसके संदर्भ की शर्तों पर हस्ताक्षर किए गए। भारत की ओर से वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस महत्वपूर्ण दस्तावेज पर मुहर लगाई। दोनों देशों ने इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने का संकल्प लिया है।

भारत-कनाडा सीईओ मंच को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कनाडाई निवेशकों को भारत की विकास यात्रा में भागीदार बनने का खुला निमंत्रण दिया। उन्होंने कहा

- पीएम मोदी ने निवेशकों को दिया 'ग्रोथ स्टोरी' का न्योता

कि सुधारों पर ध्यान केंद्रित करने और कारोबार सुगमता ने भारतीय अर्थव्यवस्था को नई मजबूती दी है। मोदी ने बताया कि सरकार ने बजट 2026-27 में बुनियादी ढांचे के विकास के लिए 130 अरब डॉलर का रिकॉर्ड आवंटन किया है, जो वैश्विक निवेशकों के लिए निवेश का एक स्वर्णिम अवसर है। प्रधानमंत्री ने घोषणा की कि दोनों देश वर्ष 2030 तक द्विपक्षीय व्यापार को 50 अरब डॉलर के महत्वाकांक्षी स्तर तक पहुंचाने पर सहमत हुए हैं। वर्तमान में (जनवरी-अक्टूबर 2025 के दौरान) यह व्यापार लगभग 8 अरब डॉलर रहा है। प्रधानमंत्री ने जोर देकर कहा कि वैश्विक आर्थिक दबावों के इस दौर में भारत और कनाडा की 'पूंजी और क्षमता' मिलकर एक ठोस वैश्विक आर्थिक शक्ति का प्रतिनिधित्व करती हैं।

### भारत और कनाडा के बीच मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू

**नई दिल्ली :** भारत और कनाडा ने व्यापारिक रिश्तों को मजबूती देने के लिए व्यापक आर्थिक साझेदारी समझौते (CEPA) पर आधिकारिक तौर पर बातचीत शुरू कर दी है। सोमवार को हैदराबाद हाउस में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और कनाडाई प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मौजूदगी में इस संबंध में दस्तावेज (TOR) साझा किए गए। केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल और कनाडाई मंत्री मनिंदर सिद्धू ने इस समझौते की रूपरेखा पर हस्ताक्षर किए। आधिकारिक बयान के अनुसार, दोनों देश इस समझौते को जल्द से जल्द अंतिम रूप देने के लिए सहमत हुए हैं, जिससे द्विपक्षीय व्यापार और निवेश को नई गति मिलने की उम्मीद है।

### क्या होगा लाभ

निर्यात में वृद्धि : भारतीय कपड़ा, रत्न एवं आभूषण, चमड़ा उत्पाद और कृषि उत्पादों को कनाडा के बाजार में शुल्क मुक्त पहुंच मिल सकती है, जिससे निर्यात बढ़ेगा। आईटी और सेवा क्षेत्र : भारत के आईटी पेशेवरों और इंजीनियरों के लिए कनाडा में काम करना और वहां सेवाएं देना आसान होगा। वीजा नियमों में ढील और 'मूवमेंट ऑफ नेचुरल पर्सन्स' (Mode 4) पर समझौते से आईटी सेक्टर को सीधा लाभ होगा।

# आर्थिक वृद्धि को सशक्त बनाने पर मोदी आज करेंगे चर्चा

**नई दिल्ली :** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी मंगलवार सुबह 11:15 बजे बजट 2026-27 पर आयोजित दूसरे वेबिनार को संबोधित करेंगे। इस वेबिनार का मुख्य विषय "आर्थिक वृद्धि को निरंतर संभालना और सशक्त करना" रखा गया है।

प्रधानमंत्री कार्यालय के अनुसार, इस कार्यक्रम में चार विशेष सत्र होंगे, जो विनिर्माण, एमएसएमई के लिए कर्ज और बाजार सुविधा, शहरी आर्थिक नियोजन और बुनियादी ढांचा व लॉजिस्टिक्स के विकास पर केंद्रित होंगे। इस चर्चा का मुख्य उद्देश्य बजट प्राथमिकताओं के प्रभावी कार्यान्वयन में उद्योगों और संबंधित पक्षों की भागीदारी सुनिश्चित करना और औद्योगिक उत्पादन के विस्तार के लिए आवश्यक सुधारों पर सुझाव लेना है।

# ग्रीन स्टील के उपयोग से 2030 तक कार्बन उत्सर्जन में हो सकती है भारी कमी

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत में कार्बन उत्सर्जन को कम करने की दिशा में 'ग्रीन स्टील' एक क्रांतिकारी कदम साबित हो सकता है। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री और 'क्लाइमेट कैटालिस्ट' की हालिया रिपोर्ट के अनुसार, यदि सरकारी परियोजनाओं में 26% ग्रीन स्टील का उपयोग अनिवार्य कर दिया जाए, तो साल 2030 तक कार्बन डाइऑक्साइड उत्सर्जन में 20.9 मिलियन टन की कमी लाई जा सकती है।

रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि यदि इस हिस्सेदारी को बढ़ाकर 37% कर दिया जाए, तो 29.7 मिलियन टन कार्बन उत्सर्जन को रोका जा सकता है। यह उपलब्धि हर साल सड़कों से लगभग 90 लाख कारों को हटाने के बराबर होगी। कन्फेडरेशन ऑफ इंडियन इंडस्ट्री के कार्यकारी निदेशक के. एस. वेंकटगिरी का मानना है कि 'ग्रीन पब्लिक प्रोक्योरमेंट' यानी सरकारी खरीद, भारतीय इस्पात क्षेत्र को कम कार्बन उत्सर्जन वाले भविष्य की ओर ले जाने का सबसे सशक्त माध्यम है।

### रिपोर्ट की खास बातें

रिपोर्ट के अनुसार यदि इस्पात मंत्रालय 2028 तक 26% ग्रीन स्टील की खरीद अनिवार्य करता है, तो देश की 93% स्टील कंपनियां इसके उत्पादन के लिए पूरी तरह तैयार हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी 2.0), मेट्रो और रेल परियोजनाओं में ग्रीन स्टील के उपयोगसे कुल लागत में मात्र 0.2% से 1.2% तक की मामूली वृद्धि होगी। वर्तमान में देश में सार्वजनिक खरीद के तहत सालाना लगभग 3.16 करोड़ टन स्टील की खपत होती है, जिस पर 45-50 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जाते हैं।

### क्या है ग्रीन स्टील

ग्रीन स्टील का आशय जीवाश्म ईंधन के उपयोग के बिना इस्पात के निर्माण से है। इसका उत्पादन कोयला संचालित संयंत्रों के पारंपरिक कार्बन-गहन विनिर्माण मार्ग के बजाय हाइड्रोजन, कोयला गैसीकरण या बिजली जैसे कम कार्बन ऊर्जा स्रोतों का उपयोग करके किया जाता है। इससे ग्रीनहाउस गैस उत्सर्जन कम होता है और लागत में भी कमी आती है। साथ ही इस्पात की क्वालिटी बेहतर होती है। इसके अलावा कम-कार्बन हाइड्रोजन (नीली हाइड्रोजन और ग्रीन हाइड्रोजन) इस्पात उद्योग के कार्बन फुटप्रिंट को कम करने में भी मदद मिल सकती है।

# पश्चिम एशिया संकट: हवाई यात्रा पर ब्रेक, 25 प्रतिशत तक बुकिंग रद्द

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में ईरान और इजरायल के बीच बढ़ते सैन्य संघर्ष का सीधा असर अब हवाई यात्राओं पर दिखने लगा है।

'इंडियन एसोसिएशन ऑफ टूर ऑपरेटर्स' ने सोमवार को बताया कि क्षेत्र में जारी भू-राजनीतिक तनाव और हवाई क्षेत्र की अनिश्चितता के कारण पश्चिम एशिया से जुड़े मार्गों पर यात्रा बुकिंग में 20 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट और रद्दीकरण देखा जा रहा है।

- भू-राजनीतिक तनाव व हवाई क्षेत्र की 20 से 25 प्रतिशत तक की गिरावट देखी जा रही है

यात्रियों में डर और असमंजस IATO के अध्यक्ष रवि गोसाईं के अनुसार, खाड़ी देशों के पारगमन केंद्रों और उसके आसपास के हवाई गलियारों में व्यवधान के कारण यात्री अपनी यात्रा स्थगित या संशोधित कर रहे हैं। यात्रियों की इस सतर्कता के पीछे हवाई क्षेत्र बंद होने के कारण उड़ानों का मार्ग बदला जा रहा है, जिससे यात्रा की अवधि बढ़ गई है। इसके अलावा मार्ग परिवर्तन और बीमा शर्तों में बदलाव से हवाई टिकटों की कीमतों पर असर पड़ने की संभावना है।

विभिन्न देशों द्वारा जारी की जा रही 'ट्रैवल एडवाइजरी' के कारण लोग जोखिम लेने से बच रहे हैं।

**विस्तार** ऊर्जा और व्यापार मार्ग बाधित होने से आपूर्ति एवं कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है

# पश्चिम एशिया तनाव से भारत, अन्य एशियाई देशों के लिए जोखिम बढ़ा

नई दिल्ली, एजेंसी

पश्चिम एशिया में सैन्य संघर्ष तेज होने से भारत और एशिया के अन्य वस्तु आयातक देशों के लिए जोखिम बढ़ गया है।

ऊर्जा और व्यापार मार्ग बाधित होने से आपूर्ति एवं कीमतों पर दबाव बढ़ सकता है। मूडीज एनालिटिक्स ने सोमवार को यह आशंका जताई। ईरान पर अमेरिका एवं इजराइल की साझा सैन्य कार्रवाई और उसके बाद ईरान के जवाब हमलों से कच्चे तेल एवं गैस की आपूर्ति के प्रमुख मार्ग होर्मुज जलडमरुमध्य प्रभावी रूप से बंद हो गया है। यह जलडमरूमध्य वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति का प्रमुख मार्ग है, जहां से दुनिया के समुद्री मार्ग से होने वाले कच्चे तेल निर्यात का लगभग एक-तिहाई और तरलीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) की करीब 20 प्रतिशत खेप गुजरती है।

दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक भारत अपनी जरूरत का लगभग आधा कच्चा तेल इसी मार्ग से आयात करता है। मूडीज ने मौजूदा हालात पर अपनी रिपोर्ट में कहा, "होर्मुज जलडमरूमध्य के बंद होने से लाल सागर और व्यापक पश्चिम एशिया में और बाधाओं का जोखिम

बढ़ गया है। हवाई क्षेत्र बंद होने से यात्री एवं कार्गो उड़ानों पर भी असर पड़ा है।" इस मार्ग के बंद होने से एशिया क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित हो सकता है क्योंकि चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया जैसे बड़े देश इस क्षेत्र से तेल-गैस की बड़े पैमाने पर खरीद करते हैं। सोमवार सुबह एशियाई कारोबार में ब्रेंट कच्चा तेल करीब 80 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच गया, जो शुक्रवार के बंद भाव करीब 72 डॉलर से बहुत अधिक है।

शेयर बाजारों में भी शुरुआती कारोबार में बड़ी गिरावट देखी गई। मूडीज ने आगाह किया कि ऊंची जिंस कीमतें उपभोक्ता एवं उत्पादक मुद्रास्फीति को बढ़ा सकती हैं, जिससे केंद्रीय बैंकों को ब्याज दरों में कटौती रोकनी पड़ सकती है या दरें बढ़ानी पड़ सकती हैं। ऐसा होने पर आयात बिल बढ़ेगा, व्यापार घाटा बढ़ेगा और मुद्रा पर भी दबाव पड़ सकता है। एजेंसी ने कहा कि यह संघर्ष भारत के लिए स्थिति को और जटिल बना देता है। वह पश्चिम एशिया से बड़ी मात्रा में कच्चा तेल आयात करता है और उसने अमेरिका के साथ एक व्यापार समझौते के तहत रूस से तेल खरीद धीरे-धीरे कम करने पर भी सहमति जताई है।

रिपोर्ट कहती है कि खाड़ी क्षेत्र से तेल निर्यात या समुद्री यातायात में लंबी बाधा उभरती अर्थव्यवस्थाओं में कर्ज संबंधी चिंताओं को फिर जगा सकती है। एजेंसी ने कहा कि वह पश्चिम एशिया के हालात पर नजर रखे हुए है और अगले सप्ताह अपने आधारभूत पूर्वानुमान में इसके प्रभाव का आकलन जारी करेगी।

# आज लगेगा पूर्ण चंद्रग्रहण, अबकी चंद्रमा भी खेलेगा लाल रंग से होली

संवाददाता, नैनीताल

**अमृत विचार :** मंगलवार को पूर्ण चंद्रग्रहण होगा। इस ब्लडमून के दौरान चंद्रमा लाल रंग से होली खेलेगा। इस घटना का दीदार आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल, मनोरा पीक से कराने जा रहा है। आप एरीज के यूट्यूब चैनल पर शाम 5:30 बजे से इसे लाइव देख सकते हैं।

एरीज के खगोल वैज्ञानिक एवं साइंस सेंटर प्रभारी डॉ. वीरेंद्र यादव के अनुसार, आम जनता के लिए प्रत्यक्ष रूप से ग्रहण देखने की व्यवस्था शाम 6 बजे से की गई है। ग्रहण को नग्न आंखों से या दूरबीन से देखना सुरक्षित होता है। ऐसी दुर्लभ मनमोहक खगोलीय घटनाएं हमारी जिज्ञासा के लिए शानदार अवसर हैं। डॉ. यादव ने बताया कि पूर्ण चंद्र ग्रहण के समय सूर्य का कुछ प्रकाश पृथ्वी के वायुमंडल से होते हुए चंद्रमा पर पड़ता है। हमारा वायुमंडल सूर्यप्रकाश के रंगों में से बैंगनी और नीले रंगों को ज्यादा बिखेरता है और लाल और नारंगी रंगों को कम बिखेरता है अतः सूर्यप्रकाश का लाल रंग लगभग सीधे चंद्रमा पर पड़ता है, जिससे चंद्रमा गहरे लाल रंग का प्रतीत होता है। इस चंद्र ग्रहण में भी ऐसा रंग नजर आएगा, लेकिन भारत के अधिकांश हिस्सों से ये लाल नहीं दिखेगा क्योंकि यहां अधिकांश हिस्सों में आंशिक चंद्रग्रहण नजर आएगा। चंद्र ग्रहण दोपहर 3:20 बजे शुरू होगा और सायं 6:47 बजे समाप्त हो जाएगा। नैनीताल में सायं 6:15 बजे चंद्रोदय के बाद आंशिक चंद्र ग्रहण नजर आएगा।

### ब्लडमून का संयोग

डॉ. यादव के अनुसार, यह संयोग ही है कि, इस होली के अवसर पर पूर्ण चंद्रग्रहण होने जा रहा है। यह ब्लडमून वाला पूर्ण चंद्रग्रहण है। पूर्ण चंद्रग्रहण के दौरान चंद्रमा लाल रंग में रंग जाता है जिस कारण इसे ब्लडमून कहा जाता है।

## अर्थव्यवस्था पर होगी तगड़ी चोट

होर्मुज जलडमरूमध्य (स्ट्रेट ऑफ होर्मुज) दुनिया की वह धमनी है, जिससे वैश्विक अर्थव्यवस्था का रक्त यानी कच्चा तेल बहता है। ओमान और ईरान के बीच स्थित यह संकरा समुद्री मार्ग केवल 33 किलोमीटर चौड़ा है, लेकिन इसका रणनीतिक महत्व अकल्पनीय है। दुनिया का लगभग 20% से 25% तेल और एक-तिहाई तरल प्राकृतिक गैस (एलएनजी) इसी मार्ग से होकर गुजरती है। यदि ईरान इस मार्ग को बंद करता है, तो यह केवल एक क्षेत्रीय विवाद नहीं, बल्कि एक वैश्विक आर्थिक आपातकाल होगा। इस मार्ग के बंद होने का अर्थ है प्रमुख तेल उत्पादकों का दुनिया से संपर्क कट जाना। भारत जैसे देश के लिए, जो अपनी तेल जरूरतों का 85% आयात करता है, यह स्थिति किसी बड़े झटके से कम नहीं होगी। यह न केवल ऊर्जा सुरक्षा के लिए खतरा है, बल्कि महंगाई के रूप में एक बहुआयामी चुनौती पेश करेगा।

# होर्मुज स्ट्रेट पर रोक

### भारत के लिए दोहरी मार

- **तेल की कीमतों में आग :** भारत में पेट्रोल और डीजल की कीमतें रिकॉर्ड स्तर को पार कर सकती हैं। परिवहन लागत बढ़ने से सब्जियों, अनाज और रोजमर्रा की वस्तुओं के दाम बढ़ जाएंगे।
- **शेयर बाजार में गिरावट :** अनिश्चितता के कारण विदेशी निवेशक भारतीय बाजार से पैसा निकाल सकते हैं, जिससे शेयर बाजार में गिरावट आ सकती है।
- **रुपये की कमजोरी :** तेल खरीदने के लिए अधिक डॉलर खर्च करने होंगे, जिससे डॉलर के मुकाबले रुपया अपने सबसे निचले स्तर पर जा सकता है।
- **व्यापार घाटा :** आयात बिल बढ़ने से भारत का चालू खाता घाटा बढ़ जाएगा।

### कौन से देश होंगे प्रभावित

- **इनसे टूटेगा संपर्क :** इस मार्ग के बंद होने का अर्थ है सऊदी अरब, इराक, संयुक्त अरब अमीरात, कुवैत और कतर जैसे प्रमुख तेल उत्पादकों का दुनिया से संपर्क कट जाना।
- **एशियाई दिग्गज :** चीन, भारत, जापान और दक्षिण कोरिया अपनी ऊर्जा जरूरतों के लिए इस मार्ग पर सबसे अधिक निर्भर हैं। रिपोर्ट के अनुसार, एशियाई देशों का अधिकांश कच्चा तेल इसी रास्ते से आता है।
- **यूरोपीय बाजार :** पहले से ही रूस-यूक्रेन युद्ध के कारण ऊर्जा संकट झेल रहा यूरोप, मध्य पूर्व से आने वाली एलएनजी के लिए इस मार्ग पर निर्भर है।
- **वैश्विक तेल कीमतें :** विशेषज्ञों का मानना है कि मार्ग बंद होने पर कच्चे तेल की कीमतें 150 से 200 डॉलर प्रति बैरल तक पहुंच सकती हैं।
- **भारत के लिए झटका :** भारत का 85 प्रतिशत कच्चा तेल इसी रास्ते से आता है।

### भारत कैसे निपट सकता है

- **रणनीतिक तेल भंडार :** भारत ने विशाखापत्तनम, मंगलुरु और पादुर में भूमिगत तेल भंडार बनाए हैं। आपात स्थिति में भारत इनका उपयोग कर सकता है। के माध्यम से भारत अपनी आपूर्ति को कुछ हफ्तों तक सुरक्षित रख सकता है।
- **आपूर्ति स्रोतों का विविधीकरण :** भारत रूस, अमेरिका, अफ्रीका और लैटिन अमेरिकी देशों से तेल आयात बढ़ाकर मध्य पूर्व पर निर्भरता कम कर सकता है।
- **वैकल्पिक मार्ग और कूटनीति :** भारत ईरान के साथ अपने ऐतिहासिक संबंधों का उपयोग कर अपने जहाजों के लिए सुरक्षित रास्ता सुनिश्चित करने की कोशिश कर सकता है।

## वर्ल्ड ब्रीफ

### हिज़बुल्ला की सैन्य गतिविधियों पर रोक

**बेरुत।** लेबनान के प्रधानमंत्री नवाफ सलाम ने हिजबुल्ला की सैन्य गतिविधियों पर प्रतिबंध लगाने की घोषणा करते हुए इजरायल के साथ बढ़ते तनाव के बीच संगठन से अपने हथियार सौंपने का आग्रह किया है। यह बयान ऐसे समय में आया है, जब इजरायल और हिजबुल्ला के बीच तनाव चरम पर है। हाल ही में हिजबुल्ला ने उत्तरी इजरायल के हाइफा में एक सैन्य ठिकाने पर रॉकेट और ड्रोन दागा था। इसके बाद इजरायली लड़ाकू विमानों ने लेबनान की राजधानी बेरूत पर हवाई हमले किये थे। ईरान समर्थित संगठन ने कहा कि यह हमला ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की हत्या के प्रतिशोध में किया गया था।

### मचाडो ने वेनेजुएला लौटने का दिया संकेत

**काराकस।** वेनेजुएला की विपक्ष की नेता एवं 2025 के नोबेल शांति पुरस्कार की विजेता मारिया कोरिना मचाडो ने रविवार को कहा कि वह आने वाले हफ्तों में वेनेजुएला लौटेंगी और देश में चुनाव कराए जाएंगे। हालांकि, मचाडो ने वापसी की कोई तारीख नहीं बताई, लेकिन कहा कि उनका एक लक्ष्य आगामी चुनावों में "बड़ी जीत" के लिए तैयारी करना है। सोशल मीडिया पर साझा एक संदेश में नोबेल पुरस्कार विजेता ने अपने समर्थकों से अपील की कि वे प्राइमरी चुनाव में दिखाई गई वेनेजुएला वासियों की एकता को और मजबूत करें।

### म्यांमार में 10 हजार कैदियों को दी माफी

**बैंकॉक।** म्यांमार के सैन्य शासन प्रमुख ने 10,000 से अधिक कैदियों को माफी दी है और अन्य की सजा में कटौती की है। हालांकि, 2021 के सैन्य तख्तापलट में सत्ता से बेदखल की गईं पूर्व नेता आंग सान सू की की रिहाई का कोई संकेत नहीं है। सू की को तब से लगभग पूरी तरह बाहरी संपर्क से दूर रखा गया है। यह माफी संसद के पांच साल से अधिक समय बाद होने जा रहे पहले सत्र से करीब दो सप्ताह पहले दी गई है। हालिया चुनाव के बाद यह सत्र आहूत किया गया।

### यूरोप में गैस भंडारण स्तर 30 फीसद से नीचे

**मास्को।** यूरोप की भूमिगत भंडारण सुविधाओं में प्राकृतिक गैस का भंडार 28 फरवरी को 30 प्रतिशत से नीचे पहुंच गया, जो पर्यवेक्षण शुरू होने के बाद से फरवरी के अंत में दर्ज किये गये सबसे निचले स्तरों में से एक है। गैस अवसंरचना यूरोप के आंकड़ों के अनुसार, 28 फरवरी के गैस दिवस के दौरान यूरोपीय भंडारण सुविधाएं 29 .98 प्रतिशत तक ही भरी हुई थीं।

# दूसरे देशों में फंसे भारतीयों की मदद के लिए कदम उठाएं संबंधित विभाग

## सीसीएस ने की पश्चिम एशिया के हालात की समीक्षा, भारतीयों की सुरक्षा पर जताई चिंता

- पश्चिम एशिया विवाद का संवाद और कूटनीति से हल पर जोर

नई दिल्ली, एजेंसी

सुरक्षा मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीएस) ने पश्चिम एशिया में बदलती स्थिति की समीक्षा की और क्षेत्र में रहने वाले बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा को लेकर चिंता व्यक्त की। सीसीएस ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश भी दिया है कि वे घटनाक्रम से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आवश्यक कदम उठाएं।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में रविवार रात हुई बैठक में सीसीएस ने संघर्ष की स्थिति को शीघ्र समाप्त करने और संवाद एवं कूटनीति के जरिए मामले का हल निकालने के महत्व पर भी जोर दिया। सीसीएस देश के सुरक्षा संबंधी और रणनीतिक मामलों पर निर्णय लेने वाला सर्वोच्च निकाय है। एक आधिकारिक बयान में कहा गया है कि सीसीएस ने पश्चिम एशिया में उत्पन्न हो रही स्थिति की समीक्षा करने के लिए बैठक की और उसे ईरान में हुए हवाई हमलों और उसके बाद कई खाड़ी देशों में हुए हमलों सहित बढ़ते तनाव के बारे में जानकारी दी गई। बयान में कहा गया है कि उसने क्षेत्र में रहने वाले बड़े भारतीय प्रवासी समुदाय की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता व्यक्त की है। सीसीएस ने पश्चिम एशिया से होकर गुजरने वाले भारतीय यात्रियों और निर्धारित परीक्षाओं में शामिल हो रहे छात्रों की कठिनाइयों के साथ क्षेत्रीय सुरक्षा और आर्थिक एवं वाणिज्यिक गतिविधियों पर पड़ने वाले व्यापक प्रभावों की भी समीक्षा की। सीसीएस ने सभी संबंधित विभागों को घटनाक्रम से प्रभावित भारतीय नागरिकों की सहायता के लिए आवश्यक और व्यवहार्य कदम उठाने का निर्देश दिया।

### अपने नागरिकों के संपर्क में हैं भारतीय दूतावास

ईरान में लगभग 10,000 भारतीय नागरिक रहते, पढ़ते और काम करते हैं, जबकि इज़राइल में 40,000 से अधिक भारतीय नागरिक रहते हैं। खाड़ी देशों और पश्चिम एशिया में रहने वाले भारतीयों की संख्या लगभग 90 लाख है। वर्तमान में पश्चिम एशिया का हवाई क्षेत्र लगभग बंद है। पश्चिम एशिया में सैन्य तनाव बढ़ने के कारण उड़ान सेवाएं बाधित होने से सैकड़ों भारतीय दुबई, दोहा और अन्य प्रमुख हवाई अड्डों पर फंसे हुए हैं, जिनमें से कई लोग सहायता के लिए सोशल मीडिया पर भारत सरकार से अपील कर रहे हैं। भारत ने अतीत में संघर्षों के बीच पश्चिम एशिया सहित दुनिया के विभिन्न हिस्सों से हजारों भारतीयों को सफलतापूर्वक निकाला है। विदेश मंत्रालय ने कहा कि पूरे क्षेत्र में भारतीय दूतावास अपने नागरिकों के साथ लगातार संपर्क में है।

### बहरीन के शाह और सऊदी अरब के युवराज से प्रधानमंत्री मोदी ने की बात

**नई दिल्ली।** प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को बहरीन के शाह हम्माद बिन ईसा अल खलीफा और सऊदी अरब के युवराज एवं प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान से बातचीत की तथा पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के दौरान दोनों देशों पर हुए हमलों की निंदा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि दोनों देशों पर हुए हालिया हमले उनकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन करते हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने दोनों देशों में रहने वाले भारतीय समुदाय के कुशलक्षेम के बारे में भी उनसे बात की। दोनों नेताओं के साथ फोन पर बातचीत के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की जल्द से जल्द बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है। मोदी ने एक्स पर कहा कि सऊदी अरब के युवराज और प्रधानमंत्री मोहम्मद बिन सलमान के साथ पश्चिम एशिया के बदलते घटनाक्रम पर चर्चा की। भारत सऊदी अरब पर हाल ही में हुए हमलों की निंदा करता है, जो उसकी संप्रभुता और क्षेत्रीय अखंडता का उल्लंघन है। कहा कि हम इस बात पर सहमत हुए कि क्षेत्रीय शांति और स्थिरता की शीघ्र बहाली अत्यंत महत्वपूर्ण है।

## शाह बोले, बंगाल से घुसपैठियों को बाहर निकालेंगे

**मथुरापुर।** केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को घुसपैठ के मुद्दे पर भाजपा के रुख का उल्लेख करते हुए कहा कि हालांकि अभी मतदाता सूची से केवल घुसपैठियों के नाम हटाए जा रहे हैं, लेकिन पश्चिम बंगाल में पूर्ण बहुमत के साथ पार्टी के सत्ता में आने के बाद उन्हें राज्य से बाहर निकाल दिया जाएगा। शनिवार को संशोधित मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद राज्य में अपने पहले दौरे पर उन्होंने दक्षिण 24 परगना जिले में भाजपा की 'परिवर्तन यात्रा' को संबोधित किया। शाह ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने बंगाल को घुसपैठियों का स्वर्ग बना दिया था और आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल द्वारा अवैध अप्रवासन की अनुमति देने के कारण सीमावर्ती राज्य की सुरक्षा खतरे में है। उन्होंने कहा, बंगाल एक सीमावर्ती राज्य है। टीएमसी सुरक्षा सुनिश्चित नहीं कर सकती, क्योंकि वे घुसपैठ की अनुमति देते हैं। केवल भाजपा ही बंगाल जैसे सीमावर्ती राज्य को सुरक्षा प्रदान कर सकती है। उनकी ये टिप्पणी शनिवार को प्रकाशित विशेष गहन पुनरीक्षण के बाद की मतदाता सूचियों की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें नवंबर में शुरू हुई इस प्रक्रिया के बाद से 63.66 लाख नाम हटाए गए हैं।

## सीमा पर बाड़ लगाने को जमीन देगी बंगाल सरकार

कोलकाता, एजेंसी

- बाड़ लगाने के साथ सीमा पर चौकियां बनाएगा बीएसएफ

पश्चिम बंगाल सरकार ने सीमा पर बाड़ लगाने और चौकियां बनाने के लिए केंद्र को लगभग 105 एकड़ जमीन हस्तांतरित करने को सैद्धांतिक रूप से मंजूरी दे दी है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को बताया कि लगभग 17 किलोमीटर की बाड़ लगाने और सीमा चौकियां) स्थापित करने के लिए यह जमीन सीमा सुरक्षा बल को हस्तांतरित की जाएगी।

उन्होंने बताया कि केंद्रीय एजेंसियों को जमीन देने से संबंधित प्रस्तावों की जांच के लिए गठित मंत्रिस्तरीय समूह ने शुक्रवार को राज्य सचिवालय नबान्न में बैठक की और सैद्धांतिक रूप से इस प्रस्ताव को मंजूरी दे दी। हालांकि, अंतिम मंजूरी राज्य मंत्रिमंडल द्वारा दी जाएगी। एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीमा पर बाड़ लगाने और सीमा चौकियां बनाने के लिए बीएसएफ को जमीन सौंपने के प्रस्ताव पर विस्तार से चर्चा की गई। अब इसे अंतिम मंजूरी के लिए मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा।

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, केंद्र सरकार सीमा के 17 किलोमीटर लंबे हिस्से पर बाड़ लगाने की योजना बना रही है और इसके लिए उसने राज्य सरकार से जमीन मांगी है। बीएसएफ को भी इस क्षेत्र में नौ सीमा चौकियों के निर्माण के लिए जमीन की जरूरत है।

### कैबिनेट की मंजूरी के बाद भू अधिग्रहण

यदि मुख्यमंत्री कार्यालय प्रस्ताव को मंजूरी दे देता है, तो इसे राज्य मंत्रिमंडल के समक्ष रखा जाएगा। मंत्रिमंडल की स्वीकृति मिलने पर, जिला प्रशासन आवश्यक भूखंडों के अधिग्रहण के लिए भूस्वामियों से बातचीत शुरू करेगा। सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा मंत्रिस्तरीय समूह द्वारा सीमा से सटे नौ स्थानों पर स्थित लगभग 20-25 एकड़ सरकारी जमीन को बीएसएफ को हस्तांतरित करने की सिफारिश करने की संभावना है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने इससे पहले केंद्रीय एजेंसियों को जमीन देने से संबंधित प्रस्तावों की जांच के लिए एक विशेष मंत्रिस्तरीय समूह को नियुक्त किया था। सूत्रों के अनुसार, शुक्रवार को मंत्रियों, चंद्रिमा भट्टाचार्य, फिरहाद हकीम और अरूप बिस्वास ने इन बातों पर विचार-विमर्श किया।

## नेपाल में नई सरकार को 1.9 करोड़ मतदाता डालेंगे वोट

नई दिल्ली, एजेंसी

- पड़ोसी देश में प्रतिनिधि सभा के लिए 5 मार्च को होंगे आम चुनाव

नेपाल में नई सरकार चुनने के लिए 5 मार्च को मतदान होगा जिसमें लगभग 1.9 करोड़ लोग हिस्सा लेंगे। सितंबर 2025 में युवाओं के नेतृत्व में हुए भ्रष्टाचार विरोधी प्रदर्शनों के जरिये सरकार गिराये जाने के बाद देश में प्रतिनिधि सभा के लिए यह पहला आम चुनाव हो रहा है। छात्र विद्रोह के बाद से इस गणतंत्र का नियंत्रण पूर्व मुख्य न्यायाधीश सुशीला कार्की के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के हाथ में है।

वर्ष 1959 में हुए पहले चुनाव के बाद से यह नेपाल का 9वां संसदीय चुनाव होगा। यहां मिश्रित चुनावी प्रणाली लागू है। जिसे इसके 2015 के संविधान में पेश किया गया था। इस चुनाव में कई दिग्गज राजनेता मैदान में हैं जिन पर नजर रखना मौजूं होगा। पारंपरिक दलों के नेताओं के अलावा काठमांडू के 35 वर्षीय पूर्व मेयर बालेन्द्र शाह उनमें से एक हैं। 'बालेन' के नाम से मशहूर इस पूर्व रैपर का मुकाबला पूर्व प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली से है। ओली ने पिछले सितंबर में हिमालयी गणतंत्र में लंबे समय से व्याप्त भ्रष्टाचार और सामाजिक असमानता के खिलाफ बढ़ते जन आक्रोश के बीच इस्तीफा दे दिया था। अधिकतर राजनीतिक दलों ने अपने घोषणापत्रों में बेहतर शासन, भ्रष्टाचार से निपटने और बेरोजगारी कम करने जैसे मुद्दों पर विशेष ध्यान दिया है।

## तालिबानी लड़ाकों ने अफगान सीमा के पार कई हमले किए

**हेरात।** अफगानिस्तान के हेरात प्रांत के आसमान में रविवार रात को पाकिस्तानी लड़ाकू विमानों को उड़ते देखे जाने की रिपोर्टें हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक ये लड़ाकू विमान तालिबान के ठिकानों की निगरानी कर रहे थे। अफगान इंटरनेशनल में प्रकाशित एक समाचार के अनुसार तालिबान के एक अधिकारी ने पक्तिका प्रांत के बरमल जिले में अंगूर अड्डा सीमा चौकी पर पाकिस्तानी ठिकानों पर हमले की जानकारी दी है। तालिबान सरकार के सूचना एवं संस्कृति मंत्रालय के प्रमुख अहमदुल्ला मुत्ताकी ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो साझा किया है, जिसमें तालिबान लड़ाके पाकिस्तानी चौकियों पर हमले करते दिख रहे हैं।

## नागपुर फैक्ट्री धमाका : 21 निदेशकों पर मामला दर्ज

नागपुर, एजेंसी

- मामले में प्रथम दृष्टया कंपनी की लापरवाही आई सामने

महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले ने सोमवार को कहा कि नागपुर स्थित एसबीएल एनर्जी लिमिटेड में हुए विस्फोट के मामले में प्रथम दृष्टया कंपनी की लापरवाही सामने आई है और विस्फोटक सामग्री निर्माता ने सुरक्षा उपायों का समुचित पालन नहीं किया। बावनकुले ने यहां कहा कि कंपनी के 21 निदेशकों और शेयरधारकों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। विस्फोटक बनाने वाली कंपनी के नौ निदेशकों को गिरफ्तार भी किया गया है।

रविवार को जिले की कटोल तहसील के राउलगांव में खनन और औद्योगिक विस्फोटक बनाने वाली कंपनी एसबीएल एनर्जी लिमिटेड के कारखाने में हुए विस्फोट में 19 लोगों की मौत हो गई और 23 अन्य घायल हो गए। जिला प्रभारी मंत्री ने बताया कि घायलों में से 13 की हालत गंभीर है। उन्होंने कहा कि कंपनी मृतकों के परिजनों को 75-75 लाख रुपये और घायलों को 25-25 लाख रुपये का मुआवजा देगी। मंत्री ने कहा कि इसके अतिरिक्त केंद्र सरकार मृतकों के परिजनों को दो-दो लाख रुपये और राज्य सरकार पांच-पांच लाख रुपये देगी। पीड़ित परिवारों को कुल 82-82 लाख रुपये का मुआवजा मिलेगा। शारीरिक रूप से अक्षम लोगों के लिए एक पुनर्वास पैकेज भी तैयार किया जाएगा।

## कैसा रहेगा आपका आज का दिन

**मेष** — आज नई परियोजनाओं में धन निवेश कर सकते हैं। नई स्किल को सीखने का प्रयास करेंगे। प्रेम संबंधों का तनाव दूर होगा।

**तुला** — आज साझेदारी वाले व्यवसाय में आपको लाभ हो सकता है। अपने काम पर फोकस करेंगे। सरकारी कार्यों में आपको सफलता मिलेगी।

**वृष** — आज दिनचर्या अस्त-व्यस्त न रखें। अनैतिक कार्यों से दूरी बनाकर रखें। मन में किसी कारण दबाव रहेगा।

**वृश्चिक** — आज नए काम में मन लगेगा। वैवाहिक संबंधों में परस्पर सम्मान का भाव बढ़ेगा। व्यवसाय में सुगमता रहेगी।

**मिथुन** — आज जॉब में स्थानांतरण हो सकता है। आपकी दिनचर्या अनुशासित रहेगी। व्यवसाय में आय बढ़ सकती है।

**धनु** — आज शेयर मार्केट में निवेश लाभकारी होगा। अधिकारी आपसे अत्यधिक प्रसन्न रहेंगे। मन में अध्यात्मिक विचार जन्म लेंगे।

**कर्क** — आज पुराने मित्रों से चर्चा होगी। आपको आत्मनिरीक्षण करने का अवसर मिलेगा। महत्वपूर्ण कार्य किसी कारणवश टल सकते हैं।

**मकर** — आज छोटी-छोटी बातों को लेकर परेशान न हों। अधिक गर्म व ठंडे खाद्य पदार्थों का सेवन न करें। अपच की समस्या हो सकती है।

**सिंह** — आज आपका मन प्रसन्न रहेगा। आध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे। खर्च की तुलना में आपकी आय बढ़ेगी।

**कुंभ** — आज आपकी जीवनशैली बहुत अच्छी रहेगी। व्यापार में अपनी उन्नति से संतुष्ट रहेंगे। धन की कमी दूर होगी।

**कन्या** — आज कार्यक्षेत्र में अधिकारी वर्ग से बहस न करें। आपको अपने सम्मान की चिंता रहेगी। लंबी दूरी की यात्रा करने से बचें।

**मीन** — आज युवा करियर को लेकर निर्णय ले सकते हैं। सहकर्मियों के माध्यम से आपको धन-लाभ होगा। दूसरों के मामलों में हस्तक्षेप न करें।

### आज का पंचांग

-पं.मनोज कुमार द्विवेदी

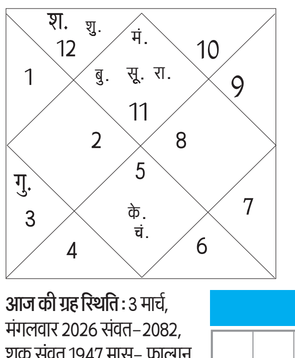


**आज की ग्रह स्थिति :** 3 मार्च, मंगलवार 2026 संवत-2082, शक संवत 1947 मास- फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, पूर्णिमा 17 .07 तक तत्पश्चात प्रतिपदा।

**दिशाशूल**- उत्तर, **ऋतु**- वसंत।
**चन्द्रबल**- मिथुन, सिंह, तुला, वृश्चिक, कुंभ, मीन।
**ताराबल**- अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
**नक्षत्र**- मघा 07 .31 तक तत्पश्चात पूर्वाफाल्गुनी।

### सुडोकू - 77 का हल

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| 9 | 3 | 8 | 6 | 7 | 5 | 1 | 4 | 2 |
| 7 | 5 | 1 | 9 | 4 | 2 | 3 | 6 | 8 |
| 6 | 4 | 2 | 1 | 8 | 3 | 9 | 7 | 5 |
| 3 | 2 | 5 | 7 | 1 | 8 | 6 | 9 | 4 |
| 8 | 6 | 4 | 3 | 2 | 9 | 7 | 5 | 1 |
| 1 | 7 | 9 | 4 | 5 | 6 | 8 | 2 | 3 |
| 5 | 1 | 7 | 8 | 9 | 4 | 2 | 3 | 6 |
| 4 | 9 | 6 | 2 | 3 | 1 | 5 | 8 | 7 |
| 2 | 8 | 3 | 5 | 6 | 7 | 4 | 1 | 9 |

### सुडोकू -78

| | | | | | | | | |
|---|---|---|---|---|---|---|---|---|
| | | 3 | | 9 | | 1 | | 2 |
| | | 5 | | | | | 7 | |
| 8 | | | | 1 | | 4 | | |
| 6 | | | 4 | 2 | | | 5 | |
| 9 | | 2 | | | | 6 | | 3 |
| | 4 | | | 5 | 6 | | | |
| | | 1 | | 3 | | | | 9 |
| | 6 | | | | | 8 | | |
| 2 | | 4 | | 6 | | 5 | | |

## स्तन कैंसर

### आईआईटी मद्रास और कारिकिनोस हेल्थकेयर के संयुक्त शोध में मिली जानकारी

# भारत में चार में से एक मरीज को विरासत में मिला जोखिम

चेन्नई, एजेंसी

- 497 रोगियों के जर्मलाइन डीएनए का किया विश्लेषण

भारत में चार में से एक स्तन कैंसर मरीज़ों को इस बीमारी से संबंधित आनुवंशिक जोखिम विरासत में मिलता है। आईआईटी-मद्रास और कारिकिनोस हेल्थकेयर की एक संयुक्त रिसर्च में यह खुलासा हुआ है। यह भारत में हुए सबसे बड़े स्तन कैंसर जीनोमिक अध्ययनों में से एक है। चेन्नई का कुमार अस्पताल और चेन्नई स्तन केन्द्र भी इस अध्ययन में शामिल थे।

अध्ययन ने खुलासा किया है कि भारत के 25 प्रतिशत स्तन कैंसर मरीज़ों में कैंसर के जोखिम से जुड़ा वंशानुगत आनुवंशिक रूप मौजूद होता है। इनमें से कैंसर के ज्यादातर रूप (वेरिएंट) जाने-माने बीआरसीए1 और बीआरसीए2 जीन से अलग होते हैं।

इस अध्ययन पत्र को आईआईटी-मद्रास के बायोटेक्नोलॉजी विभाग के जॉन पीटर, जयलक्ष्मी जोथी, अवराजित चक्रवर्ती, एस महालिंगम, कार्किनोस हेल्थकेयर से बानी जॉली, राजदीप राहा, विनोद स्कारिया, श्रीधर सिवासुब्बू, कुमारन हॉस्पिटल, चेन्नई के ऑन्कोलॉजी विभाग के स्वामीनाथन गणपति रमन और चेन्नई स्तन केन्द्र के सेल्वी राधाकृष्णन ने मिलकर लिखा है। अध्ययन के तहत 479 स्तन कैंसर रोगियों के जर्मलाइन डीएनए का विश्लेषण किया गया, जिनके नमूने आईआईटी मद्रास स्थित नेशनल कैंसर टिश्यू बायोबैंक से प्राप्त किये गये थे। इसे देश में तैयार अब तक के सबसे व्यापक वंशानुगत स्तन कैंसर डाटासेट में से एक बताया गया है। यह अध्ययन भारत कैंसर जीनोम एटलस का हिस्सा बन गया है, जिसे भारत का पहला और सबसे बड़ा मुक्त-स्रोत कैंसर जीनोम डाटा संसाधन माना जा रहा है। अध्ययन दल ने 97 कैंसर संवेदनशीलता जीनों की जांच की, जिनमें बीआरसीए1, बीआरसीए2 और होमोलॉगस रिकॉम्बिनेशन रिपेयर पाथवे से जुड़े 15 जीन शामिल थे। जीन परिवर्तनों का वर्गीकरण अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर स्वीकृत एसीएमजी/एएमपी दिशानिर्देशों के अनुरूप किया गया। शोध में पाया गया कि 24.6 प्रतिशत रोगियों में एक रोगकारी या संभावित रोगकारी जीन परिवर्तन मौजूद था। इनमें से केवल 8.35 प्रतिशत में बीआरसीए1 या बीआरसीए2 जीन परिवर्तन मिले, जबकि 11.9 प्रतिशत रोगियों में होमोलॉगस रिकॉम्बिनेशन रिपेयर पाथवे से जुड़े अन्य जीनों में वंशानुगत परिवर्तन पाए गए।

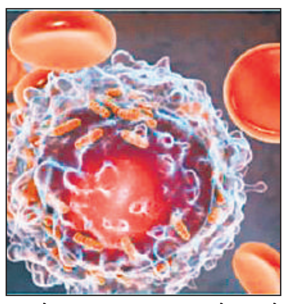

### कई जीन दक्षिण एशियाई आबादी के लिए विशिष्ट

शोधकर्ताओं ने यह भी पाया कि कई रोगकारी जीन परिवर्तन भारतीय या दक्षिण एशियाई आबादी के लिए विशिष्ट हैं और वैश्विक डाटाबेस में या तो अनुपस्थित हैं या अत्यंत दुर्लभ हैं। अध्ययन में दवा संबंधी जीन संकेतकों का भी आकलन किया गया, जो कीमोथेरेपी की सुरक्षा को प्रभावित कर सकते हैं। साथ ही वैश्विक आबादी से तुलना के लिए जिनोमैड डाटाबेस का उपयोग किया गया। शोधकर्ताओं का कहना है कि निष्कर्ष भारत और दक्षिण एशिया के लिए विशिष्ट जीन वेरिएंट डाटाबेस और व्याख्या ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित करते हैं।

## राष्ट्रपति लूला के खिलाफ ब्राजील में धरना-प्रदर्शन

**रियो डी जिनेरियो।** ब्राजील के पूर्व राष्ट्रपति जेयर बोलसोनारो के हजारों समर्थकों ने रविवार को कई शहरों में प्रदर्शन किया, जिसका उद्देश्य आगामी राष्ट्रपति चुनाव में दक्षिणपंथी नेता की जीत के लिए माहौल तैयार करना है। राष्ट्रीय ध्वज के रंगों- पीले और हरे रंगों के कपड़े पहने प्रदर्शनकारी साओ पाउलो, रियो डी जिनेरियो और राजधानी ब्रासीलिया की सड़कों पर उतरे और मौजूदा राष्ट्रपति लुइज इनासियो लूला दा सिल्वा के खिलाफ नारे लगाए। लूला को अक्टूबर में होने वाले चुनाव में कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ सकता है। पूर्व राष्ट्रपति के बेटे फ्लावियो बोलसोनारो ने इंस्टाग्राम पर कहा, यह साल सभी ब्राजीलियाई नागरिकों के लिए निर्णायक होगा।

## हाईलाइट

### न्यूजीलैंड चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा नहीं बनाता : मिचेल

**कोलकाता।** आक्रामक बल्लेबाज डेरिल मिचेल ने सोमवार को कहा कि न्यूजीलैंड चीजों को जरूरत से ज्यादा बड़ा नहीं बनाता और टीम को टी20 विश्व कप के सेमीफाइनल में भारत में खेलने के हालिया अनुभव से फायदा होगा। न्यूजीलैंड बुधवार को कोलकाता के ईडन गार्डन्स में पहले सेमीफाइनल में पिछली बार की उपविजेता दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगा। मिचेल ने कहा कि ब्लैक कैप्स को मैदान के अंदर और बाहर किस तरह काम करना है, इसे लेकर पूरी स्पष्टता है। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट से कहा हम टीम के तौर पर कैसे खेलना चाहते हैं, इसे लेकर पूरी तरह स्पष्ट हैं। हम चीजों को जितना है उससे बड़ा नहीं बनाते लेकिन सेमीफाइनल में पहुंचने को लेकर बेहद उत्साहित हैं और खुद को भाग्यशाली मानते हैं।

### घुड़सवार अनुष ने शानदार प्रदर्शन किया

**नई दिल्ली।** भारतीय घुड़सवार अनुष अग्रवाला ने अपने घोड़े फ्लोरियाना के साथ बेल्जियम ड्रेसेज स्पर्धा में शानदार प्रदर्शन किया जिससे उन्होंने आने वाले एशियाई खेलों के लिए अपनी क्वालीफिकेशन यात्रा शुरू की। अग्रवाला ने शनिवार को अपने आठ साल के घोड़े फ्लोरियाना के साथ ऑर्डर में 14वें नंबर से शुरुआत करते हुए 68.85 प्रतिशत के शानदार स्कोर से आत्मविश्वास से भरा प्रदर्शन दिया जिससे वह कुल मिलाकर चौथे नंबर पर रहे। वह रविवार को अपने 10 साल के घोड़े फिलन के साथ लौटे जिसमें उन्होंने पांचवें नंबर से शुरुआत की और इसमें और भी बेहतर प्रदर्शन देते हुए 70.3 प्रतिशत का व्यक्तिगत स्कोर हासिल किया। 70 प्रतिशत का स्कोर हासिल करना दबाव में निरंतरता और संयम दिखाता है।

### 250 जिलों में एथलेटिक्स प्रतियोगिताएं होंगी

**नई दिल्ली।** खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने सोमवार को घोषणा की कि अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर आठ और नौ मार्च को देश भर के 250 जिलों की दो लाख से अधिक लड़कियां 'अस्मिता' एथलेटिक्स प्रतियोगिताओं में हिस्सा लेंगी। खडसे ने भारत की 2036 ओलंपिक की दावेदारी को मजबूत करने के लिए खेलों में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने की वकालत की। यह खेल मंत्रालय की पहल का एक हिस्सा है जो अहमदाबाद में 2030 के राष्ट्रमंडल खेलों और भारत के ओलंपिक मेजबान बनने की कोशिश को ध्यान में रखते हुए देश भर में महिला तकनीकी अधिकारियों का एक पूल बनाने की भी शुरुआत करेगा।

### भारतीय रेसिंग प्रतिभा अतिका ने इतिहास रचा

**वालेंशिया।** भारतीय रेसिंग प्रतिभा अतिका मीर ने 'चैंपियंस ऑफ द फ्यूचर अकादमी (सीओएफटीए) कार्टिंग सीरीज' के यूरोपीय चरण में पोडियम स्थान हासिल कर इतिहास रच दिया। ग्यारह साल की अतिका ओकेएनजे (जूनियर) वर्ग में तीसरे स्थान पर रही। वह इस रेस में पोडियम पर जगह बनाने वाले पहली भारतीय रेसर है। यह उनके अब तक के करियर की सबसे बड़ी उपलब्धि है। एफवन अकादमी के समर्थन पाने वाली पहली भारतीय अतिका ने ग्रिड में नौवें स्थान से शुरुआत करते हुए शुरुआती रेस में तीसरा और दूसरी रेस में दूसरा स्थान हासिल किया।

# मैंने फोन और सोशल मीडिया बंद कर दिया और अंतरात्मा की आवाज सुनी : सैमसन

## टी-20 विश्व कप : खराब फॉर्म के दौर में भी नहीं गिरने दिया अपना आत्मविश्वास

कोलकाता, एजेंसी

भारत के सलामी बल्लेबाज संजू सैमसन ने अपने फोन और सोशल मीडिया अकाउंट बंद कर दिए ताकि खराब फॉर्म के दौर में भी उनका आत्मविश्वास न डगमगाए और आखिर में उन्होंने वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप के करो या मरो मैच में मैच विजेता पारी खेलकर लय हासिल कर ली। सैमसन ने रविवार को यहां खेले गए सुपर आठ के मैच में 50 गेंदों में 97 रन बनाए, जिसमें 12 चौके और चार छक्के शामिल हैं। उनकी इस पारी की बदौलत भारत ने जीत हासिल करके सेमीफाइनल में जगह बनाई।

सुपर आठ के पहले मैच में दक्षिण अफ्रीका से भारत की करारी हार के बाद इस 31 वर्षीय खिलाड़ी को सलामी बल्लेबाजी के रूप में अंतिम एकादश में शामिल किया गया था। सैमसन ने रविवार को यहां भारत की पांच विकेट से जीत के बाद स्टार स्पोर्ट्स से कहा मैंने अपने शॉट चयन पर लगातार काम किया। मैं बहुत अधिक बदलाव नहीं करना चाहता था क्योंकि मुझे पता था कि मैंने उसी तरह से खेलते हुए पहले अच्छा प्रदर्शन किया है। इसलिए मैंने खुद पर भरोसा बनाए रखा, अपना फोन बंद कर दिया, सोशल मीडिया से दूर रहा और अपनी अंतरात्मा की आवाज सुनी। मुझे खुशी है कि मैंने एक ऐसे मैच में अच्छा प्रदर्शन किया जो बहुत खास था। सैमसन ने असल में अकेले दम पर भारत को लक्ष्य तक पहुंचाया। इस बीच उन्हें कप्तान सूर्यकुमार यादव (18) और तिलक वर्मा (27) का कुछ साथ मिला। उन्होंने कहा यह थोड़ा मुश्किल लक्ष्य था। हमारी बल्लेबाजी की मजबूती को देखते हुए मुझे लग रहा था कि ईडन गार्डन्स में ओस पड़ने पर 196 रन के लक्ष्य का पीछा करना थोड़ा आसान हो जाएगा, लेकिन नियमित अंतराल पर विकेट गिरने से यह चुनौतीपूर्ण हो गया। सैमसन ने कहा यहीं पर मेरे अनुभव ने अहम भूमिका निभाई। मुझे अच्छी शुरुआत मिली, लेकिन जब विकेट गिरते रहे तो मुझे लगा कि मुझे मैच का सकारात्मक अंत करना होगा। उन्होंने कहा आप हमेशा ऐसा प्रदर्शन करना चाहते हैं लेकिन हमेशा ऐसा नहीं होता है। इसलिए मुझे खुशी है कि इस मैच में मैंने अच्छा प्रदर्शन किया। जब आप दबाव वाली परिस्थितियों में लक्ष्य का पीछा कर रहे होते हैं तो आप अलग-अलग विकल्प अपनाते हैं और जोखिम भरे विकल्पों पर विचार करने के बजाय अधिक बाउंड्री लगाते हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ घरेलू श्रृंखला में निराशाजनक प्रदर्शन के बारे में बात करते हुए सैमसन ने अपनी तकनीक में किए गए बदलावों के बारे में बताया। उन्होंने कहा यह मानवीय प्रकृति है कि हम अक्सर नकारात्मक सोच से शुरुआत करते हैं, जैसे क्या मैं ऐसा कर सकता हूं। मुझे नहीं लगता कि मैं ऐसा कर सकता हूं।'' जब भी मेरे मन में ऐसे विचार आते हैं तो मैं उन्हें सकारात्मक विचार से बदलने की कोशिश करता हूं। न्यूजीलैंड के खिलाफ मैं अच्छा प्रदर्शन करना चाहता था लेकिन चीजें मेरे अनुकूल नहीं रही। सौभाग्य से मुझे 10 दिन का समय मिल गया। सैमसन ने कहा मैंने आत्ममंथन किया। मैंने अपनी बुनियाद पर काम किया कि मैंने खुद को कैसे तैयार किया था। बहुत से लोगों ने सुझाव दिए मैंने खुद से कहा कि ''संजू, तुमने इसी प्रारूप में तीन अंतरराष्ट्रीय शतक लगाए हैं। जब सैमसन से पूछा गया कि कोलकाता में खेली गई उनकी पारी उनके लिए क्या मायने रखती है, तो उन्होंने कहा कि वह खुद को भाग्यशाली मानते हैं कि वह उस सपने को जी रहे हैं जिसे उन्होंने बचपन से संजोकर रखा है। उन्होंने कहा भारत में सौ से अधिक क्रिकेटर ऐसे दिन का सपना देखते हैं। मैंने सपना देखने की हिम्मत की। केरल के त्रिवेंद्रम का एक युवा लड़का देश के लिए खेलने और इतने महत्वपूर्ण मैच में जीत हासिल करने का सपना देख रहा था। मैंने सपना देखने की हिम्मत की और यह सच हो गया।

### सभी चाहते थे कि संजू अच्छा प्रदर्शन करे

**नई दिल्ली।** अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज सुनील गावस्कर का कहना है कि संजू सैमसन इतने अच्छे इंसान हैं कि हर कोई चाहता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करें और वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप में खेली गई उनकी निर्णायक पारी ने उनके प्रशंसकों पर से भी दबाव कम कर दिया होगा। सैमसन ने रविवार रात कोलकाता में वेस्टइंडीज के खिलाफ मैच में नाबाद 97 रन बनाकर फॉर्म में वापसी की। गावस्कर ने स्टार स्पोर्ट्स के एक कार्यक्रम में कहा 97 रन की इस नाबाद पारी ने न सिर्फ संजू सैमसन पर से बड़ा बोझ हटा दिया है बल्कि उन लोगों पर से भी बोझ उतार दिया है जो जानते हैं कि वह कितने बेहतरीन खिलाड़ी रहे हैं। उनके करियर में उतार-चढ़ाव आए हैं। वह बहुत ही अच्छे इंसान हैं। हर कोई चाहता है कि वह अच्छा प्रदर्शन करें। विश्व कप से पहले सैमसन का प्रदर्शन खराब रहा था। वह बड़ी पारी नहीं खेल पा रहे थे। गावस्कर ने कहा सभी भारतीय प्रशंसक इस बात से खुश होंगे कि इस ईमानदार क्रिकेटर को वह सफलता मिली है जिसका वह हकदार है। अब भारत गुरुवार को मुंबई में सेमीफाइनल में इंग्लैंड का सामना करेगा। गावस्कर ने कहा करो या मरो के मैच में मैन ऑफ द मैच बनना सपना सच होने जैसा है। मैच विजेता पारी खेलने के बाद संजू के चेहरे पर भाव साफ झलक रहे थे। वह शतक से सिर्फ तीन रन दूर थे और अगर वह शतक तक पहुंच जाते तो यह शानदार होता।

# संजू को सफेद गेंद की टीम में नियमित खेलना चाहिए

कोलकाता, एजेंसी

- पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सैमसन का किया समर्थन

पूर्व कप्तान सौरव गांगुली ने सोमवार को संजू सैमसन को भारत की सफेद गेंद की टीमों में नियमित रूप से शामिल किए जाने का समर्थन किया और टी20 विश्व कप से पहले इस आक्रामक विकेटकीपर-बल्लेबाज की आलोचना पर हैरानी व्यक्त की। सैमसन की 50 गेंद में नाबाद 97 रन की पारी से भारत ने रविवार को यहां वेस्टइंडीज के खिलाफ वर्चुअल क्वार्टरफाइनलमें 196 रन के लक्ष्य का पीछा किया। इसे एक शानदार पारी बताते हुए गांगुली ने कहा वह बहुत अच्छा खिलाड़ी है। उसे सफेद गेंद के क्रिकेट में भारत के लिए लगातार खेलना चाहिए, शत प्रतिशत।

उन्होंने कहा यह मुकाबला लगभग क्वार्टर फाइनल जैसा था और 97 रन पर नाबाद रहना उसके कौशल को दिखाता है। वह इस तरह का खिलाड़ी है। जब वह मैदान में उतरता है तो विरोधी टीम को नुकसान पहुंचाता है। सैमसन ने यह पारी उस दिन खेली जब भारत के मुख्य बल्लेबाज अभिषेक शर्मा, ईशान किशन, कप्तान सूर्यकुमार यादव और हार्दिक पंड्या सस्ते में आउट हो गए। लेकिन सैमसन ने दबाव से अच्छी तरह निपटते हुए आखिर तक बिना किसी जोखिम के बल्लेबाजी की।

गांगुली ने आगे कहा वह परिस्थिति के हिसाब से खेला और यह जरूरी था। इससे हम सभी को यह सीख मिलती है कि यह वही लड़का है जो पिछले छह महीनों में टीम में अपनी जगह नहीं बना पाया, भले ही ईशान किशन पारी का आगाज कर रहा हो या कोई और आ रहा हो। उन्होंने कहा विश्व कप से ठीक पहले मैं अखबार में पढ़ता था कि संजू फिर विफल हो गया वह टीम में शामिल होने का हकदार नहीं भारत में इतनी प्रतिभा है, शुभमन गिल टीम में क्यों नहीं है? और फिर यही लड़का क्वार्टरफाइनल जैसे मैच 97 रन बनाकर नाबाद रहता है और आपको सेमीफाइनल में पहुंचा देता है। गांगुली ने यह भी कहा कि इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज से ज्यादा मुश्किल होगी और कहा कि मुंबई में सेमीफाइनल की मुश्किल पार करने के लिए घरेलू टीम को अपनी बेहतरीन फॉर्म बनाए रखनी होगी।

इंग्लैंड की टीम वेस्टइंडीज से ज्यादा मजबूत प्रतिद्वंद्वी होगी। उन्हें वैसा ही खेलना होगा जैसा उन्होंने कल के मैच में जीत दिलाई थी। भारत के लिए सबसे अच्छी बात यह रही है कि टी20 विश्व कप से पहले न्यूजीलैंड के खिलाफ निराशाजनक सीरीज के बाद संजू सैमसन ने शीर्ष क्रम में फॉर्म में वापसी की है।

- सौरव गांगुली

**सेमीफाइनल**

| टीम | तारीख |
|---|---|
| न्यूजीलैंड बनाम द. अफ्रीका | 4 मार्च |
| भारत बनाम इंग्लैंड | 5 मार्च |

**फाइनल**

| | |
|---|---|
| सेमीफाइनल विजेता टीम | 8 मार्च |

# क्रिकेट एक टीम गेम है : गंभीर

कोलकाता, एजेंसी

- कई वर्षों से हम सिर्फ कुछ खास योगदान की ही बात करते आए हैं

गौतम गंभीर का मानना है की टीम गेम में प्रत्येक खिलाड़ी का छोटा या बड़ा योगदान महत्वपूर्ण होता है लेकिन भारतीय क्रिकेट में लंबे समय से इसका अभाव रहा है। भारत के मुख्य कोच ने कहा कि अगर शिवम दुबे ने रविवार को वेस्टइंडीज के खिलाफ टी20 विश्व कप के मैच में 19वें ओवर दो चौके नहीं लगाए होते तो संजू सैमसन की 97 रन की मैच विजेता पारी की कोई बात नहीं कर रहा होता।

गंभीर ने कहा कि जब तक वह कोच हैं, प्रत्येक खिलाड़ी के योगदान का पूरे सम्मान के साथ उल्लेख किया जाएगा। गंभीर ने पत्रकारों से कहा मुझे खुशी है कि आप सभी के योगदान के बारे में बात कर रहे हैं क्योंकि कई वर्षों से हम केवल कुछ विशेष योगदानों के बारे में ही बात करते रहे हैं। यह एक टीम गेम है और यह हमेशा टीम गेम ही रहेगा। उन्होंने कहा मेरे लिए शिवम के दो चौके भी उतने ही महत्वपूर्ण हैं जितने संजू के 97 रन, क्योंकि अगर उसने वे दो चौके नहीं लगाए होते तो आप उस (97 रन की पारी) के बारे में बात भी नहीं करते।''''

गंभीर ने कहा बड़ा योगदान सुर्खियां बटोरता है, लेकिन छोटा योगदान भी महत्वपूर्ण होता है क्योंकि वह टीम को जीत दिलाने में मदद कर सकता है, उसे लक्ष्य तक पहुंचा सकता है। इसीलिए मैं कहता हूं कि जब तक मैं इस पद पर हूं, हमारी आगे भी यही नीति रहेगी। दुनिया भर के कोच आंकडों (डेटा) को महत्वपूर्ण मानते हैं लेकिन इनमें गंभीर शामिल नहीं हैं। उन्होंने कहा सच कहूं तो मुझे आंकड़ों पर भरोसा नहीं है। मैंने कभी आंकड़े देखे ही नहीं। मुझे तो यह भी नहीं पता कि आंकड़े होते क्या हैं। मैं उन पर बिल्कुल भी विश्वास नहीं करता, क्योंकि मुझे लगता है कि वे अधिकतर सहज ज्ञान पर आधारित होते हैं। गंभीर की यह टिप्पणी आश्चर्यजनक थी क्योंकि टीम डेटा विश्लेषक हरि प्रसाद पर काफी हद तक निर्भर रहती है।

भारतीय कोच ने कहा टी20 क्रिकेट में सहज ज्ञान और उस सहज ज्ञान पर भरोसा करना ही सब कुछ है। खेल और टी20 प्रारूप के बारे में मुझे जो भी जानकारी है, मैं उसे कप्तान को देने और जितना हो सके उनकी मदद करने की कोशिश करता हूं। उन्होंने कहा लेकिन आखिर में फैसला कप्तान को करना होता है लेकिन ईमानदारी से कहूं तो मुझे आंकड़ों पर कोई विश्वास नहीं है क्योंकि इन्हें बहुत बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है। मेरे लिए यह बहुत सौभाग्य की बात है कि हमारे पास विश्वस्तरीय खिलाड़ी हैं। इंग्लैंड के खिलाफ मुंबई में होने वाले सेमीफाइनल के बारे में गंभीर ने कहा उनकी (इंग्लैंड) टीम एक विश्वस्तरीय टीम हैं। उनके पास कई बेहतरीन खिलाड़ी भी हैं और हम सभी जानते हैं कि वानखेड़े में खेलना आसान नहीं होता है। उम्मीद है कि हम अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

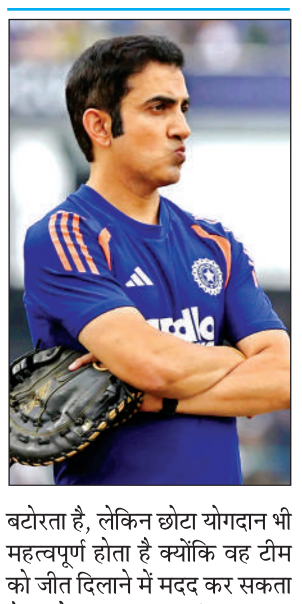

# जहीर के बाद भज्जी से संपर्क किया बीसीसीआई ने

**कोलकाता।** भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने खिलाड़ियों की अगली पीढ़ी को तैयार करने में मदद के लिए अपने पूर्व क्रिकेटरों से संपर्क किया है। इसमें पूर्व भारतीय दिग्गज जहीर खान और हरभजन सिंह शामिल हैं। उनसे बेंगलुरु स्थित 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' (सीओई) में विशेष शिविरों में अपनी सेवाएं देने के लिए कहा है।

बीसीसीआई ने इन शिविरों के कुछ खिलाड़ियों की सूची तैयार की है। इस सूची में ऐसे खिलाड़ी शामिल किए गए हैं जो भविष्य में भारत की तरफ से खेल सकते हैं। इन खिलाड़ियों में आयु वर्ग और प्रथम श्रेणी क्रिकेट के अलावा भारत ए और भारत की सीनियर टीम की तरफ से कुछ मैच खेलने वाले खिलाड़ी शामिल हैं।

बाएं हाथ के तेज गेंदबाज जहीर खान युवा तेज गेंदबाजों के साथ पांच दिवसीय शिविर के लिए पहले ही बेंगलुरु पहुंच चुके हैं। ये युवा गेंदबाज सीनियर टीम में जगह बनाने के करीब हैं या उसके लिए कुछ मैच खेल चुके हैं। सीओई के प्रमुख वीवीएस लक्ष्मण ने इससे सुखद परिणाम की उम्मीद जताई है।

# मेसी के दो गोल से इंटर मियामी जीता

ऑरलैंडो, एजेंसी

लियोनेल मेसी ने दूसरे हाफ में दो गोल किए, जबकि डिफेंडर टेलास्को सेगोविया ने एक गोल करने के अलावा दो गोल करने में मदद की जिससे मौजूदा चैंपियन इंटर मियामी ने एमएलएस फुटबॉल टूर्नामेंट में ऑरलैंडो सिटी को 4-2 से हराकर इंटर एंड कंपनी स्टेडियम में पहली बार जीत हासिल की।

पहले हाफ में दो गोल से पिछड़ने के बाद मियामी की तरफ से पहला गोल दूसरे हाफ के चौथे मिनट में माटेओ सिल्वेट्टी ने किया। मेसी ने सेगोविया से पास लेकर 57वें मिनट में अपना पहला गोल किया और इंटर मियामी को 2-2 से बराबरी पर ला दिया। सेगोविया ने 85वें मिनट में गोल करके मियामी को बढ़त दिलाई। मेसी ने 90वें मिनट में फ्री किक पर गोल करके मियामी की जीत सुनिश्चित कर दी। अर्जेंटीना का यह स्टार खिलाड़ी इस तरह से एमएलएस में 52 गोल कर चुका है। मार्को पासलिच ने इवान एंगुलो से पास पर 18वें मिनट में गोल करके ऑरलैंडो सिटी को 1-0 की बढ़त दिलाई। इसके बाद मार्टिन ओजेडा ने गोल किया जिससे ऑरलैंडो सिटी को 2-0 की बढ़त मिल गई।

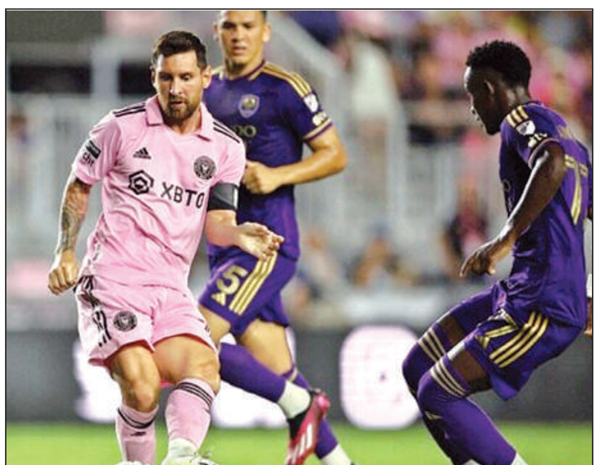

### ईरान का विश्व कप फुटबॉल में खेलना संदिग्ध

**तेहरान, एजेंसी।** ईरान के फुटबॉल महासंघ के अध्यक्ष मेहदी ताज ने कहा कि अमेरिका और इजरायल के उनके देश पर किए गए हमले के बाद वह पक्के तौर पर नहीं कह सकते कि उनकी टीम इस साल अमेरिका में होने वाले फीफा विश्व कप फुटबॉल टूर्नामेंट में खेल पाएगी या नहीं। मेहदी ताज ने खेल पोर्टल वर्जेश3 से कहा निश्चित रूप से इस हमले के बाद हम विश्व कप में भाग लेने को लेकर उम्मीद की दृष्टि से नहीं देख सकते। अमेरिका और इजरायल के हमले के बाद ईरान ने भी जवाबी हमले किए। ईरान के सर्वोच्च नेता अयातुल्ला अली खामेनेई की मौत के बाद इस देश का भविष्य अनिश्चितता में डूब गया है और क्षेत्रीय अस्थिरता का खतरा बढ़ गया है। विश्व कप में ईरान को ग्रुप जी में रखा गया है और उसे इंग्लेवुड, कैलिफोर्निया में 15 जून को न्यूजीलैंड और 21 जून को बेल्जियम के खिलाफ मैच खेलने हैं। इसक बाद वह 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ पहले दौर का अपना अंतिम मैच खेलेगा। विश्व कप फुटबॉल 11 जून से 19 जुलाई तक अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको में खेला जाएगा।

## विचार

दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट व वनडे कप्तान बोले- क्रिकेट भद्रजनों का खेल है, हम इसी सोच के साथ बड़े हुए

# हाथ नहीं मिलाने की नीति अच्छी नहीं लगती : तेम्बा बावुमा

नई दिल्ली, एजेंसी

दक्षिण अफ्रीका के प्रेरणादायी टेस्ट और वनडे कप्तान तेम्बा बावुमा का मानना है कि अंतर्राष्ट्रीय मैचों के दौरान खिलाड़ियों द्वारा हाथ नहीं मिलाना खेल के लिए अच्छा संदेश नहीं देता। भारत और श्रीलंका में खेले जा रहे मौजूदा टी20 विश्व कप के कमेंट्री पैनल में शामिल बावुमा ने कहा भारत-पाकिस्तान मुकाबलों में 'नो हैंडशेक (हाथ नहीं मिलाने)' नीति के अलावा अन्य मुद्दों पर बात की। सामाजिक मुद्दों पर बेबाक राय रखने के लिए पहचाने जाने वाले 35 वर्षीय बल्लेबाज ने अपने देश में सभी को समान अवसर दिए जाने की जोरदार वकालत की और खेल को एकजुट करने वाली शक्ति पर भी बल दिया।

बावुमा ने कहा हां, अगर आप इसे बाहर से देखते हैं तो अच्छी नहीं लगती। यह क्रिकेट के खेल के लिए अच्छा नहीं दिखता। आखिरकार यह भद्रजनों का खेल है, हम इसी सोच के साथ बड़े हुए हैं कि हमसे एक खास व्यवहार की अपेक्षा की जाती है।

उन्होंने आगे कहा लेकिन जैसा मैंने कहा, यह बाहर से देखने का नजरिया है। मैं भारत और पाकिस्तान के बीच की राजनीति से पूरी तरह परिचित नहीं हूं, इसलिए उस दृष्टिकोण से कुछ नहीं कह सकता। लेकिन एक दर्शक के तौर पर, जो बिना पूरी पृष्ठभूमि जाने इसे देख रहा है, तो यह क्रिकेट के खेल के लिए अच्छा संदेश नहीं देता। दक्षिण अफ्रीका ने बावुमा की कप्तानी में पिछले साल जून में आईसीसी विश्व टेस्ट चैंपियनशिप के फाइनल के बाद भारत में 25 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद टेस्ट श्रृंखला में जीत दर्ज की थी। पिछले 12 महीनों में मिली बड़ी सफलताओं ने 'चोकर्स' के तमगे से भी काफी हद तक मुक्त कर टीम के आत्मविश्वास को नई ऊंचाई दी है।

### पीसीबी ने टी-20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन के लिए अपने खिलाड़ियों पर लगाया जुर्माना

**इस्लामाबाद।** पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने टी-20 विश्व कप में खराब प्रदर्शन करने वाले सभी खिलाड़ियों पर 50 लाख पाकिस्तानी रुपये (लगभग 18000 अमेरिकी डॉलर) का जुर्माना लगाया है। पाकिस्तान इस टूर्नामेंट में सुपर आठ स्टेज के बाद टूर्नामेंट से बाहर हो गया और लगातार चौथी बार आईसीसी पुरुष टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में नहीं पहुंच पाया। पाकिस्तान के इतिहास में ऐसा पहली बार हुआ है। क्रिकइनफो की रिपोर्ट के अनुसार जुर्माना डिसिप्लिनरी कारणों से नहीं है, बल्कि खास तौर पर बोर्ड के अनुसार टूर्नामेंट में खराब प्रदर्शन के लिए लगाया गया है। ये जुर्माना ग्रुप स्टेज में भारत के खिलाफ पाकिस्तान के मैच के तुरंत बाद लगाया गया था, जहां खराब प्रदर्शन के कारण 61 रन से हार मिली थी। उन्हें बताया गया था कि अगर पाकिस्तान टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंचता है तो जुर्माना माफ किया जा सकता है। हालांकि, मौजूदा पीसीब प्रबंधन के पास बड़े टूर्नामेंट में निराशा के बाद सजा देने का यह तरीका है। पांच महीने पहले, एशिया कप फाइनल में भारत से मिली करीबी हार के बाद, पीसीबी ने खिलाड़ियों को दिए गए सभी नो-ऑब्जेक्शन सर्टिफिकेट को कुछ समय के लिए निलंबित कर दिया था।